वर्ष-07 · अंक 326
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
गुरुवार, 03 सितम्बर 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर : अखिलेश 3
मुफ्त सुविधाओं से आगे की राजनीतिः रोजगार और आत्मनिर्भरता पर 4
इफको-एमसी के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संघाणी ... 11

रीवा में भीषण सड़क हादसा, बस-बल्कर की आमने-सामने भिड़ंत

रीवा(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में सीधी मार्ग पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-39 पर बदवार स्टैंड के पास सीधी की ओर से आ रही पवन एक्सप्रेस बस और रीवा की ओर से आ रहे बल्कर की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में करीब 12 लोगों की मौत की सूचना सामने आ रही है, जबकि 20 से अधिक लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। हालांकि, देर शाम तक मृतकों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी थी। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्काल गुढ़ थाना पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने के लिए राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। दुर्घटना में घायल यात्रियों को तत्काल एंबुलेंस और अन्य वाहनों की मदद से रीवा के संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का उपचार शुरू कर दिया गया है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी सक्रिय रहीं। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिकता के आधार पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। हादसे के बाद पुलिस, प्रशासन और राहत दल की टीमें मौके पर लगातार बचाव कार्य में जुटी रहीं। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों ने भी पुलिस और राहतकर्मियों का सहयोग किया। प्रशासन की ओर से घटनास्थल की स्थिति को नियंत्रित करने और घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए। भीषण टक्कर के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-39 पर यातायात भी प्रभावित हुआ। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के सड़क पर होने के चलते कुछ समय के लिए आवागमन बाधित रहा। पुलिस ने मौके पर व्यवस्था संभालते हुए यातायात को सुचारु कराने के प्रयास किए। हादसे के बाद मृतकों की पहचान और उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू की गई। प्रशासन की ओर से घटना की जांच भी की जा रही है। फिलहाल हादसे के सही कारणों का पता नहीं चल सका है।

साढ़े तीन लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को सौगात

लखनऊ(एजेंसी)। प्रदेश के करीब साढ़े तीन लाख आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए योगी सरकार ने बड़ी सौगात दी है। कर्मचारियों के वेतन में सात हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीकोस) के लोगो का अनावरण करने के साथ ही निगम की वेबसाइट और पोर्टल भी लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने आउटसोर्स कर्मचारियों को चेक भी वितरित किए। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। नई व्यवस्था के तहत आउटसोर्स कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने की दिशा में भी कदम उठाया गया है। कर्मचारियों को 50 लाख रुपये तक का बीमा कवर देने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा आकस्मिक चिकित्सा जरूरत के लिए पांच लाख रुपये और एयर एंबुलेंस की सुविधा के लिए 10 लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों का एकीकृत डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। अभी कर्मचारियों से संबंधित जानकारी अलग-अलग विभागों और आउटसोर्स एजेंसियों के स्तर पर रखी जाती है। नई व्यवस्था में इन सभी जानकारियों को एक ऑनलाइन मंच से जोड़ा जाएगा। पोर्टल पर कर्मचारी की भर्ती, तैनाती, उपस्थिति और भुगतान से संबंधित जानकारी दर्ज की जाएगी। इससे सरकार को यह पता लगाने में आसानी होगी कि प्रदेश के किस विभाग में कितने आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं और उन्हें कितना भुगतान किया जा रहा है। नई डिजिटल व्यवस्था के लागू होने के बाद आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा से जुड़े रिकॉर्ड को एक ही स्थान पर देखा जा सकेगा। कर्मचारी की नियुक्ति से लेकर उसकी तैनाती, उपस्थिति और भुगतान तक की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। इससे कर्मचारियों से संबंधित सूचनाओं को जुटाने में लगने वाला समय कम होगा और विभागों के बीच समन्वय भी बेहतर होगा। सरकार का उद्देश्य आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती और भुगतान व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाना है। अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से होने वाली प्रक्रियाओं की निगरानी आसान होने से अनियमितताओं की गुंजाइश कम करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। पोर्टल पर कर्मचारी का सेवा रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा। भविष्य में किसी कर्मचारी की नियुक्ति, तैनाती, उपस्थिति या भुगतान से जुड़ी जानकारी की आवश्यकता होने पर उसे एक ही मंच से देखा जा सकेगा। इससे विभागों और संबंधित एजेंसियों पर भी रिकॉर्ड प्रबंधन का बोझ कम होगा।

पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा बने राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ

अयोध्या(एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के नाम पर बुधवार को मुहर लग गई। अयोध्या की मणिरामदास छावनी में महंत नृत्यगोपालदास की अध्यक्षता में हुई ट्रस्ट की बैठक में पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को सर्वसम्मति से ट्रस्ट का मुख्य कार्यपालक अधिकारी चुना गया। बैठक में ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ आमंत्रित सदस्य भी मौजूद रहे। ट्रस्ट की बैठक में नए महासचिव के नाम की भी घोषणा की गई। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि को नया महासचिव बनाया गया है। इसके साथ ही ट्रस्ट में तीन नए सदस्यों को शामिल करने की घोषणा की गई। इनमें अयोध्या के मदन मोहन पांडेय, दिल्ली के महेश भागचंदका और अयोध्या की डॉ. निर्मला यादव शामिल हैं। ट्रस्ट के कार्यवाहक महासचिव कृष्ण मोहन ने बताया कि सीईओ पद के लिए कुल 16 लोगों के साक्षात्कार लिए गए थे। इनमें से तीन नाम अंतिम चयन के लिए रखे गए थे। इनमें पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा, मेजर जनरल संजय प्रताप सिंह और श्रुति भारद्वाज शामिल थे। विचार-विमर्श के बाद जितेंद्र मिश्रा के नाम पर सहमति बनी। पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के पास भारतीय वायुसेना में लंबे सैन्य अनुभव के साथ बड़े संगठनों के संचालन और नेतृत्व का व्यापक अनुभव है। वह राम मंदिर ट्रस्ट की प्रशासनिक व्यवस्था को संभालने के साथ मंदिर से जुड़े विभिन्न कार्यों के संचालन और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जितेंद्र मिश्रा मूल रूप से देवरिया जिले के भाटपाररानी क्षेत्र के भोपतपुरा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने छह दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना में लड़ाकू विमान पायलट के रूप में कमीशन प्राप्त किया था। अपने सैन्य करियर में उन्होंने 18 से अधिक प्रकार के विमानों पर उड़ान भरी और तीन हजार घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव हासिल किया। वह वायुसेना में कमांडिंग-इन-चीफ के पद पर भी रह चुके हैं। इसके अलावा एकीकृत रक्षा स्टाफ में उप प्रमुख (सिद्धांत, संगठन एवं प्रशिक्षण) जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने भारत के अलावा अमेरिका और ब्रिटेन के प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों से प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

एसआईआर में कई राज्यों ने बढ़ाई अंतिम मतदाता सूची की तारीख

नई दिल्ली(एजेंसी)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण में शामिल कई राज्यों में अंतिम मतदाता सूची जारी करने की समयसीमा बढ़ा दी गई है। अलग-अलग कारणों के चलते राज्यों ने कार्यक्रम में 11 से 28 दिन तक बदलाव किया है। निर्वाचन आयोग ने 14 मई को 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के तीसरे चरण की शुरुआत की थी। इस चरण में करीब 36.73 करोड़ मतदाताओं को शामिल किया गया है। एसआईआर के तीसरे चरण में दिल्ली, ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, नागालैंड, त्रिपुरा तथा दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव शामिल हैं। महाराष्ट्र में अंतिम मतदाता सूची जारी करने की तारीख सबसे अधिक 28 दिन आगे बढ़ाई गई है। अब यहां अंतिम सूची सात सितंबर के बजाय चार नवंबर को प्रकाशित होगी। कर्नाटक और दिल्ली में अंतिम सूची जारी करने की तारीख 20 दिन बढ़ाकर 27 अक्टूबर कर दी गई है। तेलंगाना में 18 दिन की बढ़ोतरी के बाद अंतिम सूची अब 19 अक्टूबर को जारी होगी। ओडिशा में 15 दिन का बदलाव किया गया है और यहां अंतिम सूची छह सितंबर के बजाय 21 सितंबर को प्रकाशित होगी। आंध्र प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में अंतिम सूची जारी करने की तारीख 11-11 दिन आगे बढ़ाई गई है। एसआईआर के दूसरे चरण के दौरान भी अलग-अलग कारणों से कार्यक्रम में कई बार बदलाव किया गया था। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने दावा किया था कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों को बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार के कई नागरिक मिले हैं। हालांकि, बाद में आयोग की ओर से ऐसे लोगों की संख्या या मतदाता सूची में शामिल होने की अयोग्यता से संबंधित प्रमाण सार्वजनिक नहीं किए गए। विपक्षी दलों ने आयोग के इन दावों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया था कि एसआईआर की आड़ में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के अनुकूल नहीं रहने वाले मतदाताओं को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है।

निजी केंद्रों पर 3 हजार रुपये में होगी स्वाइन फ्लू की जांच

लखनऊ। राजधानी के निजी अस्पतालों और पैथोलॉजी केंद्रों में अब स्वाइन फ्लू की आरटीपीसीआर जांच अधिकतम तीन हजार रुपये में होगी। इससे अधिक शुल्क वसूलने वाले केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह की अध्यक्षता में निजी अस्पतालों और पैथोलॉजी केंद्र संचालकों के साथ हुई बैठक में जांच की अधिकतम दर तय की गई। बताया गया कि निजी केंद्रों पर अब तक स्वाइन फ्लू जांच के लिए छह हजार रुपये तक वसूले जा रहे थे। अधिक शुल्क के कारण कई संदिग्ध मरीज जांच कराने से बच रहे थे। बैठक में मेदांता, अपोलो मेडिक्स, आरएमएल पैथोलॉजी, मैक्स, खन्ना डायग्नोस्टिक, चंदन अस्पताल, चरक डायग्नोस्टिक, लाल पैथ लैब और नारायण डायग्नोस्टिक के प्रतिनिधि शामिल हुए। सीएमओ ने बताया कि एसजीपीजीआई में स्वाइन फ्लू की आरटीपीसीआर जांच का शुल्क 2400 रुपये है।

भारत ने ऑटो उद्योग में बदलाव को दी गति : सर्जियो गोर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत वैश्विक वाहन आपूर्ति श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभरा है और देश ने ऑटो उद्योग में बदलाव को गति दी है। उन्होंने भारत के वाहन उद्योग की क्षमता और भारतीय कंपनियों के वैश्विक विस्तार की सराहना करते हुए कहा कि अमेरिका भारत के साथ मिलकर काम करना चाहता है। गोर ने यह बात ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) के 66वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए कही। सर्जियो गोर ने एसीएमए की छह दशक से अधिक लंबी भूमिका की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐसा व्यापारिक वातावरण तैयार करने की जरूरत है, जिसमें अमेरिकी तकनीक और आपूर्तिकर्ताओं की भारतीय विनिर्माताओं तक आसान पहुंच हो और भारतीय कंपनियां भी अमेरिकी बाजार में समान अवसरों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें। अमेरिकी राजदूत ने भारत-अमेरिका के बीच बढ़ते निवेश का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष अमेरिकी बाजार में करीब 24 अरब डॉलर का नया निवेश आया है। उन्होंने भारतीय कंपनियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने भारत फोर्ज, सुंदरम क्लेटन और महिंद्रा जैसी कंपनियों का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि भारत फोर्ज ने नॉर्थ कैरोलिना में नया संयंत्र स्थापित किया है। सुंदरम क्लेटन के उत्पाद अमेरिका की वाहन असेंबली लाइनों में इस्तेमाल हो रहे हैं। वहीं महिंद्रा मिशिगन में रॉक्सर वाहनों का निर्माण कर रही है। इन उदाहरणों से दोनों देशों के बीच ऑटो उद्योग में बढ़ते सहयोग को रेखांकित किया गया। गोर ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां भी भारत में अपना कारोबार और निवेश बढ़ा रही हैं। फोर्ड ने चेन्नई स्थित संयंत्र के आधुनिकीकरण के लिए 370 मिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की है। इसके अलावा जॉन डियर का पुणे में बड़ा विनिर्माण संयंत्र है। उन्होंने कमिंस, बोर्गवार्नर, टेनेको और डाना जैसी अमेरिकी कंपनियों की भारतीय वाहन उद्योग में मौजूदगी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मेरिटर और भारत फोर्ज की साझेदारी करीब चार दशक पुरानी है, जो दोनों देशों के औद्योगिक सहयोग की मजबूती को दर्शाती है।

भारत में पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी, 14 फरवरी से शुरू होगा मुकाबला

नई दिल्ली(एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन की तारीख और स्थलों का ऐलान कर दिया है। छह टीमों के बीच होने वाला यह टूर्नामेंट 14 से 28 फरवरी 2027 तक भारत में खेला जाएगा। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया और वडोदरा के वडोदरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। महिला चैंपियंस ट्रॉफी का पहला आयोजन पहले श्रीलंका में होना था, लेकिन श्रीलंका क्रिकेट के प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप के कारण टूर्नामेंट को भारत स्थानांतरित कर दिया गया। आईसीसी ने मेजबानी के लिए बांग्लादेश, भारत और दक्षिण अफ्रीका के दावों का तय मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया। इसके बाद भारत को वैकल्पिक मेजबान के रूप में चुना गया। आईसीसी बोर्ड ने एक सितंबर को इस फैसले को मंजूरी दी। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी। सभी टीमें पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए मैदान में उतरेंगी। प्रतियोगिता टी-20 प्रारूप में खेली जाएगी। छह टीमों के बीच राउंड-रॉबिन चरण के मुकाबले होंगे और अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें 28 फरवरी को होने वाले फाइनल में आमने-सामने होंगी। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 महिला क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत होगी।

युद्ध के बीच यूक्रेन जाएंगे एस. जयशंकर, पोलैंड से भी होगी अहम बातचीत

नई दिल्ली(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर शुक्रवार से यूक्रेन और पोलैंड जाएंगे। उनका यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब रूस और यूक्रेन के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर तीन से पांच सितंबर तक दोनों देशों की यात्रा करेंगे। इस दौरान वह यूक्रेन और पोलैंड के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय संबंधों समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यूक्रेन में जयशंकर अपने समकक्ष आंद्रेई सिबिहा के साथ बातचीत करेंगे। इसके बाद वह पोलैंड के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की से भी मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के साथ बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय घटनाक्रम और साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। जयशंकर की यूक्रेन यात्रा को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह रूस के उनके हालिया दौरे के कुछ ही दिनों बाद हो रही है। विदेश मंत्री 23 और 24 अगस्त को रूस की आधिकारिक यात्रा पर गए थे। इस दौरान उन्होंने भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 27वीं बैठक की सह-अध्यक्षता की और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ भी मुलाकात की थी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के बीच भारत लगातार दोनों पक्षों के साथ संवाद बनाए रखने पर जोर देता रहा है। ऐसे में जयशंकर का कीव दौरा भारत की संतुलित कूटनीतिक नीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यात्रा का प्रमुख उद्देश्य भारत के यूक्रेन और पोलैंड के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है। बातचीत के दौरान आपसी हित के विभिन्न मुद्दों के साथ क्षेत्रीय परिस्थितियों पर भी चर्चा होगी। यूक्रेन के साथ भारत की बातचीत में युद्ध के बाद मानवीय सहायता, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण रहेंगे। वहीं, पोलैंड मध्य यूरोप में भारत का एक अहम साझेदार है। ऐसे में जयशंकर की दोनों देशों की एक ही यात्रा में बातचीत को भारत की यूरोप-केंद्रित कूटनीतिक सक्रियता के लिहाज से भी देखा

झारखंड में बढ़ा स्वाइन फ्लू का दायरा, 38 से अधिक संक्रमित

रांची(एजेंसी)। झारखंड में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। राज्य में अब तक 38 से अधिक संक्रमित मरीज मिलने की जानकारी सामने आई है। राजधानी रांची समेत विभिन्न जिलों से मरीज इलाज के लिए रिम्स पहुंच रहे हैं। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है। रिम्स में अब तक 36 नमूनों की जांच की गई है, जिनमें 12 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। संक्रमित मरीजों के उपचार और निगरानी के लिए अस्पताल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एच1एन1 मुख्य रूप से श्वसन तंत्र को प्रभावित करने वाला संक्रमण है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या सांस के दौरान निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से संक्रमण फैल सकता है। बच्चों और बुजुर्गों में इसका खतरा अपेक्षाकृत अधिक रहता है। पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को भी विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। स्वाइन फ्लू के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और अत्यधिक थकान शामिल हैं। चिकित्सकों के मुताबिक सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, लगातार तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी या होंठ और चेहरे का रंग नीला पड़ने जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने पर मरीज को तत्काल अस्पताल ले जाना चाहिए। संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए रिम्स में स्वाइन फ्लू संक्रमित मरीजों के लिए अलग विशेष वार्ड तैयार किया गया है। गंभीर मरीजों को आवश्यकता के अनुसार गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती किया जा रहा है। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम मरीजों की लगातार निगरानी कर रही है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतने, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्क रहने और लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है।

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है। रिम्स में अब तक 36 नमूनों की जांच की गई है, जिनमें 12 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। संक्रमित मरीजों के उपचार और निगरानी के लिए अस्पताल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एच1एन1 मुय रूप से श्वसन तंत्र को प्रभावित करने वाला संक्रमण है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या सांस के दौरान निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से संक्रमण फैल सकता है। बच्चों और बुजुर्गों में इसका खतरा अपेक्षाकृत अधिक रहता है।

चट्टान टूटने से मोरखंडा नदी में आया भारी मलबा, मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ने का खतरा

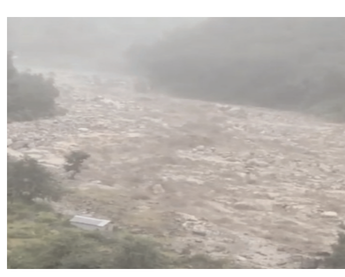

रुद्रप्रयाग(एजेंसी)। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार शाम बनतोली के पास चट्टान का एक हिस्सा टूटकर मोरखंडा नदी में गिर गया। चट्टान के नदी में गिरने से बड़ी मात्रा में मलबा और पत्थर आने के कारण नदी का जलस्तर बढ़ गया। प्रशासन ने इससे मंदाकिनी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने की आशंका जताते हुए नदी तटवर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया है। डीडीआरएफ मद्महेश्वर से सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने कुंड स्थित रिन्यू जल विद्युत परियोजना को भी सतर्क कर दिया है। संभावित खतरे को देखते हुए नगर पालिका रुद्रप्रयाग के साथ नगर पंचायत तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि और ऊखीमठ क्षेत्रों में लाउडस्पीकर के माध्यम से मुनादी कराकर लोगों को सावधान किया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी, गदेरों और घाटों के आसपास न जाएं। विशेष रूप से नदी किनारे और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और संबंधित विभागों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। लगातार बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और चट्टान खिसकने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में मोरखंडा नदी में मलबा आने के बाद मंदाकिनी के जलस्तर में अचानक वृद्धि की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए हैं। लोगों से अपील की गई है कि प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें और किसी भी स्थिति में नदी या जलधाराओं के करीब जाने से बचें।

संक्षिप्त खबरें

दो चोरी की बाइक के साथ शातिर चोर गिरफ्तार

लालगंज पुलिस को बड़ी सफलता, दो चोरी की बाइक के साथ वाहन चोर गिरफ्तार

बस्ती। बस्ती जिले केथाना लालगंज पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। प्रभारी निरीक्षक लालगंज दिनेश चन्द चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर कुदरहा मार्ग स्थित बगही मोड़ से अभियुक्त अनिल कुमार पुत्र शिवमूरत चौधरी निवासी झलहनिया, थाना वाल्टरगंज को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से बरामद पहली बाइक UP51AE9653 बजाज प्लैटिना थाना लालगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0 227/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस से संबंधित है। दूसरी बाइक UP51AH6578 हीरो HF डीलक्स, जो दिनांक 30.08.2026 को गांव झलहनिया से चोरी हुई थी, थाना रुधौली के मु0अ0सं0 173/2026 धारा 303(2) बीएनएस से संबंधित है। पुलिस ने दोनों मुकदमों का सफल अनावरण कर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को माननीय न्यायालय भेज दिया है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द चौधरी के साथ उ0नि0 रुदल बहादुर सिंह, उ0नि0 राय साहब यादव, हे0का0 ओमप्रकाश गुप्ता, पवनेश कुमार सिंह, श्रवण कुमार यादव और बीरवल यादव शामिल रहे।

सीएचसी हर्रैया में सीएचओ की समीक्षा बैठक आयोजित

बस्ती। बस्तीजिलेकेसीएएचसी प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ अभय कुमार सिंह के अध्यक्षता में सीएचसी हर्रैया सभागार में सीएचओ की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। चिकित्साधिकारी सर के अध्यक्षता में इंपैक्ट इंडिया प्रोजेक्ट के डिस्ट्रिक्ट लीड प्रमोद तिवारी,एसटीएस राहुल श्रीवास्तव तथा एसटीएलएस संजय पाण्डेय द्वारा सीएचओ से निम्नलिखित बिंदु पर चर्चा किया गया।सीएचओ के सपोर्ट से टीबी विजेता द्वारा किए जा रहे जागरूकता बैठक के बारे में तथा उनके रिपोर्टिंग के बारे में।सभी सीएचओ से उनके फोन में टीबी मुक्त भारत ऐप डाउनलोड कराके वालंटियर के रूप में रजिस्टर्ड कराया गया।सभी सीएचओ को डीबीटी के लिए face authentication के बारे में जानकारी दिया गया।टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के इंडिकेटर के बारे जानकारी दिया गया।ओपीडी के सापेक्ष रेफरल के बारे में चर्चा किया गया। ग्राम प्रधान जी से टीबी से संबंधित जागरूकता के लिए वाल पेंटिंग कराने के लिए कहा गया।

सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में अमेठी भाजपा संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने की कवायद तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जनपद के सभी मंडलों में मंडल कार्यसमिति व शक्ति केंद्र संयोजकों के साथ हुई बैठकें, आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर मंथन

दीदी स्मृति ईरानी के कुशल मार्गदर्शन में सभी विधानसभाओं में खिलाएंगे कमल- सुधांशु शुक्ला

कार्यकर्ता संगठन की रीड की हड्डी - सुधांशु शुक्ला

अमेठी। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में अमेठी जनपद में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की कवायद तेज हो गई है। इसी क्रम में बुधवार को जनपद के सभी मंडलों में मंडल कार्यसमिति के सदस्यों एवं शक्ति केंद्र संयोजकों के साथ बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। स्वयं जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने अमेठी मंडल में मंडल कार्य समिति सदस्यों एवं शक्ति केंद्र संयोजकों के साथ बैठक की, जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कार्यकर्ताओं को संगठन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि 'कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ की हड्डी हैं और कार्यकर्ताओं का हित सर्वोपरि है।' उन्होंने कहा कि भाजपा की मजबूती का आधार उसका सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ता है। बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाकर पार्टी की गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी मंडलों में मंडल सत्यापन अधिकारियों द्वारा मंडल कार्यसमिति एवं शक्ति केंद्र संयोजकों के साथ बैठक कर संगठन की जमीनी स्थिति की जानकारी ली जा रही है। इसका प्रमुख उद्देश्य बूथों को अधिक सक्रिय बनाना, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करना है।जिला अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम और संगठनात्मक एकजुटता के बल पर पार्टी को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर निरंतर सक्रिय रहते हुए संगठन की विचारधारा और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया ।बैठक में कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी आई है। कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में सहभागी बनने और लगातार जमीन पर सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करने के प्रयासों से कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है।इसी क्रम में राजा फतेहपुर मंडल के सत्यापन अधिकारी शंकर बक्श सिंह, एवं मंडल मुसाफिरखाना के सत्यापन अधिकारी हिंदेश सिंह ने मंडल कार्यसमिति सदस्यों एवं शक्ति केंद्र संयोजकों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा बूथ स्तर पर संगठन को अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।भाजपा जिला नेतृत्व का कहना है कि मंडल स्तर पर बैठकों का यह सिलसिला संगठनात्मक ढांचे को और प्रभावी बनाने के साथ आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नाबालिग का अश्लील वीडियो दिखा कर बनाया दबाव, भगा ले जाने का आरोप

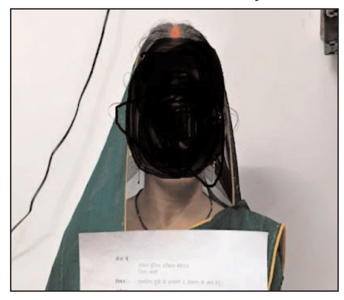

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केपुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के कड़र खास गांव निवासी एक महिला ने अपनी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी के अपहरण का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर बेटी के साथ अनहोनी की आशंका जाहिर करते हुये उसकी बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। घटना 27 जुलाई की है महिला का आरोप है कि 27 जुलाई 2026 की सुबह करीब 9 बजे गांव के ही एक युवक ने उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर आपत्तिजनक वीडियो बनाकर रखा और फेसबुक व व्हाट्सऐप के माध्यम से उसे दबाव में रखा। पत्र में यह भी कहा गया है कि बेटी डर के कारण आरोपी के साथ रहने को मजबूर है। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि घर में रखे करीब 1.70 लाख रुपये नकद और लगभग आठ नग आभूषण भी बेटी के साथ ले जाए गए।

महिला के मुताबिक, आरोपी युवक पहले से उसकी बेटी के पीछे पड़ा था और समझाने के बावजूद नहीं माना। शिकायतकर्ता ने बताया कि 31 जुलाई 2026 को उसकी बेटी ने एक मोबाइल नंबर से बातचीत की और कथित तौर पर बताया कि वह दिल्ली में है। इससे परिवार को उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई। प्रार्थना पत्र में एक अन्य व्यक्ति समेत कई लोगों पर घटना में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। महिला ने पुलिस अधीक्षक से मामले में मुकदमा दर्ज कर नाबालिग बेटी को जल्द बरामद करने तथा आरोपों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता ने यह भी आशंका जताई है कि बेटी के साथ कोई अनहोनी हो सकती है।

आउटसोर्स कर्मियों की सेवा व्यवस्था में पारदर्शिता की नई पहल

मुख्यमंत्री ने किया उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। प्रदेश में आउटसोर्स कार्मिकों की भर्ती, सेवा प्रबंधन और मानव संसाधन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में बुधवार को उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीसीओएस) का शुभारंभ किया गया। लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभारंभ किया। इसका सजीव प्रसारण बलरामपुर के एमएलके पीजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आउटसोर्स कार्मिकों ने देखा और मुख्यमंत्री का संबोधन सुना। कार्यक्रम में बलरामपुर सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आउटसोर्स कार्मिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने निगम के पोर्टल एवं वेबसाइट की लॉन्चिंग के साथ लोगो का भी अनावरण किया। नई व्यवस्था के तहत आउटसोर्स कार्मिकों की भर्ती एवं ज्वाइनिंग प्रक्रिया, उपस्थिति और अवकाश प्रबंधन तथा शिकायतों के निस्तारण को डिजिटल माध्यम से अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही कार्मिकों को समय से वेतन, ईपीएफ, ईएसआईसी सहित निर्धारित लाभ उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है।

आउटसोर्स एजेंसियों की मनमानी पर लगेगा अंकुश

तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आउटसोर्स कार्मिकों के हितों की सुरक्षा एवं सम्मानजनक सेवा व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। निगम के गठन से व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और आउटसोर्स एजेंसियों की मनमानी पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

समय से वेतन भुगतान तथा मनमाने ढंग से वेतन कटौती जैसी समस्याओं के समाधान में भी यह व्यवस्था महत्वपूर्ण साबित होगी। सदर विधायक पल्टूराम ने कहा कि आउटसोर्स कर्मियों को सेवा में सुरक्षा और सम्मान प्रदान करने की दिशा में यह बड़ी पहल है। नई व्यवस्था से कार्मिकों में नौकरी को लेकर असुरक्षा की भावना कम होगी और उन्हें निर्धारित कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार श्रमिकों और कार्मिकों के सम्मान, सुरक्षा तथा उनके परिवार के बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में बताया गया कि आउटसोर्स कार्मिकों के लिए स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। इनमें पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा, दुर्घटना की स्थिति में 10 लाख रुपये तक सहायता, बच्चों की पढ़ाई के लिए आठ से दस लाख रुपये तक तथा बेटी के विवाह के लिए 10 लाख रुपये तक की सहायता जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

चार लाभार्थियों को मिली दो-दो लाख रुपये की सहायता

कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग की निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना (केएमडीएसवाई) के तहत चार पात्र लाभार्थियों अर्जुन, श्याम कला, राधिका एवं मुख्तार को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि एफडी के माध्यम से प्रदान की गई। सहायता मिलने पर लाभार्थियों ने प्रदेश सरकार के प्रति आभार जताया।

वहीं, नगर पालिका परिषद बलरामपुर के सफाई कर्मियों को सुरक्षा किट भी वितरित की गई। अधिकारियों ने सफाई कर्मियों को कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्मिकों ने निगम के गठन को अपने हितों की सुरक्षा, सेवा व्यवस्था में पारदर्शिता और कल्याणकारी सुविधाओं को प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए मुख्यमंत्री एवं प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीएम योगी ने किया उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के लोगो का अनावरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ से उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के लोगो का अनावरण, निगम की वेबसाइट एवं पोर्टल का शुभारंभ तथा आउटसोर्स कर्मियों के बढ़े हुए पारिश्रमिक की उद्घोषणा की गई। इस अवसर पर विभिन्न लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए तथा सफाई कर्मियों को भी सामग्री/लाभ का वितरण किया गया।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण तथा माननीय मुख्यमंत्री जी का उद्बोधन जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधिगण,अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं अन्य लोगों द्वारा बहुउद्देशीय हाल राजकीय इण्टर कालेज में देखा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिकों एवं आउटसोर्स कर्मियों के हितों के लिए किए जा रहे प्रयासों और कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार प्रत्येक वर्ग के सम्मान, सुरक्षा एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आउटसोर्स कर्मियों के पारिश्रमिक में वृद्धि से उन्हें आर्थिक मजबूती मिलेगी तथा उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आएगा। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम की वेबसाइट एवं पोर्टल के शुभारंभ से आउटसोर्स सेवाओं के संचालन में पारदर्शिता और सुगमता आयेगी। डिजिटल माध्यम से सेवाओं को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने में भी सहायता मिलेगी। इसके साथ कैशलेस चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध होगी। उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना तथा आउटसोर्स कर्मियों के हित में की गई घोषणाओं की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियो व अधिकारियो द्वारा कार्मिको को प्रशस्ति पत्र, विभिन्न योजनाओ के लाभार्थियो को डेमो चेक, टूल किट दिया गया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक प्रतिनिधि हर्रैया सरोज मिश्रा नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, अंकुर वर्मा,जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना, मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती, ईओ नगर पालिका अंगद गुप्ता, बीएसए अनुप तिवारी, सहायक श्रमायुक्त सचिन सिंह सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मानवी सिंह ने किया।

चोरी के आभूषण के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अरविन्द रैदास पुत्र हरिराम रैदास निवासी ग्राम कोछित थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक जनपद अमेठी उम्र करीब 30 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से चोरी की 02 मंगलसूत्र (पीली धातु) व 01 जोड़ी पायल (सफेद धातु) बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि यह दोनों मंगलसूत्र व पायल मेरी माँ की हैं जिसे मैनें जब मेरी माँ मामा के यहाँ गयी थी तब बक्से का ताला तोडकर चोरी कर लिया था। गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गई।

बिजली चोरी के खिलाफ विभाग सख्त, सघन जांच से मचा हड़कंप

विद्युत विभाग के प्रवर्तन दल ने क्षेत्र में चलाया औचक चेकिंग अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के भगवानपुर में विद्युत विभाग के प्रवर्तन दल की टीम ने बुधवार को बिजली चोरी और अवैध कनेक्शन के खिलाफ एक सघन जांच अभियान चलाया, जिसके तहत क्षेत्र के एक उपभोक्ता के घर पर घंटों तक व्यापक पड़ताल की गई, हालांकि इस कार्रवाई में किसी भी प्रकार की बिजली चोरी या बड़ी अनियमितता का मामला सामने नहीं आया। महराजगंज से पहुंची इस विशेष जांच टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर चंद्र प्रकाश दूबे और अवर अभियंता दीपक गुप्ता कर रहे थे, जबकि टीम में हेड कांस्टेबल संगीता देवी, कांस्टेबल विकास यादव और गोविंद खरवार जैसे सुरक्षाकर्मी शामिल रहे। जांच के दौरान जब उपभोक्ता के बिजली कनेक्शन के दस्तावेजों और मीटर की भौतिक स्थिति को बारीकी से खंगाला गया तो सभी कनेक्शन पूरी तरह वैध पाए गए और मीटर भी बिल्कुल सही स्थिति में चलते हुए मिले। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या राजस्व को चपत लगाने वाली खामी न मिलने पर विभागीय टीम ने राहत की सांस ली। इस संबंध में जानकारी देते हुए जेई दीपक गुप्ता ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी पर प्रभावी ढंग से रोक लगाने, वैध उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करने और विभाग को होने वाली राजस्व क्षति को पूरी तरह रोकने के उद्देश्य से विभाग द्वारा समय-समय पर इस तरह के औचक और सघन जांच अभियान चलाए जाते रहेंगे।

अवकाश के दिन खुला था इकरा पब्लिक स्कूल, बस हादसे के बाद नोटिस जारी

आजमगढ़। सरायमीर के नेमत नगर स्थित इकरा पब्लिक स्कूल में सार्वजनिक अवकाश के दिन भी विद्यालय संचालित किए जाने के मामले में खंड शिक्षा अधिकारी ने स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। बुधवार को ईद मिलादुन्नबी के पर्व पर सार्वजनिक अवकाश था। इसके बावजूद विद्यालय खुला था। छुट्टी के बाद बच्चों को घर छोड़ने जा रही स्कूल की मिनी बस सिन्दूरी (निजामुद्दीन पट्टी) गांव के पास अनियंत्रित होकर नहर के माइनर में पलट गई थी। हादसे में चार बच्चे और एक शिक्षिक घायल हुए थे। मामले का संज्ञान लेते हुए खंड शिक्षा अधिकारी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय प्रबंधन को आठ बिंदुओं पर नोटिस जारी किया है। इसमें अवकाश के दिन विद्यालय खोलने का कारण पूछा गया है। साथ ही कक्षावार विद्यार्थियों की संख्या, मानक के अनुसार कक्षों की संख्या, एनबीसी प्रमाणपत्र और अग्निशमन प्रमाणपत्र की जानकारी मांगी गई है।

आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम, अमेठी में हुआ भव्य कार्यक्रम

मुख्यमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारंभ, कर्मचारियों को मिली अनेक महत्वपूर्ण सौगातें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। प्रदेश के लाखों आउटसोर्स कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित, पारदर्शी और सम्मानजनक बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के शुभारंभ के साथ कई ऐतिहासिक घोषणाएं की गईं। इसी क्रम में जनपद अमेठी के जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (डीपीआरसी), गौरीगंज में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां मुख्यमंत्री के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, जिलाधिकारी संजय चौहान तथा पुलिस अधीक्षक सरवणन टी उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेश सरकार की नई आउटसोर्स नियमावली एवं कर्मचारियों के हितों से जुड़ी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के साथ-साथ कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों के हितों के प्रति भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सुशासन की पहली शर्त संवेदनशीलता है। यदि कोई कर्मचारी दिन-रात मेहनत करता है तो उसके अधिकारों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता ही हमारी पहचान बननी चाहिए, तभी स्वस्थ और सशक्त लोकतंत्र की स्थापना संभव हो सकेगी। नई व्यवस्था के तहत आउटसोर्स कर्मचारियों के अधिकारों, सुरक्षा और पारदर्शिता की गारंटी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित प्रमुख प्रावधानों में प्रत्येक माह की 1 से 5 तारीख के बीच कर्मचारियों के मानदेय का अनिवार्य भुगतान, सभी नए एवं पुराने कर्मचारियों के ईपीएफ और ईएसआई खाते खोलना तथा उनके बैंक खातों में सीधे भुगतान की व्यवस्था शामिल है। इसके अलावा मनमानी एवं असमान कमीशन प्रणाली को समाप्त कर एकीकृत और पारदर्शी तंत्र विकसित किया जाएगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण संबंधी नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाएगा। नई व्यवस्था के अनुसार कोई भी एजेंसी विभाग एवं यूपीसीओएस की सहमति के बिना किसी कर्मचारी को सेवा से नहीं हटा सकेगी। सभी आउटसोर्स कर्मचारियों का यूपीसीओएस में माइग्रेशन किया जाएगा तथा उन्हें विशिष्ट यूनिक कोड एवं पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही कर्मचारियों की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी संजय चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह निर्णय आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए ऐतिहासिक अवसर लेकर आया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी सेवा प्रदाता संस्था द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों का उत्पीड़न किया जाता है तो नया निगम उनकी शिकायतों के निस्तारण के लिए प्रभावी मंच के रूप में कार्य करेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि निगम के गठन से प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में आउटसोर्स कर्मचारियों से संबंधित व्यवस्थाओं में एकरूपता आएगी। इससे विभिन्न विभागों में मानदेय, सुविधाओं एवं सेवा शर्तों को लेकर उत्पन्न होने वाली विसंगतियां और विवाद समाप्त होंगे तथा कर्मचारियों को अधिक सुरक्षा और सम्मान प्राप्त होगा। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी द्वारा श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। इसके साथ ही नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा एवं कार्य उपयोगी किट प्रदान की गई।

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों से संवाद कर समस्याओं के समाधान में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में बलरामपुर पुलिस द्वारा कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट (CPU) के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं आमजन से लगातार संवाद स्थापित किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों से संपर्क कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। पुलिस टीमों ने प्राप्त समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई की। अभियान के दौरान थाना क्षेत्रों में दिव्यांगजनों को चिन्हित कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी भी जुटाई जा रही है। जरूरत के अनुसार संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक प्रकरण की जानकारी दिव्यांग रजिस्टर में दर्ज कर नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, मिशन शक्ति, सड़क सुरक्षा और नशा मुक्ति को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी, बैंक खाते और एटीएम से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करने की सलाह दी गई। सोशल मीडिया का सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने के लिए भी लोगों को जागरूक किया गया। कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट द्वारा बेसहारा व्यक्तियों एवं बच्चों की सहायता, विद्यालयों, वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का भ्रमण, स्वच्छता अभियान तथा मिशन शक्ति सहित विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों में भी सहभागिता की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद बढ़ाकर पुलिस-जन विश्वास को मजबूत करना और सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। बलरामपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे कम्यूनिटी पुलिसिंग कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करें तथा अपने क्षेत्र की समस्याओं एवं सुझावों से पुलिस को अवगत कराएं, जिससे सुरक्षित, जागरूक, सौहार्दपूर्ण एवं अपराधमुक्त समाज के निर्माण में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट के जरिए जनपदभर में चला जागरूकता अभियान, साइबर अपराध से बचाव को किया जागरूक

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर : अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर सहारनपुर पहुंचे। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर उनका भव्य स्वागत किया। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसेन के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और मीडिया से बातचीत में भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को लेकर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े धन में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार भाजपा सरकार की संस्कृति बन गया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामधन की लूट को भगवान और देश की जनता माफ नहीं करेगी। उनके मुताबिक, मंदिर में चढ़ावे के

धन में चोरी का मामला सामने आने के बावजूद बड़े लोगों को क्लीन चिट दे दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अयोध्या में लोगों की श्रद्धा और आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। स्वास्थ्य, शिक्षा और लोक निर्माण समेत सभी विभागों में भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में 400 करोड़ रुपये की फर्जी दवाओं के मिलने का भी आरोप लगाया। स्मार्ट सिटी योजना को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बड़े-बड़े सपने दिखाए, लेकिन किसानों और युवाओं के लिए कोई ठोस काम नहीं किया। प्रदेश के घोषित स्मार्ट शहरों की स्थिति खराब है और योजना के लिए आए धन में भी कथित तौर पर भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद नहीं मिल रही, गन्ने का उचित मूल्य नहीं मिल रहा और खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। अखिलेश यादव ने अग्निवीर योजना को लेकर कहा कि युवाओं के साथ धोखा किया गया है। सेना में युवाओं की स्थायी नौकरी को अग्निवीर बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा पिछले दस वर्षों से रोजगार और नौकरी के लिए भटक रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अग्निवीर योजना समाप्त करने और युवाओं को सेना में स्थायी नौकरी दिलाने के पक्ष में है। 2027 में सपा की सरकार बनने पर युवाओं के लिए खेल सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा और योग्यता के अनुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने गन्ना किसानों को 24 घंटे में भुगतान किए जाने का भी दावा किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों में 60 प्रतिशत तक कमीशन लिए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे और सड़कों की स्थिति खराब है। गंगा एक्सप्रेस-वे और लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर जगह-जगह गड्ढे होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि यदि निर्माण में डिजाइन की खामी है तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है। जल जीवन मिशन को लेकर भी उन्होंने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। कहा कि कई जिलों में पानी की टंकियां टूटकर गिर रही हैं। जनता भाजपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार को देख रही है और विधानसभा चुनाव में इसका हिसाब करेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है।

राजकुमार अकेडमी में जिला स्तरीय तलवारबाजी प्रतियोगिता आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजाजीपुरम स्थित राजकुमार अकैडमी में जिला स्तरीय तलवारबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने फॉयल, एपी और सेबर स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान अंडर-12, अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, फुर्ती और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में राजकुमार अकैडमी के डायरेक्टर राघव बक्शी, प्रधानाचार्य अनूप राज, पूर्व अंतरराष्ट्रीय तलवारबाजी खिलाड़ी एवं सेंट्रेसा विद्यालय के प्रिंसिपल पीटर फैंटम जोक्स तथा फिटनेस कोच एवं व्यवसायी शेखर मिश्रा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। तलवारबाजी उत्तर प्रदेश संघ के पदाधिकारियों ने भी प्रतियोगिता में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और

उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता की विभिन्न स्पर्धाओं में रणविजय, पल्लवी, नैतिक, अलंकृता जायसवाल, लक्ष्य चौरसिया, माही गुप्ता, अरिंदम शुक्ला, लोकेन्द्र कुमार, उत्कर्ष पांडेय, स्वर्णिमा सिंह सोलंकी, शिवांगी पटेल और सारा सिंह समेत कई खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्थान प्राप्त किए। अंडर-19 एपी बालिका वर्ग में अनुशी गुप्ता ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि अंडर-14 एपी वर्ग में कनिका मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कोटेदारों ने योगी आदित्यनाथ और मंत्री मनोज पाण्डेय को भेजा धन्यवाद ज्ञापन

कोटेदारों का कमीशन ?90 से बढ़ाकर 125 प्रति कुंतल, संगठन ने जताया आभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख(सीतापुर) ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश (जनपद सीतापुर) की ओर से कोटेदारों के लाभांश (कमीशन) में ऐतिहासिक वृद्धि किए जाने पर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया गया। संगठन ने कोटेदारों का कमीशन ?90 से बढ़ाकर ?125 प्रति कुंतल किए जाने के निर्णय का स्वागत किया। प्रेस नोट में संगठन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज पांडे का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि कमीशन दर में वृद्धि से राशन विक्रेताओं को आर्थिक राहत मिलेगी। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि इस निर्णय से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस)

और अधिक मजबूत, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित होने में मदद मिलेगी। संगठन की ओर से जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज पांडेय तक धन्यवाद संदेश प्रेषित किया गया। इस दौरान यह विश्वास जताया गया कि जनपद सीतापुर के सभी राशन विक्रेता पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ कार्य करते रहेंगे। प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह की अगुवाई में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें जिला अध्यक्ष राम लखन सिंह यादव, जिला महासचिव विशाल रस्तोगी, विजय पाल, अजय वर्मा, कमलेश मिश्रा, वीरेन्द्र मधुकर,आलोक मिश्रा, राजेंद्र कुमार, दिलीप गुप्ता, सुहेल, दिनेश यादव, नवीन गुप्ता सहित जनपद के अन्य पदाधिकारी सहित तमाम कोटेदार बंधु मौजूद रहे।संगठन ने कहा कि कोटेदार हित, सम्मान और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर आगे भी संगठन एकजुट होकर अपनी आवाज उठाता रहेगा।

अधीनस्थ न्यायालय कर्मचारियों ने उठाई 13 सूत्रीय मांग

अतिरित टाइपिस्ट व बयान लेखक के पद सृजित करने, आउटसोर्सिंग व्यवस्था समाप्त करने समेत कई मांगों को लेकर शासन को सौंपा ज्ञापन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारियों की विभिन्न लंबित समस्याओं और मांगों को लेकर दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ, लखनऊ की ओर से 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। कर्मचारियों ने शासन से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। ज्ञापन में NPS समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना (OPS) बहाल करने, प्रत्येक न्यायालय में अतिरिक्त टाइपिस्ट एवं बयान लेखक के पद सृजित करने तथा संविदा एवं आउटसोर्सिंग व्यवस्था समाप्त करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि माननीय वेतन आयोग की संस्तुति के बावजूद प्रत्येक न्यायालय में अतिरिक्त टाइपिस्ट का पद अभी तक सृजित नहीं किया गया है। कार्य के बढ़ते बोझ को देखते

हुए प्रत्येक न्यायालय में अतिरिक्त टाइपिस्ट का पद सृजित करने की मांग की गई। इसी प्रकार, उच्च न्यायालय की ओर से न्यायालयों में कार्यभार को देखते हुए प्रत्येक न्यायालय में एक-एक बयान लेखक का पद स्वीकृत किए जाने की संस्तुति शासन से की गई थी। संघ ने इस लंबित मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए बयान लेखक के पद सृजित करने की मांग की। ज्ञापन में अधीनस्थ न्यायालय सेवा नियमावली-2013 का हवाला देते हुए कहा गया कि नियमावली में संविदा एवं आउटसोर्सिंग के पदों की व्यवस्था का प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद न्यायालयों में ऐसी व्यवस्था लागू की गई है। संघ ने संविदा एवं आउटसोर्सिंग व्यवस्था को समाप्त करने की मांग की। कर्मचारियों ने शासनादेश संख्या 684/सात-न्याय-2-2026/2008 टीसी, दिनांक 14 अगस्त 2026 का उल्लेख करते हुए कहा कि पेशकार वर्ग एवं स्टेनोग्राफर को प्रारंभिक नियुक्ति के समय 4500 रुपये वार्षिक वर्दी भत्ता तथा 100 रुपये प्रतिमाह धुलाई भत्ता अनुमन्य किया गया है। संघ ने जनपद न्यायालयों के अन्य वर्गों के लिपिकीय कर्मचारियों को भी वर्दी भत्ता दिए जाने के संबंध में शासनादेश जारी करने की मांग की। वहीं, कर्मचारियों ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना (OPS) तत्काल बहाल करने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया। संघ ने NPS के अंतर्गत कार्यरत सभी कर्मचारियों को OPS में शामिल किए जाने के लिए शासनादेश जारी करने की मांग की। बैठक को सफल बनाने में दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ, लखनऊ के जिला अध्यक्ष विजय यादव, शाखा सचिव श्याम सुंदर राठौर, कोषाध्यक्ष विनय प्रकाश मौर्य, प्रचार सचिव संजीव कुमार श्रीवास्तव, प्रांतीय उपाध्यक्ष अमित यादव तथा प्रांतीय कोषाध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों के हितों से जुड़े इन मुद्दों पर सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय ले, जिससे अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारियों को उनका उचित अधिकार मिल सके। बैठक के दौरान कर्मचारियों ने 'हमारी एकता–हमारी ताकत, एकजुट हों, अधिकार पाएं' का संदेश भी दिया।

विधायक के दबाव में दुकानों व भूखंडों को प्रभावित करने का आरोप, ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली। ग्राम अटरिया के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सीतापुर को प्रार्थना पत्र देकर सिधौली विधायक मनीष रावत के कथित दबाव में उनकी दुकानों एवं निर्माणाधीन भूखंडों को प्रभावित किए जाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उनकी दुकानों और जमीन को प्रभावित होने से बचाने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम पंचायत अटरिया, परगना मनवा, तहसील सिधौली स्थित नेशनल हाईवे-24 पर गाटा संख्या 945 में उन्होंने करीब 10 से 12 वर्ष पूर्व भूमि/भूखंड खरीदे थे। इन भूखंडों पर करीब 10 वर्ष पूर्व से दुकानें एवं बाउंड्रीवाल आदि का निर्माण कराकर ग्रामीण अपना कारोबार करते आ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इन्हीं दुकानों से उनके परिवारों की रोजी-रोटी चलती है। प्रार्थना पत्र में ग्रामीणों ने बताया कि इसी गाटा संख्या 945 का कुछ हिस्सा पीछे की ओर शेष बचा हुआ था। उक्त शेष हिस्से में से भूमि का बैनामा 10 सितंबर 2025

को सिधौली विधायक मनीष रावत के सगे बड़े भाई आदित्य प्रकाश द्वारा कराया गया। ग्रामीणों का दावा है कि उनके द्वारा खरीदे गए इस हिस्से तक आने-जाने के लिए मौके पर दो अलग-अलग सड़कों से रास्ता पहले से मौजूद है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अब क्षेत्रीय विधायक उक्त भूमि को जीटी रोड की ओर लेने के उद्देश्य से उनकी दुकानों, बाउंड्रीवाल एवं निर्माणाधीन भूखंडों को हटाकर अथवा प्रभावित कर अपने भाई के हिस्से को जोड़ना चाहते हैं। ग्रामीणों के मुताबिक यदि उनकी दुकानें प्रभावित होती हैं तो उनका वर्षों से चल रहा कारोबार बंद हो जाएगा और उनके परिवारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। प्रार्थना पत्र में ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी सिधौली पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उपजिलाधिकारी कथित रूप से विधायक के दबाव में गाटा संख्या 945 का कुर्रा-बंटवारा उनकी इच्छा के अनुसार कराना चाहते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल पर भी कथित रूप से दबाव बनाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने अपनी जमीन वर्षों पहले खरीदकर उस पर निर्माण किया है और लंबे समय से वहां दुकानें संचालित कर अपने परिवारों का भरण-पोषण कर रहे हैं। ऐसे में बिना निष्पक्ष जांच एवं मौके की वास्तविक स्थिति देखे किसी भी प्रकार की कार्रवाई होने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से पूरे मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेने, गाटा संख्या 945 के अभिलेखों एवं मौके की स्थिति की निष्पक्ष जांच कराने, कुर्रा-बंटवारे की प्रक्रिया की जांच करने तथा उनकी दुकानों, बाउंड्री एवं भूखंडों को किसी भी प्रकार से अवैध रूप से प्रभावित होने से बचाने की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में महोदेव प्रसाद विश्वकर्मा, सतीश कुमार, बिन्द्रा प्रसाद, रामनरेश, सुंदर, रामदास एवं अशोक मिश्रा सहित अन्य प्रार्थीगण के नाम दर्ज हैं।

जलभराव से बेहाल भैरमपुर की गली, घरों से निकलना दुश्वार

.........बारिश के बाद रास्ते में भर जाता है पानी, सांप-बिच्छुओं के खतरे के बीच ग्रामीणों ने पकी सड़क व जलनिकासी की मांग की ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज विकासखंड के निगोहां क्षेत्र की ग्राम सभा मीरख नगर के मजरे भैरमपुर में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने से एक गली में लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। बारिश के बाद रास्ते में कई दिनों तक पानी भरा रहने से ग्रामीणों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक पाइपलाइन बिछाने के दौरान रास्ते की हालत और खराब हो गई थी, जबकि पहले यहां खड़ंजा लगा था। जलभराव के कारण कीचड़ व फिसलन के साथ सांप-बिच्छुओं के घरों में घुसने का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि नाली निर्माण व मिट्टी डालने के प्रयास के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। उन्होंने प्रशासन से जलनिकासी की व्यवस्था कराने के साथ पक्की सड़क निर्माण की मांग की है।

हाईटेंशन करंट की चपेट में आने से लाइनमैन की मौत

बिसवां, सीतापुर। बिसवां के बड़े चौराहे स्थित रायगंज मार्ग पर बुधवार को विद्युत पोल पर काम करने के दौरान हाईटेंशन करंट की चपेट में आने से लाइनमैन की दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार थाना मिश्रिख क्षेत्र की नई बस्ती निवासी 42 वर्षीय नागेंद्र विद्युत पोल पर कार्य कर रहे थे। अवर अभियंता ने बताया कि बिना शटडाउन लिए पोल पर चढ़े लाइनमैन को अचानक हाईटेंशन करंट लग गया। करंट लगते ही वह पोल से नीचे सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर उन्हें सीएचसी बिसवां पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के विषय में लिए गए निर्णय पर जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 2 सितंबर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के विषय में लिए गए निर्णय पर जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे एवं कार्यकारी महामंत्री सुशील कुमार बच्चा ने कहा कि इस निर्णय से प्रदेश में कार्यरत लगभग साढे तीन लाख आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के भविष्य को मजबूती मिलेगी और सेवा संबंधी सुरक्षा भी प्राप्त होगी पांडे और बच्चा ने यह भी बताया कि सरकार के इस निर्णय से दोनों भवनों

में कार्यरत हजारों आउटसोर्सिंग कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई वेतन वृद्धि और सेवा शर्तों में सुरक्षा प्रदान किए जाने से कर्मचारी समाज में प्रसन्नता का माहौल है। महासंघ के उपाध्यक्ष अमित शुक्ला, उपाध्यक्ष उमंग निगम महासंघ के सहायक कार्यालय सचिव रिजवान अहमद, सफीकुर रहमान अंसारी, निर्मल शुक्ला, जलीस खान, सूरज मिश्रा ,सर्वेश मिश्रा आशीष त्रिपाठी, रफीक अहमद, महासंघ के संगठन मंत्री नियाजउद्दीन आदि ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

अधूरी सड़क को लेकर 15वें दिन भी किसानों का धरना जारी, बारिश में भी डटे रहे अन्नदाता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। नगराम के कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर अधूरी सड़क का निर्माण पूरा कराने की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले चल रहा किसानों का धरना बुधवार को 15वें दिन भी जारी रहा। लगातार बारिश के बावजूद किसान धरना स्थल पर डटे रहे। किसानों ने कहा कि अधूरी सड़क के चलते ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है और बरसात में हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। धरने पर बैठे किसानों ने प्रशासन की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। किसानों का आरोप है कि 15 दिन से धरना चलने के बावजूद एसडीएम मोहनलालगंज धरना

स्थल पर पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनने नहीं आए। किसानों ने कहा कि तहसील प्रशासन संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय कर सड़क निर्माण की समस्या का समाधान करा सकता है, लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हुई है। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह ने कहा कि किसान बारिश, भूख और प्यास की परवाह किए बिना जनहित की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। आरोप लगाया कि पीडब्ल्यूडी के अधिकारी लगातार आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन सड़क निर्माण पूरा कराने के लिए धरातल पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन समय रहते पहल करता तो ग्रामीणों की समस्या दूर हो सकती थी और किसानों को आंदोलन समाप्त करने का मौका मिलता। धरना संचालक केशवराम लोधी ने कहा कि यह केवल किसानों का नहीं, बल्कि क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों के आवागमन से जुड़ा मामला है। बरसात में अधूरी सड़क की वजह से ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। उन्होंने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण पूरा कराने की मांग की। धरने के दौरान किसानों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए हस्ताक्षर भी किए। इस दौरान हरिपाल सिंह, केशवराम लोधी, रामकुमार प्रधान पति, रामदुलारे, नन्हे राम, राम कुमार यादव, अहिरवारदीन, करन सिंह, वीरपाल सिंह, शिवपूजन, ब्रह्मादीन समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। किसानों ने स्पष्ट किया कि अधूरी सड़क का निर्माण पूरा होने तक उनका धरना जारी रहेगा।

संपादकीय

श्री कृष्ण प्रेम भी, नीति भी युद्ध भी

भगवान श्रीकृष्ण को हम अलग.अलग रूपों में देखते हैं। कहीं वे नटखट बाल गोपाल हैंए कहीं राधा के कृष्ण हैं, कहीं ग्वालों के सखा हैंए कहीं अर्जुन के सारथी हैं और कहीं महाभारत के युद्ध में धर्म के पक्ष में खड़े एक ऐसे मार्ग दर्शक, जिनके बिना शायद इतिहास की दिशा ही कुछ और होती। लेकिन कृष्ण को केवल बांसुरी बजातेए माखन चुराते या रास रचाते देखना उनके विराट व्यक्तित्व को बहुत छोटा कर देना है। कृष्ण प्रेम भी हैंए नीति भी हैं और आवश्यकता पड़ने पर युद्ध भी हैं। यही कृष्ण की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जीवन को किसी एक रंग में नहीं देखते।

कृष्ण प्रेम हैं.कृष्ण का नाम आते ही सबसे पहले प्रेम याद आता है यशोदा का लाड़ला कन्हैयाए ग्वालश्री कृष्णरू प्रेम भीए नीति भीए युद्ध भी बालों का मित्र कान्हा, गोपियों के प्रिय और राधा के कृष्ण। उनका प्रेम केवल पाने का प्रेम नहीं था। उसमें अपनापन थाए समर्पण था और एक ऐसी मिठास थी जिसमें कोई स्वार्थ नहीं था। आज हम प्रेम को भी अपने मतलब से जोड़ने लगे हैं। जब तक सामने वाला हमारी इच्छा के अनुसार व्यवहार करे, तब तक प्रेम रहता है। थोड़ी असहमति हुई और प्रेम समाप्त। कृष्ण हमें सिखाते हैं कि प्रेम का अर्थ किसी को बांधकर रखना नहींए बल्कि उसके अस्तित्व का सम्मान करना भी है। शायद इसीलिए कृष्ण का प्रेम आज भी हजारों वर्षों बाद लोगों के मन में जीवित है। कृष्ण नीति हैं. कृष्ण केवल प्रेम करना नहीं जानते थे, उन्हें जीवन की कठिन परिस्थितियों से निकलने की नीति भी आती थी। महाभारत में कृष्ण ने स्वयं शस्त्र नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि वे युद्ध में हथियार नहीं उठाएंगे। लेकिन उन्होंने अर्जुन का सारथी बनना स्वीकार किया।

सोचिए ए जिसके पास स्वयं की पूरी सेना होए जो चाहता तो युद्ध की दिशा बदल सकता थाए वह राजा बनकर नहीं बल्कि सारथी बनकर खड़ा हुआ। यही कृष्ण की नीति थी। उन्होंने अर्जुन को केवल युद्ध करने के लिए नहीं कहाए बल्कि उसके भ्रम को दूर किया। अर्जुन अपने ही लोगोंए गुरुजनों और रिश्तेदारों को सामने देखकर विचलित हो गया था। कृष्ण ने उसे समझाया कि जीवन में ऐसे क्षण आते हैं जब भावनाएं निर्णय पर हावी हो जाती हैं। तब विवेक की जरूरत होती है। आज भी हमारे जीवन में छोटे.छोटे कुरुक्षेत्र हैं। कभी परिवार मेंए कभी नौकरी मेंए कभी समाज में और कभी अपने ही मन के भीतर। ऐसे समय में हमें भी कृष्ण की तरह भावनाओं के साथ विवेक रखना सीखना होगा। कृष्ण युद्ध भी हैं.कृष्ण को केवल प्रेम और शांति का प्रतीक मानना भी अधूरा है। उन्होंने युद्ध को पसंद नहीं किया, लेकिन जब अधर्म के सामने शांति के सारे रास्ते बंद हो गए तो वे युद्ध से पीछे भी नहीं हटे। उन्होंने पहले शांति का प्रयास किया। कौरवों से समझौते की कोशिश की। यहां तक कि पांडवों के लिए केवल पांच गांव मांगने की बात तक रखी गई। लेकिन जब अहंकार ने न्याय को स्वीकार नहीं कियाए तब युद्ध अनिवार्य हो गया।

यहां कृष्ण हमें बहुत बड़ी सीख देते हैं, शांति अच्छी हैए लेकिन अन्याय की कीमत पर नहीं। क्षमा महान है, लेकिन हर बार गलत को सहते रहना महानता नहीं है। आज हम अक्सर यह सोचकर चुप रह जाते हैं कि विवाद क्यों बढ़ाएं। परिवार में कोई गलत कर रहा है तो चुप रहो, समाज में अन्याय हो रहा है तो चुप रहोए किसी कमजोर के साथ गलत हो रहा है तो यह सोचकर आंखें फेर लो कि हमें क्या लेना.देना। कृष्ण का जीवन हमें बताता है कि जहां अधर्म होए वहां केवल मौन रहना पर्याप्त नहीं है। कृष्ण की सबसे बड़ी सीखएपरिस्थिति के अनुसार धर्म का पालन करो।

कृष्ण का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि जीवन हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। कभी प्रेम जरूरी होता हैए कभी नीति और कभी संघर्ष। हर परिस्थिति में एक ही तरीका अपनाना बुद्धिमानी नहीं है। बच्चे से प्रेम करना है तो कभी उसे समझाना होगा, कभी डांटना भी पड़ेगा। परिवार को बचाना है तो कभी समझौता करना होगा और कभी गलत बात के सामने दृढ़ होना होगा। समाज में शांति चाहिए तो संवाद जरूरी है, लेकिन जब संवाद का रास्ता बंद कर दिया जाए तो अन्याय के खिलाफ खड़ा होना भी जरूरी है। यही कृष्ण हैं। वे परिस्थिति के अनुसार अपना रूप बदलते हैं, लेकिन धर्म का साथ नहीं छोड़ते।

आज के मनुष्य को कृष्ण की सबसे ज्यादा जरूरत है आज हमारे पास सुविधाएं बहुत हैं, लेकिन मन की शांति कम है। हमारे पास संपर्क के साधन बहुत हैंए लेकिन रिश्तों में दूरी बढ़ रही है। हम बोल बहुत रहे हैं, लेकिन सुनना कम हो गया है। हमारे पास ज्ञान बहुत है, लेकिन सही समय पर सही निर्णय लेने का विवेक कम होता जा रहा है। ऐसे समय में कृष्ण का जीवन हमें फिर से याद दिलाता है कि जीवन केवल सुख और सुविधा का नाम नहीं है। जीवन में प्रेम भी आएगा, मोह भी आएगाए संघर्ष भी आएगा और निर्णय लेने की कठिन घड़ी भी आएगी। हर बार कोई हमारे लिए सारथी बनकर नहीं आएगा। कई बार हमें अपने ही भीतर के कृष्ण को जगाना होगा। वह कृष्ण जो संकट में घबराता नहीं।

वह कृष्ण जो प्रेम करना जानता है। वह कृष्ण जो नीति समझता है। वह कृष्ण जो अन्याय के सामने झुकता नहीं और वह कृष्ण जो हमें यह समझाता है कि परिणाम की चिंता में अपने कर्म से पीछे नहीं हटना चाहिए। जन्माष्टमी केवल आधी रात को मंदिरों में घंटियां बजाने और भगवान के जन्म का उत्सव मनाने का दिन नहीं है। यह अपने भीतर कृष्ण को जन्म देने का अवसर भी है। हमारे भीतर थोड़ा प्रेम जन्म लेए थोड़ा विवेक जन्म लेए थोड़ा साहस जन्म लेए थोड़ी करुणा जन्म ले और अन्याय के सामने खड़े होने की शक्ति जन्म ले। यदि ऐसा हो जाए तो कृष्ण की जन्माष्टमी केवल मंदिर में नहींए हमारे जीवन में मनाई जाएगी। कृष्ण ने हमें जीवन से भागना नहीं सिखाया। उन्होंने जीवन के बीच खड़े होकर उसे समझना सिखाया। उन्होंने प्रेम किया तो पूरी आत्मीयता से किया। नीति अपनाई तो धर्म के लिए अपनाई और युद्ध हुआ तो अधर्म के विरुद्ध खड़े होने से पीछे नहीं हटे। शायद कृष्ण के विराट व्यक्तित्व का यही सार हैए जहां प्रेम चाहिए वहां प्रेम बनोएजहां नीति चाहिए वहां विवेक बनो और जहां अधर्म सामने खड़ा होए वहां साहस बनकर खड़े हो जाओ। यही कृष्ण हैं. प्रेम भीए नीति भी और आवश्यकता पड़ने पर युद्ध भी।

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया, स्वतंत्र लेखक

मुफ्त सुविधाओं से आगे की राजनीतिः रोजगार और आत्मनिर्भरता पर कब होगी निर्णायक बहस?

राजीव शुक्ला -(संपादक)

लोकतंत्र में सरकारों की सबसे बड़ी परीक्षा यह नहीं कि उन्होंने जनता को चुनाव के समय क्या दिया, बल्कि यह है कि उन्होंने जनता को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए क्या बनाया। भारतीय राजनीति में जनकल्याणकारी योजनाओं का अपना महत्व है। गरीब परिवार को मुफ्त राशन मिले, जरूरतमंद को इलाज की सुविधा मिले, विद्यार्थियों को सहायता मिले या किसी संकटग्रस्त परिवार को आर्थिक सहयोग–इन योजनाओं को केवल राजनीति के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। सामाजिक सुरक्षा किसी भी लोकतांत्रिक और संवेदनशील शासन व्यवस्था की आवश्यक जिम्मेदारी है। लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है। क्या राजनीति का अंतिम लक्ष्य मुफ्त सुविधाओं पर निर्भर समाज बनाना होना चाहिए, या ऐसा समाज तैयार करना जहां अधिक से अधिक लोग अपनी आय, रोजगार और उद्यम के बल पर सम्मानजनक जीवन जी सकें? आज देश की राजनीतिक बहस में यह सवाल पहले से कहीं अधिक गंभीरता से पूछे जाने की जरूरत है। चुनाव आते हैं तो घोषणापत्रों में नई योजनाएं, नई राहतें और नए वादे दिखाई देते हैं। राजनीतिक दल जनता की तत्काल जरूरतों को समझते हैं और उसी के अनुसार घोषणाएं करते हैं। यह लोकतांत्रिक राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन अगर हर चुनाव में बहस का केंद्र यह हो जाए कि किसे क्या मुफ्त मिलेगा, तो रोजगार, उत्पादकता, कौशल, उद्योग और स्थायी आय जैसे बुनियादी सवाल पीछे छूट सकते हैं। राहत जरूरी है, लेकिन राहत स्थायी समाधान नहीं गरीब व्यक्ति के लिए आज की जरूरत सबसे बड़ी होती है। उसके घर में चूल्हा जलना चाहिए, बच्चे की पढ़ाई होनी चाहिए और बीमारी आने पर इलाज मिलना चाहिए। इसलिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विरोध करना न तो व्यावहारिक है और न ही मानवीय। लेकिन राहत और आत्मनिर्भरता के बीच अंतर समझना होगा। यदि किसी परिवार को लंबे समय तक सहायता की आवश्यकता पड़ रही है, तो नीति निर्माताओं को यह भी पूछना चाहिए कि वह परिवार स्थायी आय के साधन से क्यों नहीं जुड़ पा रहा है। एक तरफ सहायता देकर जीवन चलाना और दूसरी तरफ रोजगार, कौशल या कारोबार का अवसर देकर आय पैदा करने की क्षमता विकसित करना–दोनों की भूमिका अलग है। कल्याणकारी राज्य का उद्देश्य केवल जरूरतमंद को सहारा देना नहीं, बल्कि परिस्थितियां ऐसी बनाना भी होना चाहिए कि जरूरतमंद व्यक्ति धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़ा हो सके। यही वह जगह है जहां राजनीतिक बहस कमजोर पड़ती दिखाई देती है। रोजगार का सवाल आखिर चुनावी मुद्दा क्यों नहीं बनता? देश का युवा पढ़ता है, डिग्री हासिल करता है, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है और वर्षों तक रोजगार की तलाश करता है। दूसरी ओर बड़ी संख्या में युवा निजी क्षेत्र में कम वेतन, अस्थिर रोजगार और सीमित सामाजिक सुरक्षा के बीच काम करने को मजबूर हैं। यह स्थिति केवल युवाओं की समस्या नहीं है। रोजगार का प्रश्न परिवार की आर्थिक स्थिति, विवाह, शिक्षा, आवास, उपभोग और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा हुआ है।

फिर भी चुनावी भाषणों में रोजगार पर चर्चा अक्सर आंकड़ों, दावों और आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित हो जाती है। शिक्षा व्यवस्था का विस्तार हुआ है। गांव-कस्बों तक कॉलेज और तकनीकी संस्थान पहुंचे हैं। लेकिन शिक्षा और रोजगार के बीच दूरी अभी भी बड़ी चुनौती है। कई युवाओं के पास डिग्री है, लेकिन बाजार की जरूरत के अनुरूप कौशल नहीं। दूसरी ओर उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता है। इस अंतर को समाप्त करना केवल युवाओं की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। स्कूल और कॉलेज से लेकर औद्योगिक प्रशिक्षण, अप्रेंटिसशिप और स्थानीय रोजगार तक एक ऐसी श्रृंखला बनानी होगी जिसमें शिक्षा का अंतिम पड़ाव बेरोजगारी न हो। हमें यह तय करना होगा कि शिक्षा केवल प्रमाणपत्र बांटने की प्रक्रिया न बने, बल्कि रोजगार और उद्यम की तैयारी का माध्यम बने।

आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल बड़े उद्योग नहीं

आत्मनिर्भरता शब्द सुनते ही अक्सर बड़े कारखानों, बड़ी कंपनियों और बड़े निवेश की तस्वीर सामने आती है। लेकिन भारत की आर्थिक शक्ति का एक बड़ा हिस्सा छोटे कारोबारियों, कारीगरों, दुकानदारों, किसानों, स्वरोजगार करने वालों और सूक्ष्म उद्यमों से आता है। एक दर्जी अपने दम पर दुकान चला रहा है।

एक महिला घर से खाद्य उत्पाद बनाकर बेच रही है।

एक युवा मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान खोल रहा है।

एक किसान खेती के साथ प्रसंस्करण या पशुपालन से आय बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। एक छोटा व्यापारी कुछ लोगों को रोजगार दे रहा है। ये सभी आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। इसलिए आत्मनिर्भरता की बहस को केवल बड़े निवेश और बड़ी परियोजनाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। छोटे उद्यमों की सबसे बड़ी समस्या क्या है? छोटा कारोबार शुरू करना आसान नहीं है। पूंजी की कमी, बाजार तक पहुंच, तकनीक, प्रशिक्षण, कच्चा माल, बिजली, किराया, नियम-कायदे और प्रतिस्पर्धा–हर स्तर पर चुनौतियां हैं। सरकारें योजनाएं बनाती हैं, ऋण योजनाओं की घोषणा होती है और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की बातें होती हैं। लेकिन वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब एक सामान्य युवा बिना अनावश्यक दफ्तरों के चक्कर लगाए कारोबार शुरू कर सके, उसे बाजार मिले और उसका व्यवसाय टिकाऊ बने। कागज पर ऋण उपलब्ध होना और वास्तव में किसी जरूरतमंद उद्यमी तक पूंजी पहुंचना–दो अलग बातें हैं। यहीं पर व्यवस्था की जवाबदेही तय होती है। मुफ्त बिजली या स्थायी आय? राजनीतिक दलों के सामने कठिन सवाल यही है कि तत्काल राहत और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

किसी गरीब परिवार को राहत देना आसान राजनीतिक संदेश है। लेकिन उसी परिवार के एक सदस्य को प्रशिक्षित करके रोजगार दिलाना, उसे बाजार से जोड़ना और उसकी आय बढ़ाना कठिन काम है। मुफ्त सुविधा तुरंत दिखाई देती है। रोजगार पैदा करने वाली नीति का परिणाम आने में समय लगता है। राजनीति अक्सर तत्काल परिणाम चाहती है, जबकि अर्थव्यवस्था धैर्य मांगती है। यही टकराव भारत की नीति बहस की बड़ी चुनौती है। क्या हर मुफ्त योजना गलत है? नहीं। इस बहस को दो अतियों में बांटना भी गलत होगा। गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा, गंभीर बीमारी में सहायता, शिक्षा तक पहुंच और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाएं किसी सभ्य समाज की जिम्मेदारी हो सकती हैं। समस्या तब पैदा होती है जब कल्याणकारी योजनाएं आर्थिक अवसर पैदा करने की नीति का विकल्प बन जाएं। मुफ्त सुविधा जरूरतमंद के लिए सुरक्षा कवच हो सकती है, लेकिन पूरी अर्थव्यवस्था का इंजन नहीं। अर्थव्यवस्था का इंजन रोजगार, निवेश, उत्पादन, उद्यमिता, कौशल और मांग से चलता है।

राजनीति को पांच साल का रोजगार एजेंडा देना होगा

अब समय आ गया है कि चुनावी घोषणापत्रों में रोजगार के लिए स्पष्ट और मापने योग्य लक्ष्य तय किए जाएं। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। निजी निवेश को रोजगार से कैसे जोड़ा जाएगा? यदि राजनीतिक दल इन सवालों पर स्पष्ट रोडमैप दें, तो चुनावी बहस का स्तर निश्चित रूप से ऊपर उठेगा। सरकारी नौकरी ही रोजगार का पर्याय क्यों? भारत में सरकारी नौकरी का आकर्षण समझ में आता है। स्थिरता, सामाजिक प्रतिष्ठा और सुरक्षा इसकी बड़ी वजह हैं। लेकिन देश की विशाल युवा आबादी को केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे रोजगार नहीं दिया जा सकता। सरकार को सरकारी भर्ती के साथ-साथ ऐसा आर्थिक वातावरण तैयार करना होगा जिसमें निजी क्षेत्र बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा करे।

इसके लिए उद्योग, सेवा क्षेत्र, निर्माण, पर्यटन, कृषि-प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल अर्थव्यवस्था और छोटे कारोबारों को मजबूत करना होगा। सरकार हर व्यक्ति को नौकरी नहीं दे सकती, लेकिन ऐसी अर्थव्यवस्था जरूर बना सकती है जिसमें रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा हों। गांवों की अर्थव्यवस्था को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता रोजगार का भविष्य केवल महानगरों में नहीं है। यदि गांवों में स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण इकाइयां, भंडारण, डेयरी, हस्तशिल्प, खाद्य उद्योग, पर्यटन और डिजिटल सेवाएं विकसित हों तो बड़े पैमाने पर पलायन कम किया जा सकता है। गांव का युवा अपने गांव या जिले में सम्मानजनक आय कमा सके–यह आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक परीक्षा होगी। इसके लिए सड़क और बिजली के साथ-साथ बाजार, इंटरनेट, प्रशिक्षण, वित्त और उद्यमिता का पूरा ढांचा चाहिए। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी निर्णायक है किसी भी अर्थव्यवस्था की ताकत का आकलन केवल पुरुष रोजगार से नहीं किया जा सकता। महिलाओं को सुरक्षित कार्यस्थल, कौशल, वित्तीय पहुंच, डिजिटल सुविधा, बाजार और काम के अवसर मिलें तो परिवार की आय बढ़ती है और बच्चों की शिक्षा तथा जीवन स्तर पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए रोजगार नीति में महिलाओं को अलग से केंद्र में रखना होगा। महिला को केवल लाभार्थी मानने के बजाय उत्पादक आर्थिक भागीदार के रूप में देखना होगा। युवाओं को लाभार्थी नहीं, भागीदार बनाना होगा राजनीति की भाषा में युवा अक्सर भविष्य का मतदाता होता है। लेकिन आर्थिक नीति में युवा भविष्य का निर्माता होना चाहिए। उसे केवल योजना का लाभार्थी बनाकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं।

किशोरियों के पोषण, स्वास्थ्य और कौशल विकास को मिल रहा बढ़ावा

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किशोरी बालिकाओं के समग्र विकास, बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश के आकांक्षात्मक जनपदों में 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को पोषण एवं गैर-पोषण संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य किशोरियों में पोषण की स्थिति में सुधार के साथ उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है।

इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 8 आकांक्षात्मक जनपदों की 14 से 18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को विभिन्न सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसके तहत पोषण घटक के माध्यम से किशोरियों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण अनुपूरक पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाता है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आच्छादित परियोजनाओं में आटा बेसन बर्फी, प्रीमिक्स तथा दलिया एवं मूंग दाल खिचड़ी उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं अन्य परियोजनाओं में नैफेड के माध्यम से फोर्टिफाइड गेहूं दलिया, चना दाल, फोर्टिफाइड खाद्य तेल तथा फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है।

किशोरावस्था शारीरिक एवं मानसिक विकास

किशोरावस्था शारीरिक एवं मानसिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अवस्था होती है। इस दौरान पोषण की कमी का सीधा प्रभाव किशोरियों के स्वास्थ्य एवं भविष्य पर पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने इस योजना के गैर-पोषण घटक में आयरन एवं फोलिक एसिड (IFA) की व्यवस्था की है। इसके साथ ही किशोरियों की नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यकता के अनुसार संदर्भन सेवा तथा पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान की जाती है।

किशोरावस्था शारीरिक एवं मानसिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अवस्था होती है। इस दौरान पोषण की कमी का सीधा प्रभाव किशोरियों के स्वास्थ्य एवं भविष्य पर पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने इस योजना के गैर-पोषण घटक में आयरन एवं फोलिक एसिड (IFA) की व्यवस्था की है। इसके साथ ही किशोरियों की नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यकता के अनुसार संदर्भन सेवा तथा पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान की जाती है।

योजना में किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता (Menstrual Hygiene) को भी विशेष महत्व दिया गया है। उन्हें मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे इस प्राकृतिक प्रक्रिया को लेकर किसी प्रकार की झिझक या भ्रांति के बजाय वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्यपरक दृष्टिकोण अपना सकें।

किशोरी बालिकाओं को केवल पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से योजना में कौशल प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है, जिससे किशोरियों में रोजगारपरक कौशल विकसित हो सकें और वे आगे चलकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

इसी दिशा में भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में NAVYA Project के अंतर्गत प्रदेश के दो आकांक्षात्मक जनपदों फतेहपुर एवं सोनभद्र में 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जाने हेतु पायलट प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया गया है। यह पहल किशोरियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशल से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में समग्र रूप से किशोरी बालिकाओं के लिए संचालित यह पहल पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जागरूकता और कौशल विकास को एक साथ जोड़ती है। स्वस्थ एवं शिक्षित किशोरियां ही भविष्य में स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला बन सकती हैं। ऐसे में किशोरियों के पोषण एवं स्वास्थ्य में निवेश के साथ उन्हें कौशलयुक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे ये प्रयास प्रदेश के समावेशी एवं सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

लाल कमल, सूचना अधिकारी

मेषः आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ेगा। खर्च और स्वास्थ्य को लेकर सावधानी रखें। शुभ रंग- लाल।

वृषभः धन लाभ के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। शुभ रंग- क्रीम।

मिथुनः पुराने कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होंगी। संपर्कों से लाभ मिल सकता है। अधिकारियों से मतभेद से बचें और धन उधार देने में सावधानी रखें। शुभ रंग- गुलाबी।

कर्कः योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में लाभ के योग हैं। शुभ रंग- सफेद।

सिंहः मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। पारिवारिक परेशानियां दूर हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में स्थिति बेहतर रहेगी, लेकिन वाणी में संयम रखें। शुभ रंग- मैरून।

कन्याः कामकाज की बाधाएं दूर होंगी और करियर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। निवेश और लंबी यात्रा में सावधानी रखें। शुभ रंग- हरा।

तुलाः धन लाभ के लिए मेहनत बढ़ाने का समय है। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी से विवाद की स्थिति से बचें। शुभ रंग- केसरिया।

वृश्चिकः भाग्य का साथ मिलेगा और काम तेजी से पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र का विस्तार संभव है। व्यापार में धन लाभ के योग हैं। शुभ रंग- हल्का लाल।

धनुः दूर स्थान से अच्छी खबर मिल सकती है। मन की चिंता दूर होगी, लेकिन खर्च बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शुभ रंग- केसरिया।

मकरः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी सराहना होगी और साझेदारी के काम में लाभ मिल सकता है। शुभ रंग- सफेद।

कुंभः नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी और जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभाएंगे। व्यापार में सुधार के संकेत हैं। पारिवारिक विवाद से बचें। शुभ रंग- आसमानी।

मीनः सावधानी से काम करें और अनावश्यक खर्च से बचें। विदेश से लाभ की खबर मिल सकती है। विवाद और बड़े निवेश से दूरी रखें। शुभ रंग- नारंगी।

मेरठ में माटीकला रोजगार मेलाः पारंपरिक शिल्प और कारीगरों के सशक्तिकरण का नया अध्याय

मेरठ। प्रदेश सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों और पारंपरिक शिल्पों के पुनरोद्धार के संकल्प के क्रम में जनपद मेरठ में एक से सात नवंबर, 2026 तक भव्य 'माटीकला रोजगार मेले' का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित होने वाला यह विशेष मेला स्थानीय कुम्हारों, शिल्पकारों और माटीकला उद्यमियों को अपने उत्पादों के व्यापक प्रदर्शन और प्रत्यक्ष विपणन के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन ग्रामीण एवं कुटीर उद्योगों को नई ऊर्जा देने, स्थानीय कारीगरों की आय में निरंतर वृद्धि करने तथा 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना को धरातल पर साकार करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। मेरठ की ऐतिहासिक और वाणिज्यिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए इस मेले को क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के एक प्रेरक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी माटीकला कारीगरों और सूक्ष्म उद्यमियों को जिला प्रशासन की ओर से निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे। इस नीतिगत निर्णय का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कारीगरों पर किसी भी प्रकार का आर्थिक भार न पड़े और वे बिना किसी मध्यस्थ या अतिरिक्त व्यय के अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकें। मेले में पारंपरिक उपयोग के बर्तनों, दीयों, कुल्हड़ों से लेकर आधुनिक टेराकोटा कलाकृतियों, डिजाइनर क्रॉकरी, मूर्तियों, पर्यावरण-अनुकूल टाइल्स और घरेलू सजावटी उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी। बिचौलियों की व्यवस्था समाप्त होने से कारीगरों को उनके श्रम और कला का शत-प्रतिशत पारिश्रमिक प्राप्त होगा। इस आयोजन को केवल जनपद मेरठ की भौगोलिक सीमाओं तक सीमित न रखकर अंतर-जनपदीय और अंतर-राज्यीय स्तर पर विस्तारित किया जा रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के प्रतिष्ठित शिल्पकारों और माटीकला संघों को भी इस मेले में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया है।

विभिन्न क्षेत्रों के हुनरमंदों के एक ही मंच पर एकत्र होने से शिल्प शैलियों, तकनीकी अनुभवों और विपणन रणनीतियों का स्वस्थ आदान-प्रदान संभव होगा। इससे मेरठ पूरे क्षेत्र के पारंपरिक माटी शिल्प के एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरेगा। प्रदेश सरकार द्वारा पारंपरिक शिल्प के वैज्ञानिक संरक्षण, तकनीकी संवर्धन और कारीगरों के सर्वांगीण उत्थान के उद्देश्य से विशेष संस्थागत नीतियां लागू की गई हैं। राज्य भर में इस क्षेत्र से जुड़े पारंपरिक परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए तकनीकी, वित्तीय, प्रशिक्षण और विपणन सहायता की चौतरफा व्यवस्था की गई है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि और शारीरिक श्रम को कम करने के लिए पारंपरिक हस्तचालित चाकों के स्थान पर अत्याधुनिक मोटर एवं विद्युत चालित चाकों का निःशुल्क वितरण अभियान स्तर पर किया गया है। इसके अतिरिक्त कारीगर समूहों को मिट्टी तैयार करने हेतु आधुनिक पगमिल, ब्लेंडर मशीनें तथा उन्नत गैस एवं विद्युत आधारित भट्ठियां प्रदान की जा रही हैं। इस तकनीकी आधुनिकीकरण के फलस्वरूप कारीगरों के बहुमूल्य समय और श्रम की बचत हो रही है, वहीं उत्पादों की फिनिशिंग, मजबूती और सौंदर्य में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। आधुनिक भट्ठियों के प्रयोग से पकाई के दौरान उत्पादों के चटकने या टूटने की दर में भारी कमी आई है, जिससे प्रति इकाई उत्पादन लागत नियंत्रित हुई है।

शिल्पकारों के समक्ष कच्चे माल की उपलब्धता सदैव एक बड़ी चुनौती रही है। इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के तालाबों तथा उपयुक्त स्थलों से चिकनी मिट्टी निकालने के लिए निःशुल्क खनन पट्टे और अधिकार आवंटित किए गए हैं। इस पारदर्शी व्यवस्था से कारीगरों को बिचौलियों के शोषण और अनुचित लागत से मुक्ति मिली है तथा स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण मिट्टी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। कच्चा माल सरलता से सुलभ होने से उत्पादन चक्र नियमित बना रहता है। पारंपरिक कला को समकालीन बाजार की बदलती रुचियों के अनुकूल ढालने के लिए नियमित कौशल विकास एवं नवाचार कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों और तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग से कारीगरों को पारंपरिक स्वरूप से इतर नए रूपांकनों, विविध रंगों के संयोजन और उपभोक्ता-अनुकूल डिजाइन तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कारीगरों को स्वतंत्र सूक्ष्म उद्यमी के रूप में स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की प्रमुख रोजगार सृजन योजनाओं के माध्यम से सुगम वित्तीय सहायता और पूंजीगत अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यशील पूंजी और उपकरण क्रय हेतु बैंकों के माध्यम से रियायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराकर ग्रामीण युवाओं को इस पारंपरिक उद्योग से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

विपणन तंत्र को आधुनिक रूप देते हुए स्थानीय शिल्प को डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और प्रमुख ई-मार्केटप्लेस से जोड़ने की ठोस कार्ययोजना भी लागू की गई है। इसके माध्यम से मेरठ और आसपास के क्षेत्रों में तैयार माटी उत्पाद देश के महानगरों सहित अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक अपनी पहुंच बना रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के वैश्विक परिदृश्य में सिंगल-यूज प्लास्टिक और थर्माकोल के सुरक्षित विकल्प के रूप में मिट्टी के उत्पादों का महत्व अत्यंत बढ़ गया है। रेलवे स्टेशनों, ढाबों, होटलों और सार्वजनिक समारोहों में मिट्टी के कुल्हड़, कटोरी, थाली और गिलासों के उपयोग को नीतिगत स्तर पर प्राथमिकता दी जा रही है। प्लास्टिक के विकल्पों की मांग बढ़ने से माटीकला कारीगरों को वर्ष भर नियमित रोजगार और आय की निरंतरता प्राप्त हो रही है। 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत पारंपरिक शिल्पों को वैश्विक पहचान मिलने से इस विधा के प्रति युवा पीढ़ी का विश्वास और आकर्षण भी तेजी से बढ़ा है। मेरठ का यह सात दिवसीय माटीकला रोजगार मेला कारीगरों के आर्थिक सशक्तीकरण, स्थानीय व्यापार के संवर्धन और हस्तकला की समृद्धि में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध होगा। प्रशासन द्वारा किए जा रहे यह समन्वित प्रयास प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर और सुदृढ़ बनाने की दिशा में अत्यंत प्रभावी परिणाम दे रहे हैं।

सूचनाधिकारी जनपद मेरठ/ डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

पीएम श्री स्कूल उनवल के शिक्षक नवीन त्रिपाठी को मिलेगा राज्य शिक्षक पुरस्कार में चयनित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी /गोरखपुर। कक्षा-कक्ष में बेहतर शिक्षण के साथ विद्यालय की तस्वीर बदलने और विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षक दिवस पर सम्मानित करेगी। बेसिक शिक्षा विभाग ने राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए प्रदेश के 61 शिक्षक-शिक्षिकाओं का चयन किया है। इनमें गोरखपुर जिले के खजनी क्षेत्र की नगर पंचायत उनवल स्थित पीएम श्री स्कूल उनवल प्रथम के शिक्षक नवीन त्रिपाठी भी शामिल हैं। उन्हें पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। नवीन त्रिपाठी की शिक्षक के रूप में यात्रा प्राथमिक विद्यालय बसौली से शुरू हुई। वर्ष 2018 में उन्होंने प्राथमिक विद्यालय टेकवर में अंग्रेजी माध्यम से परीक्षा देकर चयन प्राप्त किया। विद्यालय के विकास और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के संकल्प के साथ उन्होंने लगातार नए प्रयोग किए। बाद में विद्यालय पूर्व माध्यमिक विद्यालय उनवल प्रथम के रूप में विकसित हुआ और शैक्षिक एवं भौतिक सुविधाओं में सुधार के बाद पीएम श्री स्कूल के रूप में चयनित हुआ।

त्रिपाठी के प्रयासों से विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। शुरुआती दौर में करीब 122 विद्यार्थियों वाले विद्यालय में घर-घर संपर्क और अभिभावकों को जागरूक करने के प्रयास से छात्र संख्या बढ़कर 470 तक पहुंच गई। विभागीय एवं पीएम श्री योजना के संसाधनों से बच्चों के लिए डेस्क-बेंच, एलईडी लाइट, स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी, विज्ञान प्रयोगशाला और गणित किट की व्यवस्था कराई गई। विद्यार्थियों को समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण, खेल प्रतियोगिताओं और विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में शामिल कराया गया।

विद्यालय के भवन में भी बड़ा बदलाव आया। एक पुराने भवन और जर्जर भवन से शुरू हुए विद्यालय में बाल वाटिका भवन, अतिरिक्त भवन, डबल स्टोरी भवन और प्रधानाध्यापक कक्ष का निर्माण हुआ। स्कूल और नगर पंचायत के सहयोग से इंटरलॉकिंग का कार्य भी कराया गया। महज एक वर्ष में विद्यालय का बदला स्वरूप लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। छात्राओं अंशिका, रोशनी, रीति, मधोनिक, आंशिका और अनन्या ने बताया कि त्रिपाठी सर के आने के बाद पढ़ाई के साथ अनुशासन और पाठ्यक्रम को सरल तरीके से समझने में काफी मदद मिली। शिक्षक उमाशंकर ने कहा कि त्रिपाठी की कार्यप्रणाली से अन्य शिक्षकों को भी सीख लेने की प्रेरणा मिलती है। अभिभावकों ने भी विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि स्कूल निजी विद्यालयों को टक्कर देने वाली सुविधाएं और शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष महेश कुमार दुबे ने कहा कि नवीन त्रिपाठी का राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए चयन उनवल के लिए गर्व की बात है। उनके उत्कृष्ट कार्य सराहनीय हैं और नगर पंचायत स्तर पर भी उन्हें सम्मानित कर सकारात्मक संदेश दिया जाएगा।

हरिशंकरी पौधरोपण से परसा अगलहवा में दिखा प्रकृति और आस्था का संगम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलबाजार गोरखपुर: उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने की पहल के तहत ग्राम पंचायतों में हरिशंकरी वृक्षों का रोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड गोला के अनेक गांवों में हरिशंकरी वृक्ष लगाए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत परसा उर्फ अगलहवा में भी मंगलवार को हरिशंकरी वृक्ष का विधिवत रोपण किया गया। हरिशंकरी वृक्ष का भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से विशेष महत्व माना जाता है। पीपल, बरगद और पाकड़ जैसे वृक्षों के संगम को हरिशंकरी के रूप में जाना जाता है। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ यह वृक्षारोपण लोगों को प्रकृति और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का भी संदेश दे रहा है।

ग्राम पंचायत परसा उर्फ अगलहवा में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में ग्राम विकास अधिकारी रविंदर गौड, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जाकिर हुसैन तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय परसा के इंचार्ज प्रधानाध्यापक सूर्य प्रताप राय व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी लोगों ने मिलकर वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि मानव जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। ग्राम पंचायत में लगाए गए हरिशंकरी वृक्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति संरक्षण और भारतीय संस्कृति का संदेश होगा।

संक्षिप्त खबरें

किशोरी घर से 30 हजार रुपये व जेवरात लेकर प्रेमी संग फरार, युवक पर अपहरण का केस

सहजनवां/गोरखूपुर: सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव की 13 वर्षीय किशोरी घर में रखे 30 हजार रुपये और जेवरात लेकर प्रेमी संग फरार हो गई। परिजनों की खोजबीन के बाद एक युवक द्वारा किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने की जानकारी मिली। किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, किशोरी 27 अगस्त की रात करीब 11 बजे घर से निकली थी। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान पता चला कि बखिरा थाना क्षेत्र का एक युवक, जो एक डीजे व आर्केस्ट्रा संचालक के यहां रहता है, किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। परिजनों के अनुसार किशोरी घर में रखे 30 हजार रुपये और जेवरात भी साथ ले गई है। पीड़िता की मां की तहरीर पर सहजनवा पुलिस ने आरोपी मनीष गोंड पुत्र राम गुलाम गोंड, निवासी करौंदा, थाना बखिरा, जनपद संतकबीरनगर के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस किशोरी की बरामदगी और मामले की जांच में जुटी है।

छात्रवृत्ति के लंबित मामलों के निस्तारण की समय-सारिणी जारी

देवरिया। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत वंचित पात्र छात्र-छात्राओं को लाभ दिलाने के लिए शासन ने संशोधित समय-सारिणी जारी की है। शिक्षण संस्थानों को छात्रवृत्ति मास्टर डाटा में शामिल होने की प्रक्रिया एक से सात सितंबर तक पूरी करनी होगी। सीट वैरीफिकेशन व फीस सत्यापन दो से आठ सितंबर तक होगा। मास्टर डाटा का सत्यापन तीन से नौ सितंबर तथा रिजल्ट अपडेट तीन से 10 सितंबर तक किया जाएगा। त्रुटिपूर्ण आवेदन 16 से 18 सितंबर तक संशोधित होंगे। सत्यापित पात्र डाटा 17 से 19 सितंबर तक अग्रसारित किया जाएगा। विभाग ने संस्थानों से समयसीमा का पालन करने को कहा है।

दिशा समिति की बैठक 15 सितंबर को सदर सांसद शशांक मणि करेंगे अध्यक्षता

देवरिया। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 15 सितंबर को होगी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि बैठक पूर्वाह्न 11 बजे विकास भवन स्थित गांधी सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता सदर सांसद शशांक मणि करेंगे। इसमें जिले में केंद्र एवं राज्य सरकार की विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी ने समिति के सभी सदस्यों से निर्धारित तिथि और समय पर बैठक में उपस्थित होकर प्रतिभाग करने का अनुरोध किया है।

न्याय की मांग को लेकर तहसील गेट पर बुजुर्ग महिला का आमरण अनशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां/गोरखपुर: अपनी जमीन और संपत्ति से जुड़े विवाद में न्याय न मिलने का आरोप लगाते हुए एक बुजुर्ग महिला ने सोमवार को सहजनवा तहसील परिसर के मुख्य गेट पर आमरण अनशन शुरू कर दिया। महिला ने प्रशासनिक अधिकारियों पर प्रकरण में कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला द्वारा अधिकारियों को दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार, वह अपनी संपत्ति से जुड़े मामले को लेकर लंबे समय से न्याय की गुहार लगा रही है। महिला का आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा उसकी भूमि और संपत्ति से संबंधित मामले में अनुचित तरीके से हस्तक्षेप किया जा रहा है। इस संबंध में उसने स्थानीय प्रशासन और तहसील अधिकारियों को कई बार प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन अब तक उसकी समस्या का समाधान नहीं हो सका।

महिला का कहना है कि लगातार अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर लगाने के बावजूद जब उसे न्याय नहीं मिला तो मजबूर होकर उसने सहजनवा तहसील के गेट पर आमरण अनशन शुरू करने का निर्णय लिया। उसने चेतावनी दी है कि जब तक उसके मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उसका आंदोलन जारी रहेगा। बुजुर्ग महिला के आमरण अनशन पर बैठने की सूचना मिलते ही तहसील परिसर में लोगों की भीड़ जुटने लगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की है। फिलहाल प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। प्रशासनिक स्तर पर जांच और बातचीत के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

गोला पुलिस ने स्कूल की छात्राओं को सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का दिया मंत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला बाजार- गोरखपुर। शासन के मंशा के अनुरूप महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत थाना परिसर गोला बाजार में मंगलवार को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 10वीं से 12वीं तक की छात्राओं को आपातकालीन स्थिति में अपनी सुरक्षा करने, कानूनी अधिकारों को जानने और आत्मनिर्भर बनने के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थाना प्रभारी निरीक्षक चंद्रप्रकाश पांडेय, निरीक्षक अपराध राजेश कुमार यादव वरिष्ठ उप निरीक्षक इंद्रजीत कुशवाहा नारी मिशन शक्ति प्रभारी महिला उप-निरीक्षक प्रियंका मौर्य एवं महिला कांस्टेबल करिश्मा राना ने छात्राओं को मिशन शक्ति के मूल उद्देश्यों और महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। थाना प्रभारी चंद्रप्रकाश पांडेय ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति में घबराने के बजाय निडर होकर सामना करना चाहिए। पुलिस हर कदम पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए तत्पर है।

महिला उप-निरीक्षक प्रियंका मौर्य और कांस्टेबल करिश्मा राना ने सरकार द्वारा जारी विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों- 1090 (महिला पावर लाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), और 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) के प्रयोग एवं उनकी कार्यप्रणाली के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। विद्यालय के प्रबंध निदेशक अमरनाथ वर्मा ने पुलिस टीम का आभारव्यक्त करते हुए कहा नारी सुरक्षा और सम्मान केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि यह हमारे समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एल.पी.एम. पब्लिक स्कूल अपनी छात्राओं को न केवल उत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से इतना सशक्त बनाना चाहता है कि वे हर चुनौती का सामना आत्मविश्वास से कर सकें। कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्या एकता वर्मा व रेवरेण्ट डी के सिंह ने कहा कि आज के दौर में बालिकाओं का जागरूक और सतर्क होना बेहद आवश्यक है। इस प्रकार के जागरूकता सत्रों से छात्राओं में सुरक्षा बोध बढ़ता है और उनका मनोबल मजबूत होता है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारी छात्राएं इन जानकारियों का लाभ उठाकर स्वयं को और अपने आसपास की अन्य महिलाओं को भी जागरूक करेंगी। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों से अपनी शंकाओं के समाधान हेतु प्रश्न भी पूछे, जिनका अधिकारियों ने बेहद सहजता से उत्तर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के समन्वयक मनीष यादव सहसमन्वयक अनूप सिंह व इन्द्रजीत सिंह के साथ शिक्षक शिवम पाण्डेय, चन्दन विश्वकर्मा, दुर्गेश धर दुबे, अर्जुन प्रजापति उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर चोर मुमताज गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। पिपराईच क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में वांछित एक शातिर आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जंगल धूषण के पास मंगलवार तड़के हुई मुठभेड़ में आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए सीएचसी पिपराईच ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल गोरखपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान तिवारीपुर क्षेत्र के निजामपुर चौराहा निवासी मुमताज अहमद उर्फ राजू पुत्र शफीक अहमद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 2:20 बजे जंगल धूषण के पास पिपराईच पुलिस टीम संदिग्धों और गंभीर घटनाओं में वांछित आरोपियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एंटी थेफ्ट सेल के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार राय भी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। संयुक्त टीम पादरी बाजार की ओर से आ रहे दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास कर रही थी। पुलिस का इशारा देखकर दोनों ने वाहन मोड़कर भागने का प्रयास किया। इसी दौरान स्कूटी सवार गिर गया।

पुलिस का दावा है कि आत्मसमर्पण के लिए कहने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। गोली लगने से कांस्टेबल हनुमान यादव घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के बाएं पैर में लगी और वह मौके पर गिर पड़ा। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर उसका दूसरा साथी जंगल की ओर भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से चोरी के दो सफेद धातु के सिक्के, 2,200 रुपये नकद, दो दोपहिया वाहन, एक देशी तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी पिपराईच थाने में दर्ज चोरी के तीन मामलों में वांछित था।

बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमों में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है और शस्त्र बरामदगी के संबंध में एक अन्य अभियोग दर्ज किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मुमताज के खिलाफ गोरखपुर के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट समेत कई धाराओं में 14 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब फरार साथी की पहचान और गिरफ्तारी के साथ अन्य चोरी की घटनाओं में आरोपी की भूमिका की भी जांच कर रही है।

अधिवक्ताओं से मिले भाजपा नेता संतोष तिवारी, लैपल पिन लगाकर किया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भाजपा नेता एडवोकेट संतोष कुमार तिवारी ने मंगलवार को दीवानी एवं जिला बार एसोसिएशन, देवरिया के अधिवक्ताओं से मुलाकात कर उन्हें लैपल पिन लगाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने अधिवक्ताओं के साथ आत्मीय संवाद भी किया। संतोष तिवारी ने कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी होने के साथ ही लोकतंत्र की मजबूत आधारशिला हैं। अधिवक्ताओं के अनुभव और मार्गदर्शन से समाज में न्याय तथा विधिक जागरूकता को मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि देवरिया के अधिवक्ता साथियों के साथ उनका संबंध हमेशा सम्मान, आत्मीयता और सहयोग का रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन और युवा अधिवक्ताओं का उत्साह उन्हें जनसेवा के लिए निरंतर प्रेरित करता है। भाजपा नेता ने कहा कि जनसेवा के संकल्प के साथ देवरिया सदर विधानसभा क्षेत्र में लोगों से संवाद और संपर्क का सिलसिला जारी है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझना तथा उनके सुख-दुःख में सहभागी बनना उनकी प्राथमिकता है। इस अवसर पर दीवानी एवं जिला बार एसोसिएशन के बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

आईजीआरएस में लापरवाही पर पांच अधिकारियों को नोटिस

देवरिया। आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और त्रुटिपूर्ण रिपोर्ट लगाने पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने पांच अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीएम ने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण महज औपचारिकता नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान होना चाहिए। नोटिस पाने वालों में ड्यूटी में लापरवाही पर खंड विकास अधिकारी सलेमपुर, शौचालय की मांग से जुड़े प्रकरण में सहायक विकास अधिकारी पथरदेवा, नाली निर्माण के मामले में खंड विकास अधिकारी भाटपाररानी, प्रधानमंत्री आवास योजना में अपात्र व्यक्ति को आवास दिए जाने की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी रुद्रपुर और सूचना उपलब्ध कराने के प्रकरण में खंड विकास अधिकारी गौरीबाजार शामिल हैं। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आईजीआरएस प्रकरणों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। शिकायतकर्ता से संवाद कर उसकी वास्तविक समस्या समझी जाए और नियमानुसार प्रभावी समाधान कराया जाए। उन्होंने निस्तारण आख्या में की गई कार्रवाई का स्पष्ट और तथ्यात्मक उल्लेख करने के निर्देश दिए।

लापरवाही मामले में तीन सीडीपीओ और सुपरवाइजर का वेतन रोका

डीएम ने जल निगम, सिंचाई, नलकूप, पोषण व महिला कल्याण योजनाओं की किया समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सख्त रुख अपनाया। जिला पोषण समिति की समीक्षा में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर लार, सलेमपुर और रुद्रपुर के सीडीपीओ व संबंधित सुपरवाइजर का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। कलेक्ट्रेट में जल संसाधन विभागों की समीक्षा में डीएम ने जल निगम की पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों का रिस्टोरेशन समय से कराने के निर्देश दिए। बाढ़ खंड को जलस्तर व वर्षा के आंकड़े नियमित प्रदर्शित करने और बाढ़-कटान से बचाव की तैयारियां पूरी रखने को कहा। सिंचाई विभाग को नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने और आवश्यकता के अनुसार सिल्ट सफाई कराने के निर्देश दिए। नलकूप विभाग को खराब राजकीय नलकूप प्राथमिकता से ठीक कर किसानों को निर्बाध सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने को कहा।

मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना में जिले में उथले नलकूप के 2,438, मध्यम गहरे नलकूप के 37 तथा पंपसेट-हौज के 137 आवेदन प्राप्त हुए हैं। पोषण समीक्षा में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, बच्चों की उपस्थिति, होम विजिट और कुपोषित बच्चों की निगरानी की जांच हुई। डीएम ने सभी बीडीओ को कम से कम 20-20 आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करने को कहा साथ ही लापरवाह आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों पर कार्रवाई के भी निर्देश दिए। आइजीआरएस की समीक्षा में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने को कहा। शिकायतकर्ता से संवाद और निस्तारण आख्या में कार्रवाई का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य किया। महिला कल्याण की समीक्षा में दो बहनों का कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, रुद्रपुर में नामांकन कराया गया। डीएम ने चार सितंबर को महिला सशक्तीकरण पर यूट्यूब लाइव और 17 सितंबर को पांच विकासखंडों में पीएनटी बैठकें कराने के निर्देश दिए।

नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को वितरित किए गए नियुक्ति पत्र

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम : विधायक प्रभात कुमार वर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर, गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं को रोजगार, सम्मान और स्वावलंबन के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, विकासखंड बभनजोत, जनपद गोंडा द्वारा नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिका बहनों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी सहायिकाएं प्रदेश के नौनिहालों के पोषण, स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनका चयन केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृशक्ति को सशक्त बनाने, महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने तथा समाज के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महिला सशक्तिकरण और रोजगार के क्षेत्र में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रदेश की विकास यात्रा को नई गति प्रदान कर रहे हैं।

विधायक ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के अवसर प्रदान करना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। इस अवसर पर विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने सभी नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिका बहनों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बच्चों और महिलाओं के हित में बेहतर कार्य करें। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज पटेल, सीडीपीओ बभनजोत दुर्गेश कुमार गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अरुण प्रकाश शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष शोहरत वर्मा, डब्लू सिंह, बब्लू वर्मा, विक्रम प्रसाद वर्मा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिका बहनें उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त खबरें

दिवंगत यशी के परिवारजनों से मिले सविता समाज एकता मंच के पदाधिकारी

कानपुर। सविता सेन-नंदवंशी समाज एकता मंच द्वारा महाराजपुर पुरवामीर गांव पहुंचकर रक्षाबंधन के दिन जमीन धंसने की वजह से हुए हृदय विदारक हादसे में दिवंगत 18 वर्षीय यशी के परिजनों से भेंट कर उनका ढांढस बंधाया। भवन निर्माण के लिए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग किया एवं बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा से बात कराके शासन से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। समाजसेवियों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। इसमें प्रमुख रूप से संगठन के समाजसेवी शिवपूजन सविता,डॉ उमेश शर्मा,पवन शर्मा,बसंत सविता,जितेंद्र सविता,वीरेंद्र सविता,अंकुर सविता,कृष्णकांत सविता,शिवम इत्यादि लोग मौजूद रहे।

हाईवे किनारे खड़े 194 वाहनों पर बड़ी कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। पहले तो हाई-वे किनारे खड़े इन वाहनों को चेतावनी दी गई और फिर इनके खिलाफ एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों काही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया । इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 194 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई।

ट्राला से टकरा कर रोडवेज बस पलटी, छह सवारियां घायल; आगरा से फिरोजाबाद आ रही थी गाड़ी

फिरोजाबाद। नेशनल हाईवे पर बुधवार दोपहर ढाई बजे हजरतपुर के पास ट्राला से टकराने के बाद आगरा फोर्ट डिपो की रोडवेज बस पलट गई। हादसे में आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। आगरा फोर्ट डिपो की अनुबंधित बस बुधवार को यात्री लेकर आगरा से फिरोजाबाद जा रही थी। दोपहर ढाई बजे हजरतपुर के पास नेशनल हाईवे पर मुड़ रहे ट्राला ने बस में टक्कर मार दी। इससे रोडवेज बस हाईवे पर पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों की चीख पुकार सुनकर राहगीर व आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। टूंडला पुलिस को सूचना देने के साथ ही बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला शुरू किया। इस बीच थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायलों को सरकारी ट्रामा सेंटर भेजा। इंस्पेक्टर बैजनाथ ने बताया कि घायलों को सरकारी ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

सड़क न बनने पर तो ग्रामीणों ने हाईवे पर लगाया जाम, डेढ़ घंटे तक बंद रहा लखनऊ-दिल्ली हाईवे का यातायात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर (शाहजहांपुर)- जर्जर सड़क, जगह-जगह जानलेवा गड्ढे और उनमें भरे पानी का लंबे समय से दंश झेल रहे ग्रामीणों ने लखनऊ-दिल्ली हाईवे जाम कर दिया। देखते ही देखते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब डेढ़ घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। सुनौरा अजमतपुर गांव में स्कूल से अमरेश सिंह के मकान होते हुए सुखपाल सिंह के मकान तक जाने वाली सड़क लंबे समय से बदहाल है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने के साथ ही बारिश का पानी भरने से स्थिति और भी बदतर हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें रोजाना इसी रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है, लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। सड़क निर्माण के लिए ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों को कई बार शिकायती पत्र दिए गए, लेकिन कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता चला गया। बुधवार सुबह करीब 11 बजे सुनीता सिंह, राजेश्वरी सिंह, राजवती, उर्मिला, प्रेमवती, शकुंतला, देवकी, अन्नपूर्णा सिंह, रूबी देवी, शिवम सिंह समेत बड़ी संख्या में महिलाएं और युवक लखनऊ-दिल्ली हाईवे स्थित शिव शक्ति ढाबे के पास पहुंच गए। ग्रामीणों ने देखते ही देखते हाईवे की दोनों लेन पर कब्जा जमाकर धरना शुरू कर दिया। हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई और दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हाईवे जाम की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक प्रभाष चंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक जिम्मेदार अधिकारी मौके पर आकर सड़क निर्माण शुरू कराने का आश्वासन नहीं देते, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। महिलाओं ने ग्राम प्रधान पर मनमानी और तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने ददरौल ब्लॉक के बीडीओ को मौके पर बुलाने की मांग की। मामला बढ़ता देख ददरौल ब्लॉक के बीडीओ अमित सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की समस्या सुनी और बृहस्पतिवार से सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया। बीडीओ के आश्वासन के बाद करीब साढ़े 12बजे बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया। इसके बाद पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर हाईवे पर फंसे वाहनों को निकलवाया और यातायात सुचारू कराया। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि, निर्धारित समयावधि में निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया तो वह दोबारा हाईवे जाम कर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। बीडीओ अमित सिंह ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर महिलाएं और युवक हाईवे जाम कर प्रदर्शन कर रहे थे। उन्हें बृहस्पतिवार से सड़क निर्माण शुरू कराने का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया गया है। इस दौरान शिवकुमार सिंह, राज, जितेंद्र सिंह, रवि कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण मौजूद रहे।

जलभराव से नगेपुरा गांव के हालात खराब, एसडीएम से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- बीते कई दिनों से कोंच तहसील क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते क्षेत्र के तमाम गांवों में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है जिससे आवागमन में ग्रामीणों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्राम नगेपुरा में भी जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। बारिश का पानी गांव की गलियों में जमा हो गया है और पानी निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। बुधवार को नगेपुरा गांव के तमाम ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम अभिनव कुमार को अपना शिकायती पत्र दिया। शिकायती पत्र में ग्रामीणों ने बताया कि गांव में काली देवी मंदिर से खेड़ा चौकी के पास जाने वाली गली में बारिश का पानी भर गया है। पानी की निकासी के लिए पर्याप्त व्यवस्था न होने से ग्रामीणों को जलभराव के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर बारिश के पानी की निकासी के लिए पुलिया का निर्माण नहीं कराया गया है जिससे बरसात के हर सीजन में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। लंबे समय तक पानी जमा रहने से सड़क के दोनों ओर बनी कंकरखियों की कटान भी हो रही है इससे सड़क के क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने एसडीएम से जल निकासी के लिए पुलिया स्वीकृत कर उसका निर्माण कराने की मांग के साथ ही सड़क के दोनों ओर हो रही कटान को रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। एसडीएम ने ग्रामीणों को समस्या के समाधान के लिए उचित कार्यवाही का आश्वासन दिलाया है। इस दौरान सुमित परिहार, सुनील, राजू, चंद्रपाल, अंकित, हिमांशु, सोनू, राजेंद्र, गणेश परिहार, लला, राघवेंद्र आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य ने नदीगांव सीएचसी का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक झांसी मंडल, झांसी डॉ जयप्रकाश ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नदीगांव का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाएं परखी। संयुक्त निदेशक एवं मंडलीय शहरी स्वास्थ्य सलाहकार फिरोज आलम के औचक निरीक्षण से सीएचसी नदीगांव स्टॉफ में खलबली मच गई। सीएचसी केंद्र अधीक्षक विनोद कुमार ने बारी बारी से केंद्र के सभी पटलों का संयुक्त निदेशक को निरीक्षण कराया, जिसमें साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त पाई गई। संयुक्त निदेशक ने बीपीएमयू यूनिट कक्ष में पहुंचकर सेजेएसबाई भुगतान के संदर्भ में जानकारी ली जिसमें बताया कि 97 प्रतिशत भुगतान अभी तक हो गया है। आयुष्मान मित्र द्वारा बताया गया की वर्तमान में 1800 के लगभग आयुष्मान संशोधन प्रार्थना पत्र भेजे जा चुके हैं और आशाओं का माह जुलाई तक का समस्त भुगतान हो चुका है। प्रसब रजिस्टर में कोई भी कमी नहीं पाई गई, जिसमें 18 की फीडिंग दर्ज थी और संबंधित को समय अनुसार भोजन मिलना पाया गया। टीकाकरण कक्ष में टीकाकरण के संदर्भ में संयुक्त निदेशक ने स्टाफ नर्स को जरूरी दिशा निर्देश दिए। टीवी लैब में लैब टेक्नीशियन ने बताया कि समय अनुसार सभी मरीजों को दबा वितरण के साथ ही उनका फॉलोअप लगातार किया जा रहा है। महिला वार्ड में रोशनी कम पाई गई। प्रयोगशाला में विधिवत जांच होती पाई गई और मौके पर 42 जांच पूर्ण हो चुकी थी। संयुक्त निदेशक के समक्ष एनसीडी काउंसलर ने अपना बीपी जांच कराकर यंत्र की जांच की जिसमें यंत्र सही काम करता हुआ पाया गया। संयुक्त निदेशक ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं सुविधाओं का बेहतर लाभ मरीजों को दिया जाए। निरीक्षण के दौरान डॉ मोहिनी, डॉ अनुज पटेल, नीलेश, फार्मासिस्ट रामसिंह, दिलीप सहित स्टॉफ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

दुष्कर्म के मामले में दरोगा पर समझौते का दबाव बनाने का आरोप

तिलहर-शाहजहांपुर। दुकष्कर्म पीड़िता की मां ने सीओ को शिकायती पत्र देकर थाने के एक दरोगा पर आरोपी पक्ष से समझौता करने के दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को महिला ने सीओ विदुष सक्सेना को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि 30 अगस्त को उसके पति की तबीयत खराब हो गई थी। वह पति को उपचार के लिए बरेली लेकर गई थी। घर पर उसकी किशोरी बेटी और दो छोटे बच्चे थे। महिला का आरोप है कि इसी दौरान रात में गांव का एक युवक उसके घर पहुंचा और किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद महिला ने थाना जैतीपुर पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। महिला का आरोप है कि पुलिस ने उसे पूरे दिन थाने में बैठाए रखा और उसकी इच्छा के विपरीत अपने हिसाब से तहरीर लिखवाकर उस पर अंगूठा लगवा लिया। मामले को लेकर महिला ने मंगलवार को सीओ से भी शिकायत की थी। महिला का आरोप है कि शिकायत की जांच के बाद थाने के एक दरोगा ने उस पर और उसके स्वजन पर आरोपी पक्ष से समझौता करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। महिला ने इसे दरोगा द्वारा पद के कथित दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

क्लीन कानपुर, ग्रीन कानपुर स्लोगन से अधिक ज़रुरी है कि सड़कों से कूड़ा उठाए नगर निगम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यशोदा नगर (सिमरा गांव)बाईपास रोड के किनारे फुटपाथ पर फैला बदबूदार कूड़ा राहगीरों के लिए बना मुसीबत बना हुआ है, लोगों ने बताया कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। आप को बता दे कानपुर यशोदा नगर बाईपास से जब राहगीर रामादेवी के लिए चलते है तो बीच में शंकराचार्य नगर एवं सिमरा गांव बाईपास रोड के किनारे पड़ता है, यहां बाईपास के किनारे फुटपाथ में फैला बदबूदार कूड़ा राहगीरों के लिए मुसीबत बन चुका है,साथ ही कानपुर स्मार्ट सिटी, ग्रीन कानपुर, क्लीन कानपुर की पोल खोल रहा है। इधर से गुजरने वाले राहगीरों का सांस लेना तक मुश्किल हो गया है, कूड़े में मरे जानवर तक पड़े रहते हैं, मरे जानवरों से निकलने वाले कीटाणु हवा में फ़ैल कर, किसी इंसान की बीमारी का कारण बन सकते है,लेकिन नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी इतने लापरवाह हो चुके हैं कि इस कूड़े को नहीं उठाया जा रहा है। वहीं आप को बता दे कि विशेष सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि जिन कूड़ा गाड़ियों को निस्तारण केंद्र पर जाकर गाड़ी खाली करनी होती है वह डीजल बचाने,एवं अपने आलसी रवैये के चलते चोरी छिपे यही पर कूड़ा फेंक देते हैं और ज्यादा इकट्ठा होने पर जला भी देते हैं। वहीं यहां पर यह भी देखा गया है कि कुछ अन्य लोगों के द्वारा भी अपने घरों का कूड़ा यही पर फेंक दिया जाता है। कानपुर नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के नाम पर लिखाई-पुताई और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, लाखों ,करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे है लेकिन सफाई कही पर भी नहीं की जा रही है,इस जगह पर जहाँ इतनी गंदगी है, यहां पर भी लिखाई पुताई की गई है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम कानपुर के समस्त जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि शहर को स्वच्छ बनाना है तो सिर्फ दीवारें रंगने और स्लोगन लिखने से काम नहीं चलेगा बल्कि ,ष्ट रूम छोड़कर बाहर निकलिये कुछ काम करिए और अपनी जिम्मेदारी तय करिए,एवं जो लोग रोड पर कूड़ा डाले उनके ऊपर भी सख्ती करिए,आस पास कैमरे लगवाये, लेकिन शहर को साफ करिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय कर्मी की मां की कानपुर में हत्या समेत लाखों की लूट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां कमिश्नरेट पुलिस की सक्रियता के बाद भीअपराधी वारदातों को अनजान देने में लगातार सफल हो रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में तैनात एक कर्मचारी की मां की हत्या करने के साथ ही लाखों का माल भी लूट ले गए। अब पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है। यह घटना रावतपुर थाना क्षेत्र के केशवपुरम में हुई। पुलिस की छानबीन के दौरान यह खुलासा हुआ है कि बदमाशों को घर की पूरी जानकारी थी। लुटेरों ने चाबी से अलमारी खोली और सिर्फ बड़े बेटे अमरीष की अलमारी को निशाना बनाया, जबकि छोटे बेटे की अलमारी को छुआ तक नहीं। लॉकर को किसी नुकीली चीज से तोड़ा गया था। लूट के आरोपियों को घर की पूरी जानकारी थी। उन्हें पता था कि गहने और नकदी कहां रखी हुई है। यहां तक की उन्हें बड़े बेटे की अलमारी की चाभी की जानकारी भी थी। घटना के बाद उमा के पति शिवमंगल जैसे ही घर पहुंचे। उन्हें बड़े बेटे अमरीष की ही अलमारी टूटी हुई मिली, जबकि छोटे बेटे आशीष की अलमारी को लुटेरों ने छुआ भी नहीं था। शिवमंगल के मुताबिक अलमारी में बड़े बेटे की पत्नी नेहा और उमा के जेवर थे। अलमारी की चाबी घर में एक सुरक्षित स्थान पर रखी जाती है। अलमारी चाबी से खोली गई है, लेकिन जेवर वाले लॉकर को किसी नुकीली चीज से तोड़ा है। अमरीष पिछले नौ साल से पत्नी नेहा के साथ मसवानपुर स्थित दूसरे मकान में रह रहा है। उसी में नीचे बनी मार्केट की एक दुकान में पिता पुत्र बुक स्टॉल चला रहे हैं। अमरीष का तीन माह पहले अपनी पत्नी नेहा से महीने के खर्च को लेकर विवाद हुआ था।

इसके बाद नेहा दोनों बच्चों को लेकर गोविंदनगर स्थित मायके चली गई। बताया गया कि जब वारदात हुई, तो अमरीष ने फोन कर नेहा को भी बुला लिया। नेहा का एक बेटा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में कर्मचारियों के रूप में नियुक्त बताया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना की गहन छानबीन करने के साथ ही लुटेरों का पता लगाया जा रहा है।

विभिन्न मांगों को लेकर पालिकाध्यक्ष ने डीआरएम रेलवे को दिया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोंच-एट शटल ट्रेन को पुनः कोंच से उरई के रास्ते सरसोकी स्टेशन तक चलाने सहित रेल विभाग से जुड़ी अन्य प्रमुख मांगों को लेकर पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने झांसी पहुंचकर मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध सिंह को ज्ञापन दिया। गत रोज मंगलवार को नगर पालिका कोंच के कुछ सभासदों, भाजपा नेताओं, समाजसेवियों और वरिष्ठ गणमान्य नागरिकों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन को मंडल रेल प्रबंधक को देकर पालिकाध्यक्ष ने जनहित में मांग की है कि शटल ट्रेन के कम से कम दो फेरे सुबह एवं रात के समय कोंच से उरई के रास्ते सरसोकी तक चलाए जाएं ताकि एट में रुकने वाली ट्रेनों का यथावत मिलान हो सके और यात्रियों को कानपुर एवं झाँसी जाने के लिए बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। इसके साथ ही कोंच में मियागंज/रामगंज के करीब 50 फीट चौड़े सार्वजनिक मार्ग को रेलवे की प्रस्तावित बाउंड्रीवॉल के सहारे बंद न किए जाने की भी मांग पालिकाध्यक्ष ने की। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक को बताया कि यह रास्ता करीब 60 वर्षों से आमजन के आवागमन में उपयोग हो रहा है, रास्ता बंद होने से मोहल्लेवासियों और व्यापारियों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ेगी क्योंकि कोई वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध नहीं है। वहीं मंडल रेल प्रबंधक ने उक्त मांगों को लेकर यथोचित कार्यवाही अमल में लाए जाने का भरोसा पालिकाध्यक्ष को दिलाया है।

छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत की राधा कृष्ण की झांकियां

बरेली/रिठौरा। नगर के पीएन दीवान पब्लिक स्कूल में बुधवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में छात्र -छात्राओं ने राधा -कृष्ण की भेष-भूषा में विभिन्न मनोहारी झांकी, एवं नृत्य पेश कर सभी को धार्मिक आस्था से सराबोर कर दिया। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार गुप्ता ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के महत्व को विस्तार से समझाया।इस दौरान वरिष्ठ शिक्षक राजेंद्र कुमार सक्सेना, खूबकरन लाल, दीपिका बनर्जी,सुलभ अग्रवाल, अनिल राय,ममता शंखधार, सोनम कश्यप, शीतल साहू, संजना सक्सेना, शिवानी कश्यप, राधा कश्यप, विमला शर्मा, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

बेदाग सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए सहायक सचिव सुरेंद्र नाथ मिश्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। माध्यमिक शिक्षा परिषद क्षेत्रीय कार्यालय में सोमवार को भावुक माहौल के बीच सहायक सचिव सुरेंद्र नाथ मिश्रा को विदाई दी गई। वह 35 वर्षों की बेदाग और निष्कलंक सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हो गए हैं। वर्ष 1991 में शासकीय सेवा में आए सुरेंद्र नाथ मिश्रा क्षेत्रीय कार्यालय बरेली से पूर्व राजकीय इंटर कॉलेज शाहजहांपुर में प्रधानाचार्य के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने पूरे सेवाकाल में उन्होंने अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की अनूठी मिसाल पेश की। सेवानिवृत्ति के अवसर पर कार्यालय सभागार में विशेष विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य ओपी राय, नईम अहमद, संजय गुप्ता, रजनीश कुमार, हरिवंश किशोर मिश्रा तथा उनकी पत्नी उषा मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। संबोधन में वक्ताओं ने सुरेंद्र नाथ मिश्रा की कार्यशैली और बेदाग छवि की मुक्तकंठ से सराहना की। साथी कर्मचारियों और अधिकारियों ने उन्हें उपहार भेंट कर सम्मानित किया और उनके सुखद, स्वास्थ्यप्रद व दीर्घायु जीवन की कामना की। इसके बाद ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजे की गूंज के बीच उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

नाली के पानी के विवाद ने ली बुजुर्ग की जान! संदिग्ध हालात में मौत, गांव में पुलिस तैनात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर (शाहजहांपुर। नाली के पानी के निकास को लेकर चल रहे विवाद ने बुधवार को एक परिवार की खुशियां छीन लीं। विवाद के बीच करीब 60 वर्षीय बुजुर्ग शिवराज सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि मुकदमे और लगातार चल रहे विवाद के कारण शिवराज सिंह मानसिक तनाव में थे। इसी सदमे में उनकी तबीयत बिगड़ी और हार्ट अटैक से मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई, जिसके चलते पुलिस बल तैनात करना पड़ा। मामला थाना क्षेत्र के मीरपुर माफी गांव का है। शिवराज सिंह पुत्र जंगी की बुधवार सुबह अचानक हालत बिगड़ गई। परिजन उन्हें उपचार के लिए ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे, तभी उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तालाब की पैमाइश के बाद बढ़ा विवाद-

परिजनों के अनुसार, गांव में नाली के पानी के निकास को लेकर करीब एक माह से विवाद चल रहा था। विवाद के बीच राजस्व टीम ने गांव पहुंचकर तालाब की पैमाइश भी की थी। परिजनों का आरोप है कि इसी मामले को लेकर ग्राम प्रधान की ओर से शिवराज सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। उनका कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद से शिवराज सिंह काफी तनाव में रहने लगे थे। परिजनों के मुताबिक, विवाद के दौरान पहले भी सदमे के कारण शिवराज सिंह की तबीयत बिगड़ गई थी और उन्हें हार्ट अटैक आया था। इसके बावजूद विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा था। बुधवार सुबह अचानक उनकी हालत बिगड़ी और देखते ही देखते उनकी मौत हो गई।

बुजुर्ग की मौत से मचा कोहराम-

शिवराज सिंह की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी नन्ही देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुत्र राकेश, राजेश व दीपेंद्र तथा पुत्रियां संतोषा, मंतोषा और सोनी भी बिलखते रहे। परिजनों का आरोप है कि विवाद और मुकदमे के चलते बने मानसिक दबाव ने शिवराज सिंह की हालत बिगाड़ दी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट खोलेगी मौत का राज

सीओ विदुष सक्सेना ने बताया कि बुजुर्ग की अचानक मौत हुई है। परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर मिलने के बाद तथ्यों के आधार पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

.धार्मिक अनुष्ठान के बीच बल्दाऊ जी का हुआ प्राकट्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम का अवतरण यहां वैदिक मंत्रों के बीच बल्दाऊ मंदिर में हुआ। नगर के विद्वान ब्राह्मणों ने भगवान बल्दाऊ के प्राकट्य से पूर्व धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए तत्पश्चात् मंदिर के पुजारी हनुमंत गोस्वामी द्वारा बल्दाऊ जी महाराज का अवतरण कराया गया, महिलाओं ने बधाइयां गाईं। बलराम जी के प्राकट्य का दर्शन करने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी थी। इधर, सनातनी घरों में भगवान बल्दाऊ जी का प्राकट्योत्सव हल षष्ठी अर्थात 'हरछठ' के रूप में मनाया गया, महिलाओं ने संतान की दीर्घायु के लिये व्रत रखा। धर्मार्थ कार्यों के निमित्त बनी गल्ला व्यापारियों की संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित बल्दाऊ धर्मशाला एवं बल्दाऊ मंदिर में गुरुवार को भगवान बलराम का प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। धर्मादा अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले और मंत्री विनोद दुवे लौना की देखरेख में आवश्यक धार्मिक अनुष्ठान संपादित किए गए। नगर के विद्वान ब्राह्मणों रमेशचंद्र पटेरिया, राघवराम शास्त्री, विजय कुमार मिश्रा, प्रमोद महाराज आदि द्वारा समस्त अनुष्ठान एवं हवनादि कार्यक्रम संपन्न कराए गए। मंदिर के मुख्य मंडप में भगवती रेवती के साथ विराजमान भगवान बलभद्र की विहंगम झांकी का दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे थे। बाद में पुजारी द्वारा आरती उतारी गई और प्रसाद वितरित किया गया, महिलाओं ने मंगल गीत गाए। इस दौरान पालिकाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता, पुनीत वैद, राघवेंद्र तिवारी, मुकेश कुमार सोनी, कैलाश मिश्रा, प्रमोद महाराज, राजू मिश्रा, हरीश तिवारी, जीतू राठौर, जय मुखिया सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बारिश से लालगंज में तबाही, पांच मकान गिरे; लेखपालों की गैरमौजूदगी पर ग्रामीणों में आक्रोश

पांच मकान गिरने के बाद ग्रामीणों ने कहा- हर गांव में पहुंचकर लेखपाल करें स्थलीय मुआयना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। तहसील लालगंज क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश ने ग्रामीण इलाकों में मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई गांवों में कच्चे और जर्जर मकानों के गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं, वहीं बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने को लेकर राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। पवारी कला गांव में तेज बारिश के कारण पांच मकानों के गिरने की सूचना सामने आई है। ग्राम प्रधान जितेंद्र कुमार सिंह द्वारा संबंधित लेखपाल को सूचना दिए जाने के बावजूद मौके पर पहुंचकर नुकसान का मुआयना नहीं किए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में गांवों में गरीब और कमजोर परिवारों के मकान लगातार खतरे में हैं। ऐसे में यदि मकान गिरने की सूचना ग्राम प्रधान या ग्रामीणों द्वारा राजस्व विभाग को दी जाती है तो संबंधित लेखपाल की जिम्मेदारी बनती है कि वह मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति का स्थलीय निरीक्षण करे और नुकसान की रिपोर्ट तैयार करे। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि लेखपाल गांव तक ही नहीं पहुंचेंगे तो पीड़ित परिवारों के नुकसान का सही आकलन कैसे होगा और उन्हें शासन की ओर से मिलने वाली राहत कैसे मिल पाएगी।

पवारी कला में पांच मकान गिरने की घटना के बाद ग्रामीणों ने मांग उठाई है कि सिर्फ पवारी कला ही नहीं, बल्कि पूरे तहसील लालगंज क्षेत्र के सभी गांवों में लेखपालों को भेजकर बारिश से हुए नुकसान का स्थलीय मुआयना कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि राजस्व विभाग के लेखपालों का काम केवल कार्यालयों में बैठकर कागजी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि आपदा और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के बीच पहुंचकर वास्तविक स्थिति का आकलन करना भी है। बारिश के कारण जिन परिवारों के मकान गिरे हैं या क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके नुकसान का मौके पर जाकर सत्यापन किया जाना आवश्यक है। ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से मांग की है कि सभी लेखपालों को स्पष्ट निर्देश जारी कर गांव-गांव भेजा जाए, ताकि तेज बारिश से हुए नुकसान की वास्तविक तस्वीर सामने आ सके और प्रभावित परिवारों को नियमानुसार राहत एवं आर्थिक सहायता दिलाई जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि जब सूचना देने के बाद भी जिम्मेदार मौके पर नहीं पहुंचेंगे तो आपदा के समय पीड़ित ग्रामीण अपनी फरियाद आखिर किसके सामने रखेंगे। अब ग्रामीणों की निगाहें तहसील प्रशासन पर टिकी हैं कि वह पूरे लालगंज तहसील में बारिश से हुए नुकसान का व्यापक सर्वे कराकर पीड़ित परिवारों को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

जमीन पर जबरन जुताई का आरोप, फरियादी राजेंद्र प्रसाद दर-दर भटकने पर मजबूर

बैनामा की है जमीन फिर भी दबंग जमआ रहे हैं अपना हक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। तहसील लालगंज क्षेत्र के ग्राम मड़वा धनवाल गाव निवासी राजेंद्र प्रसाद पुत्र श्रीधर ने अपनी बैनामा शुदा भूमि पर विपक्षियों द्वारा जबरन जुताई किए जाने का आरोप लगाते हुए अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाए है। राजेंद्र प्रसाद के अनुसार, मौजा मड़वा धनवाल स्थित आराजी संख्या 1551 की भूमि उसके नाम बैनामा से संक्रमणित है और करीब 40 वर्षों से उसके कब्जे एवं जोत में चली आ रही है। पीड़ित का आरोप है कि अंकित पुत्र शारदा प्रसाद एवं मंजू पत्नी शारदा प्रसाद द्वारा कथित रूप से उसकी भूमि को जबरन जोत लिया गया। विरोध करने पर मामला और गंभीर हो गया। राजेंद्र प्रसाद ने शिकायत में आरोप लगाया कि विपक्षी लाठी-डंडे लेकर उसे दौड़ाने लगे और दोबारा जमीन पर आने पर दफना देने की धमकी दी गई।

अपनी भूमि और सुरक्षा को लेकर परेशान राजेंद्र प्रसाद अब दर-दर भटककर अधिकारियों से कार्रवाई की गुहार लगा रहा है। पीड़ित ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच, मौके का निरीक्षण तथा राजस्व अभिलेखों के आधार पर भूमि की स्थिति स्पष्ट कराने की मांग की है। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि भूमि बैनामा के आधार पर राजेंद्र प्रसाद के नाम है और वह वर्षों से उस पर खेती करता रहा है, तो कथित रूप से जबरन जुताई करने की नौबत कैसे आई? वहीं, धमकी के आरोप सही पाए जाते हैं तो पीड़ित की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी प्रशासन के लिए गंभीर जिम्मेदारी होगी। अब निगाहें प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं कि राजेंद्र प्रसाद की फरियाद पर कब होगी मौके की जांच और कब मिलेगा पड़ी को न्याय?

उमरा के पवित्र सफर पर रवाना हुए मो. अली और सकीला बेगम

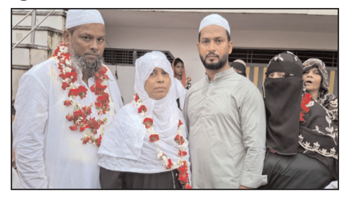

माधोसिंह। माधोसिंह उत्तर मोहल्ला निवासी मो. अली एवं उनकी पत्नी सकीला बेगम उमरा के पवित्र सफर के लिए रवाना हुए। दोनों अपने आवास से निजी साधन द्वारा प्रयागराज (इलाहाबाद) के लिए निकले, जहां से ट्रेन के माध्यम से दिल्ली जाएंगे। इसके बाद दिल्ली से हवाई जहाज द्वारा जेद्दा के लिए रवाना होंगे। उमरा यात्रा पर रवाना होने के दौरान परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें मुबारकबाद देते हुए सुरक्षित और सफल यात्रा की दुआ की। इस मौके पर मो. इमरान, मो. उलीउल्ला, इमतेयाज अली और सैफ अली समेत परिवार के लोग एवं शुभचिंतक मौजूद रहे। परिजनों ने कहा कि उमरा का सफर हर मुसलमान के लिए बेहद पवित्र और सौभाग्य की बात है। सभी ने मो. अली एवं सकीला बेगम से अपने लिए भी दुआ करने की गुजारिश की। उमरा के लिए रवाना होते समय परिवार में खुशी और भावुकता का माहौल रहा। लोगों ने दोनों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुरक्षित वापसी की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

कच्चे मकान की दीवार गिरने से 80 वर्षीय वृद्धा की दबकर मौत

मीरजापुर। हलिया स्थानीय थाना क्षेत्र के सोठिया कला गांव में हो रही लगातार भारी बारिश के कारण मंगलवार की रात्रि में एक कच्चा मकान की दीवार भर भराकर गिर गई।जिससे दीवार के मलबे के नीचे दबने से वृद्धा महिला की मौत हो गई महिला के परिजनों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस सहित राजस्व विभाग को दिया है थाना क्षेत्र के सोफिया गांव निवासी 80 वर्षीय वृद्धा सुभागी देवी पत्नी स्व. गंभीर पाल अपने कच्चे मकान में चारपाई पर लेटी थी की बारिश होने के कारण कच्चे मकान की दीवार भरभरा कर गिरने से वृद्ध महिला की मलबे के नीचे दब गयी उस समय पुत्र रामनरेश भेड़ चराने बाहर गया था। मकान गिरने की आवाज सुन कर घर के अंदर काम कर रही बहू मंजू बाहर आ कर हल्ला मचाने लगी अगर बगल के लोग मौके पर पहुंच कर मलवे से बाहर निकाला और चिकित्सक के पास ले जा रहे थे लेकिन दो घंटे में उसकी दर्दनाक मौत हो गई।घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई में जुट गई है परिजनों ने क्षेत्रीय लेखपाल को दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की कच्चे मकान की दीवार बारिश के कारण गिरने से मलबे के नीचे दबने से वृद्धा महिला की मौत हुई है परिजनों के सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है

पत्रकार को मातृ शोक

चुनार, मीरजापुर। वरिष्ठ पत्रकार शंकर शर्मा की माता जी श्यामा देवी 92 वर्ष का वुधवार को दोपहर लगभग 2 बजे निधन हो गया। माता जी अपने पीछे भरा पुरा परिवार छोड गयी है। दाह संस्कार आज वृहष्पतिवार को प्रातः 8 बजे कोल्हुआघाट चुनार पर संपन्न होगा।

गंगा के रौद्र रूप से थर्राए तटवर्ती इलाके वि.खं. कोन के दर्जनों गांवों में घुसा पानी, ग्रामीणों में दहशत

मीरजापुर। विकास खंड कोन क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखकर तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की धड़कनें तेज हो गई हैं। बाढ़ का खतरा मंडराते ही ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है।दर्जनों गांवों में घुसा बाढ़ का पानीगंगा का जलस्तर इतनी तेजी से ऊपर चढ़ रहा है कि तटवर्ती इलाके इसकी चपेट में आने लगे हैं। क्षेत्र के मझिगवां, लखनपुर, श्री पट्टी, मवैया, हरसिंहपुर, तिलठी और चेतगंज सहित दर्जनों गांवों में बाढ़ का पानी घुसना शुरू हो गया है। सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर जाने से कई गांवों का संपर्क आपस में टूटने की कगार पर है। बाढ़ का पानी रिहायशी इलाकों के साथ-साथ खेतों में भी फैल गया है। इससे किसानों की सैकड़ों बीघा खरीफ की फसल जलमग्न हो गई है। गांवों के रास्तों पर पानी लग जाने के कारण लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यदि जलस्तर में बढ़ोतरी का यह सिलसिला इसी तरह जारी रहा, तो लोगों को अपने मवेशियों और जरूरी सामान के साथ सुरक्षित स्थानों या राहत शिविरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।तटवर्ती गांवों के निवासियों ने जिला प्रशासन से तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रभावित इलाकों में नावों की व्यवस्था की जाए और बाढ़ चौकियों को सक्रिय किया जाए ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटा जा सके।

सरकारी संपत्ति पर कथित कब्जे का खेल जारी! कॉलोनी में टायर रखकर घेरा परिसर

सार्वजनिक शौचालय तक पर जमाई पकड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज कस्बे स्थित सरकारी कॉलोनी में एक व्यक्ति द्वारा कथित रूप से सरकारी परिसर की जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि साबिर नामक व्यक्ति ने कॉलोनी परिसर में टायर आदि सामान रखकर जगह को अपने कब्जे में ले लिया है। इतना ही नहीं, कॉलोनी के अंदर बने सार्वजनिक शौचालय को भी व्यक्तिगत उपयोग में लेने का आरोप लगाया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार परिसर में बकरियां बांधकर सरकारी कॉलोनी की सार्वजनिक भूमि का निजी उपयोग किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी संपत्ति किसी व्यक्ति विशेष की निजी जागीर नहीं है, फिर आखिर किसकी अनुमति से कॉलोनी परिसर में इस तरह कब्जा किया जा रहा है? आरोप है कि संबंधित व्यक्ति किसी आर्थिक तंगी से मजबूर नहीं है, बल्कि कथित तौर पर दबंगई और मनमानी के बल पर सरकारी परिसर पर कब्जा जमाए हुए है। सवाल यह भी उठ रहा है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाई गई सरकारी कॉलोनी और शौचालय पर कथित कब्जे की जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आखिर कब तक चुप्पी साधे रहेंगे। स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर सरकारी कॉलोनी को तत्काल कब्जामुक्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो सरकारी संपत्तियों पर इस तरह कब्जा करने वालों के हौसले और बुलंद होंगे। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर शिकायत को संज्ञान में लेकर मौके की जांच कराता है या फिर सरकारी संपत्ति पर कथित कब्जे का यह मामला जिम्मेदार विभागों की उदासीनता की भेंट चढ़ता रहेगा।

अधिकारी संज्ञान लें तो टलेगा बड़ा खतरा, स्कूल परिसर के बीच से गुजर रही 33 केवी लाइन

अभोली। ईवीए इंटरनेशनल स्कूल परिसर के बीच से गुजर रही 33 केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिस स्थान पर रोजाना सैकड़ों बच्चे पढ़ाई के लिए पहुंचते हैं, उसी परिसर के बीच से हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। ऐसे में किसी अनहोनी की आशंका से अभिभावक और स्थानीय लोग चिंतित हैं। स्कूल में प्रार्थना सभा, खेलकूद और अन्य गतिविधियों के दौरान बच्चे खुले परिसर में रहते हैं। हाईटेंशन लाइन की मौजूदगी के बीच बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी हादसे के बाद जिम्मेदारी तय करने से बेहतर है कि अधिकारी पहले ही मामले को गंभीरता से लें। रवि, विकास, अंकित समेत अन्य ग्रामीणों ने विद्युत विभाग और जिला प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि लाइन को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए या विद्युत सुरक्षा मानकों के अनुसार ठोस इंतजाम किए जाएं। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी किसी बड़े हादसे का इंतजार करते हैं या समय रहते स्कूल परिसर का निरीक्षण कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कराते हैं।

जिस जन्म प्रमाण पत्र को जांच के बाद सचिव ने बताया असंभव, वही प्रमाण पत्र दोबारा कैसे हुआ जारी?

किसके आदेश पर चला पूरा खेल, ग्रामीणों ने उठाए गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। विकास खण्ड हलिया क्षेत्र के ग्राम महुगढ़ी निवासी जय कुमार पुत्र तौलन द्वारा अपनी पुत्री जानवी शर्मा के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दिए गए प्रार्थना पत्र को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उपलब्ध पत्र के अनुसार बच्ची का जन्म 9 मार्च 2021 को घर पर होना बताया गया था, जिसके आधार पर जन्म प्रमाण पत्र जारी कराने के लिए आवेदन किया गया था। मामले की जांच के बाद संबंधित सचिव द्वारा स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया गया कि आशा एवं आंगनबाड़ी द्वारा ऐसा कोई प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे यह प्रमाणित हो सके कि बच्ची का जन्म वास्तव में ग्राम पंचायत क्षेत्र में घर पर हुआ था। ऐसे में उक्त प्रार्थना पत्र के आधार पर प्रमाण पत्र जारी किया जाना संभव नहीं बताया गया था। लेकिन अब ग्रामीणों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब जांच के बाद संबंधित सचिव ने स्वयं प्रमाण पत्र जारी करना संभव नहीं बताया और आवश्यक प्रमाणों के अभाव में आवेदन को निरस्त कर दिया गया, तो आखिर उसी मामले में जन्म प्रमाण पत्र दोबारा कैसे जारी हो गया? आखिर किस अधिकारी के आदेश पर यह प्रमाण पत्र जारी किया गया और किस स्तर पर पहले की जांच रिपोर्ट को दरकिनार किया गया? क्या जांच रिपोर्ट गलत थी या फिर बाद में बिना पर्याप्त आधार के प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया? यह पूरा मामला प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि एक ही मामले में पहले प्रमाणों के अभाव का हवाला देकर प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार करना और फिर उसी प्रमाण पत्र का दोबारा जारी हो जाना सामान्य प्रक्रिया नहीं बल्कि जांच का विषय है। यदि पहले की जांच सही थी तो प्रमाण पत्र किस आधार पर जारी हुआ, और यदि बाद में प्रमाण पत्र जारी करना सही था तो पहले आवेदन को निरस्त करने वाले जिम्मेदार लोगों की जांच पर सवाल क्यों न उठे? ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा है कि प्रमाण पत्र जारी करने से लेकर उसे पहले निरस्त करने और फिर दोबारा जारी करने तक की पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक की जानी चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि आखिर किसके आदेश पर और किस अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि मामले में जिम्मेदारी तय किए बिना केवल कागजी कार्रवाई से सवाल खत्म नहीं होंगे। अब प्रशासन को इस पूरे प्रकरण पर स्पष्ट जवाब देना होगा, वरना विभागीय कार्यप्रणाली की पारदर्शिता और जवाबदेही पर उठ रहे सवाल और भी गंभीर होते जाएंगे।

34 करोड़ की निर्माणाधीन सड़क धंसी, ट्रक पलटा

पीडब्ल्यूडी की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। करीब 34 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन भदोही-ज्ञानपुर मार्ग पर बुधवार को घरांव के पास सड़क धंसने से बड़ा हादसा हो गया। सड़क धंसने के कारण एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। घटना ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क के जिस हिस्से पर निर्माण कार्य चल रहा है, वहीं अचानक सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया। इसी दौरान गुजर रहा ट्रक असंतुलित होकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से बन रही सड़क निर्माण के दौरान ही यदि धंसने लगे और भारी वाहन पलट जाएं तो निर्माण की गुणवत्ता की निगरानी कौन कर रहा है? स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी और विभागीय अधिकारियों की उदासीनता का खामियाजा राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। निर्माणाधीन मार्ग पर सुरक्षा मानकों और यातायात व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते धंसे हिस्से की जानकारी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होते तो ट्रक पलटने की घटना को टाला जा सकता था। अब देखना यह है कि पीडब्ल्यूडी इस मामले में जिम्मेदारी तय करता है या करोड़ों की लागत से बन रही सड़क में सामने आई इस गंभीर खामी को भी महज एक हादसा बताकर पल्ला झाड़ लेता है। इस संबंध में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग से बात करने का प्रयास किया गया किंतु संपर्क नहीं हो पाया।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

भदोही। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में जनपद पुलिस ने महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, कानूनी अधिकार और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया। पुलिस टीमों ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में अभियान चलाकर महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 181, 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन हेल्पलाइन 112 और 1076 की जानकारी दी। साथ ही यूपी कॉप एप के उपयोग तथा फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग और फर्जी प्रोफाइल से होने वाली धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए गए। महिलाओं को दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम और पॉक्सो एक्ट सहित उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने अपील की कि किसी भी असुरक्षा या अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन से संपर्क करें।

आउटसोर्स कर्मियों के हितों की सुरक्षा को यूपीसीओएस की शुरुआत

भर्ती से मानदेय तक डिजिटल होगी व्यवस्था, ईपीएफ-ईएसआई समेत सामाजिक सुरक्षा का मिलेगा लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती, मानदेय और सेवा संबंधी व्यवस्थाओं को पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने के उद्देश्य से बुधवार को उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीसीओएस) का शुभारंभ किया गया। विकास भवन स्थित डीपीआरसी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में निगम के पोर्टल व वेबसाइट की शुरुआत के साथ लोगो का अनावरण किया गया। इस दौरान विभिन्न लाभार्थियों को चेक भी वितरित किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपीसीओएस के माध्यम से आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती योग्यता, मेरिट और प्रदेश की आरक्षण नीति के अनुसार पारदर्शी तरीके से की जाएगी। भर्ती से लेकर तैनाती, उपस्थिति, वेतन, बीमा और अन्य सेवा लाभों का डिजिटल प्रबंधन होगा। कर्मचारी पोर्टल पर अपनी सेवा, उपस्थिति, भुगतान और मानदेय से संबंधित जानकारी देख सकेंगे तथा ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर उसके निस्तारण की स्थिति भी जान सकेंगे।

उन्होंने कहा कि मानदेय सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। ईपीएफ और ईएसआई का अंशदान नियमित रूप से जमा कराया जाएगा तथा मानदेय से अनावश्यक सेवा शुल्क की कटौती नहीं की जा सकेगी। मनमाने ढंग से कर्मचारियों को हटाने पर भी रोक रहेगी। कर्मचारियों को दुर्घटना, चिकित्सा और अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में सामाजिक एवं स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक दीनानाथ भास्कर, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिलाधिकारी शैलेष कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सफाई कर्मियों को सुरक्षा किट वितरित की गई। वहीं कन्या विवाह सहायता योजना के लाभार्थियों को 55-55 हजार रुपये के सांकेतिक चेक प्रदान किए गए।

बारिश ने खोली गोपीगंज नगर की पोल, जलजमाव से बेहाल लोग

भदोही। बारिश ने गोपीगंज नगर पालिका क्षेत्र की जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। कई प्रमुख मार्गों और बाजारों में जलजमाव होने से राहगीरों, दुकानदारों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अंजही मोहाल वार्ड नंबर पांच स्थित कबूतरनाथ मार्ग पर बारिश के बाद सड़क पर पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित है। लोग मजबूरी में जलभराव के बीच से गुजर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार पानी घरों और दुकानों तक पहुंच जाता है। नगर पालिका की ओर से मशीन लगाकर पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन यह व्यवस्था स्थायी समाधान नहीं बन पा रही है। जलनिकासी के लिए बना नाला तेज बारिश में ओवरफ्लो होने से सड़क पर पानी जमा हो जाता है।

कबूतरनाथ मार्ग गोपीगंज चौराहा से ज्ञानपुर रेलवे स्टेशन, रामपुर घाट और गंगा पार जाने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण रास्ता है। गल्लामंडी और स्कूलों के कारण यहां दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में जलजमाव से लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है। अधिशासी अधिकारी बीना सिंह ने बताया कि वार्ड नंबर पांच में जलनिकासी की समस्या है। इसके स्थायी समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल मशीन लगाकर पानी निकाला जा रहा है। भाजपा नेता आशिफ खान ने नगर पालिका से जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

ललही छठ पर माताओं ने रखा निर्जला व्रत

लालगंज मीरजापुर। आज ललही छठ के पावन अवसर पर क्षेत्र की माताओं ने अपने पुत्रों की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर श्रद्धापूर्वक व्रत रखा। सुबह से ही महिलाओं में पूजा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

माताओं ने परंपरागत विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए अपने पुत्रों के लिए मंगलकामना की और निर्जला उपवास रखकर दिनभर भगवान से उनकी लंबी उम्र की प्रार्थना की। ललही छठ के अवसर पर घर-घर धार्मिक वातावरण नजर आया। महिलाओं ने स्नान आदि के बाद व्रत का संकल्प लिया और पूजा की तैयारियों में जुट गईं। पूजा स्थल पर पारंपरिक सामग्री के साथ विधि-विधान से पूजन किया गया।

समय पर पूरा करें छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लंबित कार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति
U P
ऑनलाइन प्रणाली
यूपी स्कॉलरशिप 2026

भदोही। वित्तीय वर्ष एवं शैक्षिक सत्र 2025-26 में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत पात्र छात्र-छात्राओं को समय से लाभ दिलाने के लिए शासन स्तर से प्रक्रिया और समय-सारिणी निर्धारित की गई है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित शिक्षण संस्थानों एवं अधिकारियों को निर्धारित अवधि में लंबित कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी भदोही ने बताया कि शिक्षण संस्थानों द्वारा मास्टर डाटा लॉक न किए जाने, छात्रों के त्रुटिपूर्ण डाटा अपलोड होने, संस्थान स्तर पर आवेदन लंबित रहने, पीएफएमएस पर आवेदन लंबित अथवा रिजेक्ट होने तथा ट्रांजेक्शन फेल होने जैसे कारणों से पात्र विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित न हों, इसके लिए पूरी प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जानी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिक्षण संस्थानों द्वारा एक से सात सितंबर तक मास्टर डाटा तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय अथवा एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा दो से आठ सितंबर तक फीस आदि का सत्यापन किया जाएगा। वहीं जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा तीन से नौ सितंबर तक शुल्क आदि का सत्यापन किया जाना है।

एनपीसीआई की स्क्रूटनी के बाद छात्रों के आवेदनों में पाई गई त्रुटियों के संशोधन के लिए संबंधित डाटा 11 से 15 सितंबर तक शिक्षण संस्थानों की लॉगिन पर उपलब्ध कराया जाएगा। संस्थानों को 16 से 18 सितंबर तक त्रुटिपूर्ण आवेदनों में सुधार करना होगा। इसके बाद शिक्षण संस्थानों द्वारा सत्यापित एवं पात्र डाटा 17 से 19 सितंबर तक अग्रसारित किया जाएगा। अंतिम चरण में 17 से 25 सितंबर तक जनपदीय समिति द्वारा शुद्ध डाटा लॉक किया जाएगा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने सभी संबंधित शिक्षण संस्थानों एवं अधिकारियों से समय-सारिणी के अनुसार कार्यवाही पूरी करने की अपील की है, जिससे कोई भी पात्र छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लाभ से वंचित न रह जाए।

यूपी आउटसोर्स सेवा निगम शुरू : संविदा कर्मियों को कैशलेस चिकित्सा समेत कई सुविधाएं मिलेंगी, मानदेय भी बढ़ेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारम्भ,(UPCOS) के पोर्टल एवं वेबसाइट की लांचिंग उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (UPCOS) के लोगों का अनावरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन लखनऊ से किया गया। जिसका लाइव प्रसारण विधायक श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह के साथ लोहिया कला भवन में देखा गया। इस अवसर पर विधायक श्यामधनी राही ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के शुभारम्भ हेतु मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए सभी लोगों को बधाई दिया। मुख्यमंत्री द्वारा आज उत्तर प्रदेश में आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारम्भ किया गया है। मुख्यमंत्री के संकल्पों को पूरा करने का दायित्व आप सभी का भी है। सभी लोग एक साथ मिलकर कार्य करें। जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या ने इस अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज आप सभी लोगो के लिए खुशी का दिन है।मुख्यमंत्री ने आप सभी के मानदेय में बढ़ोत्तरी करने के साथ सुरक्षा कबर भी दिया है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए और मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज आउटसोर्स निगम का गठन किया है। निगम बनने से समस्याओं का समाधान होगा। आप लोगों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही अन्य सुविधायें भी मिलेगी। इस अवसर पर विधायक श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा नगर पालिका कर्मचारियों को टूल किट एवं श्रम विभाग के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया।

इस दौरान गोविन्द माधव अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर,सांसद प्रतिनिधि एसपीअग्रवाल, अध्यक्ष नगर पंचायत बिस्कोहर अजय गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता अभिषेक पाल, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, पीडी अनिल कुमार, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, एवं अन्य संबधित अधिकारी/कर्मचारी व अन्य संबधित उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर : हाईवे पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, 2 की मौत, महिला समेत 2 गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र के मधुबेनिया चौराहे के पास बढ़या गांव के सामने हाईवे पर बुधवार दोपहर दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, दोनों बाइकों पर सवार महिला और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर ले जाया गया, जहां महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। बताया गया कि एक मोटरसाइकिल नेपाली थी, जिस पर चालक के अलावा एक अन्य युवक सवार था। दूसरी भारतीय बाइक पर चालक संजय कुमार के साथ उनकी पत्नी सुशीला सवार थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक नेपाली बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। इसी दौरान दोनों मोटरसाइकिलें आमने-सामने आ गई और जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों बाइक चालक सड़क पर जा गिरे और गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। नेपाली बाइक पर पीछे बैठे युवक के अलावा भारतीय बाइक पर सवार सुशील गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक भारतीय बाइक चालक की पहचान मोहाना थाना क्षेत्र के खलीलपुर टोला जगदीशपुर निवासी संजय (40) पुत्र हरखू के रूप में हुई है। बताया गया कि संजय अपनी पत्नी सुशीला (35) के साथ न्यायालय में किसी मुकदमे की तारीख देखने जा रहे थे। हादसे में घायल सुशीला को मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर में प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। वहीं, दूसरी नेपाली मोटरसाइकिल के चालक की भी हादसे में मौत हो गई। उसके साथ बाइक पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। नेपाली बाइक चालक और घायल युवक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही सदर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज भेजा। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिलों को मैजिक वाहन से सदर पुलिस दोनों मृतकों की पहचान कराने के साथ ही हादसे की जांच में जुटी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया है, हालांकि दुर्घटना की वास्तविक वजह पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह का कहना है कि दोनों शव पुलिस कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बारिश में सब्जी मंडी मे जलभराव की मार से बेहाल

नालियां चोक, कीचड़ और गंदगी के बीच सजी बेचने को मजबूर आढ़ती और किसान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नवीन कृषि मंडी परिसर में भारी बारिश के बाद जलभराव से किसानों और सब्जी कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। परिसर की सड़कों को छोड़कर अधिकांश हिस्से में पानी और कीचड़ फैला है। नालियों की समुचित सफाई न होने से जल निकासी नहीं हो पा रही है। ऐसे में आढ़तियों को सड़क पर सब्जियां रखकर कारोबार करना पड़ रहा है। मंडी परिसर में जगह-जगह गंदा पानी जमा है। कीचड़ के बीच सब्जियां रखने से उनके खराब होने का खतरा बना रहता है। वहीं ग्राहकों और किसानों को भी आने जाने में परेशानी हो रही है। जलभराव के कारण कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। सब्जी आढ़ती खलील भाई ने बताया कि कई महीनों से नालियों की ठीक से सफाई नहीं हुई है। बारिश से पहले नालियों की सफाई करा दी जाती तो पानी की निकासी आसानी से हो सकती थी। उन्होंने कहा कि गंदगी और कीचड़ के कारण दुकानदारी प्रभावित हो रही है। असलम ने बताया कि कई आढ़तियों ने सड़क तक अवैध कब्जा कर रखा है। इससे आवागमन में भी दिक्कत होती है। बारिश के बाद समस्या और बढ़ गई है।व्यापार मंडल के पदाधिकारी और सब्जी कारोबारी मनोज सिंह ने कहा कि व्यापारी मंडी समिति को नियमित रूप से टैक्स देते हैं। इसके बावजूद उन्हें जरूरी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जरूरत है।

इनकी भी सुनिए

वहीं मंडी सचिव अतुल मिश्रा ने बताया कि परिसर की नियमित सफाई कराई जाती है। बारिश के बाद नालियों की भी सफाई कराई जाएगी।

ललई सिंह यादव की मनाई गई जयंती, एकजुटता का दिया संदेश

फातिमा इंटर कॉलेज सेमरी में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। सेमरी स्थित फातिमा इंटर कॉलेज परिसर में समाजवादी चिंतक एवं जननेता ललई सिंह यादव की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर उनके जीवन, संघर्ष और विचारों को याद किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शारदा प्रसाद चौधरी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. नादिर सलाम मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक पुनीत कुमार गौतम रहे। कार्यक्रम की शुरुआत ललई सिंह यादव के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इस दौरान वक्ताओं ने उनके सामाजिक संघर्ष, विचारों और समाज में जागरूकता फैलाने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। आयोजक पुनीत कुमार गौतम ने ललई सिंह यादव के जीवन परिचय और उनके संघर्षों के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ललई सिंह यादव ने सामाजिक बराबरी और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठाई और लोगों को जागरूक करने का कार्य किया। मुख्य अतिथि शारदा प्रसाद चौधरी ने भी ललई सिंह यादव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और संगठित होकर समाज के विकास के लिए कार्य करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. नादिर सलाम ने ललई सिंह यादव के विचारों को याद करते हुए उनके संघर्षों से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम में फजलुर्रहमान, जफरुल्लाह, पंकज यादव, मुस्तफा पूर्व बीडीसी, कमलेश यादव, इलियास अहमद सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सामाजिक एकता, शिक्षा और जागरूकता को मजबूत करने पर जोर दिया।

तुलसीसदन में मुख्यमंत्री के शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया

बढ़े पारिश्रमिक से खिले आउटसोर्स कर्मचारियों के चेहरे, सामाजिक सुरक्षा का भी मिलेगा लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित लोक भवन सभागार में संपूर्ण आउटसोर्स मानव संसाधन प्रबंधन के डिजिटल एकीकरण के लिए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के लोगो, वेबसाइट एवं पोर्टल का शुभारंभ किया। इस दौरान आउटसोर्स कर्मचारियों को डेमो चेक भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद में तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में किया गया जिसका अवलोकन भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना, विधायक सदर प्रतिनिधि अरुण कुमार मौर्य, नगर पालिका परिषद बेल्हा अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल विक्रम सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद, ईओ नगर पालिका राकेश कुमार, सहायक श्रमायुक्त मो0 अब्बास, श्रम प्रर्वतन अधिकारी महेन्द्र सिंह, सभासद सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों द्वारा किया गया। आउटसोर्स कार्मिकों के लिए यह घोषणा की गई कि प्रत्येक माह की 5 तारीख के भीतर निश्चित रूप से मानदेय का भुगतान होगा। कोई भी आउटसोर्सिंग एजेंसी विभाग एवं उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम की सहमति के बिना किसी कर्मचारी को नहीं हटा सकेगी।आउटसोर्स कर्मचारियों को ईएसआई के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।आउटसोर्स सेवा निगम और स्टेट बैंक के बीच हुए एमओयू के माध्यम से कर्मचारियों को निर्धारित वेतनमान के आधार पर दुर्घटना बीमा कवर प्रदान किया जाएगा। दुर्घटना या आपदा की स्थिति में कर्मचारी के परिवार को 20 लाख से लेकर 40-50 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा कवर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।कर्मचारी के पुत्र की शिक्षा के लिए 8 लाख रुपये तक, पुत्री की शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक तथा दो पुत्रियों के विवाह के लिए 8 से 10 लाख रुपये तक सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। कर्मचारी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु होने पर उसके परिवार को बैंक के माध्यम से 50 हजार रुपये की तत्काल सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसी प्रकार अन्य घोषणायें भी गयी। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री की पहल को ऐतिहासिक बताते हुए आउटसोर्स कर्मचारियों को बधाई दी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना ने कहा कि उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का पोर्टल कर्मचारियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। विधायक सदर प्रतिनिधि अरुण कुमार मौर्य और नगर पालिका परिषद बेल्हा अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल विक्रम सिंह ने भी मुख्यमंत्री की पहल की सराहना की।

भाजपा मंडल की बैठक में बूथ समितियों के सत्यापन पर चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटवा (सिद्धार्थनगर)। विधानसभा क्षेत्र इटवा में भाजपा मण्डल इटवा के बूथ सत्यापन की बैठक बुधवार को भाजपा कार्यालय इटवा में पूर्व मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसके मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा शिवनाथ चौधरी रहे । पिछड़ा वर्ग मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी ने प्रत्येक शक्ति केंद्र पर दो दिन के भीतर बूथ समितियों का सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती ही पार्टी की सफलता का आधार है। कार्यकर्ताओं को कमल के फूल को प्रत्याशी मानकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है और बूथ समिति उसकी महत्वपूर्ण कड़ी है। अभियान संयोजक राकेश मिश्रा तथा सह संयोजक रामजी मौर्य और राम निवास विश्वकर्मा ने सत्यापन अभियान की कार्ययोजना और जिम्मेदारियों की जानकारी दी। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष विकास जायसवाल , जिला पंचायत सदस्य प्रदीप कसौधन, मण्डल अध्यक्ष कन्हैया लाल विश्वकर्मा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष एवं नमित सभासद दीप नारायण तिवारी सहित बूथ संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे । उधर नगर पंचायत बिस्कोहर कार्यालय सभागार में बूथ सत्यापन हेतु महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने, मंडल स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा आगामी कार्ययोजनाओं के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई । बैठक में मुख्य अतिथि जिला महामंत्री फूलचन्द जायसवाल रहे । इस दौरान पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी,बैठक की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष कुंवर मिश्रा ने किया रामनरेश पासवान, अशोक अग्रहरि, अशोक गुप्ता, जेपी पांडेय, शत्रुघ्न पाण्डेय ,शिवजी तिवारी, डॉ. राजमणि दुबे, जसवंत सिंह, नितिन प्रताप सिंह, मनीराम प्रजापति, नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता , कांति चौहान, माया चौधरी, कन्हैया वरुण आदि उपस्थित रहे।

पुत्र की दीर्घायु की कामना के लिए महिलाओं ने किया हल षष्ठी पर्व पर पूजा

सिद्धार्थनगर। हल षष्ठी पर्व भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम जी के जन्मोत्सव और संतान की लंबी उम्र व स्वास्थ्य के लिए माताओं द्वारा रखा जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है। बुधवार को यह पर्व उसका बाजार कस्बा सहित समूचे क्षेत्र में केवटलिया, सुगही, उसका राजा आदि में पारंपरिक तरीके से हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। महिलाओं और बच्चों ने तिन्नी का चावल, भैंस का दही, महुआ के दातुन एवं पत्ते का प्रयोग करके त्योहार मनाया। पुत्रवती माताओं द्वारा बच्चों के माथे पर टीका लगाकर दीर्घायु की कामना किया गया।

नैय्या नाले में उफान से कई गांव जलमग्न, पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने बाढ़ प्रभावितों का जाना हाल

महराजगंज, रायबरेली। नैय्या नाले में आए उफान के चलते महराजगंज क्षेत्र के कई तटीय गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है। गांवों में जलभराव के कारण ग्रामीणों को आवागमन समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त होने के बीच सोमवार को पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर जमीनी हालात का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें राहत सामग्री उपलब्ध कराई। पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने मोन गांव के जियापुर, लालगंज, कोड़री गंज समेत कई जलमग्न गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों का हालचाल जाना। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों से उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाते हुए राशन सामग्री और आवश्यक दवाइयों की किट वितरित की। ग्रामीणों ने पूर्व विधायक को बाढ़ के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि जलभराव के चलते दैनिक जरूरतों की वस्तुओं के साथ-साथ आवागमन और स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें भी बढ़ गई हैं। पूर्व विधायक ने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में वह उनके साथ खड़े हैं और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। राहत वितरण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भी सहयोग किया। पूर्व विधायक के साथ मोन गांव के पूर्व प्रधान माताफेर सिंह, जनई प्रधान बिल्ला सिंह, राम लखन यादव, राम केवल और बिंदू यादव समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं महिलाएं मौजूद रहीं। ग्रामीणों ने राहत सामग्री और दवाइयां मिलने पर राहत की सांस ली।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के विरोध में कांग्रेस का जोरदार विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। उत्तराखंड के हल्द्वानी में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त कराने की मांग को लेकर बुधवार को प्रतापगढ़ में कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में अंबेडकर चौराहे पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन में पदाधिकारी,कार्यकर्ता और समर्थक हाथों में कांग्रेस के झंडे और तख्तियां लिए राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की।इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि राहुल गांधी उन करोड़ों लोगों की आवाज है जिन्हें लंबे समय से सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय से वंचित रखा गया है, जब भी वे दलित, पिछड़े, आदिवासी, गरीब और वंचित समाज के अधिकारों की बात करते हैं भाजपा सरकार और उसके नेता उन्हें डराने और उनकी आवाज को दबाने का प्रयास करते हैं, भाजपा ध्यान भटकाने के लिए राहुल गांधी पर हर जगह मुकदमा दर्ज कराती है,लेकिन राहुल गांधी बिना डरे सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ते रहेंगे द्यनिवर्तमान प्रदेश सचिव बृजेंद्र मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी के अपमान और जातिवादी छुआछूत के मामले में 20 दिन बीत जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, इससे यह प्रतीत होता है कि भाजपा सरकार तानाशाही पर उतारू है।इस अवसर पर मुख्य रूप से वेदांत तिवारी,प्रेम शंकर द्विवेदी, राम शिरोमणि वर्मा, विजय शंकर त्रिपाठी, मासूम हैदर,मोहम्मद इश्तियाक ,इंद्रजीत तिवारी, मौलाना वाहिद, प्रशांत सिंह प्रिंशु,सुनीता सिंह पटेल, सरोज कश्यप, राम रतन तिवारी, सुभाष तिवारी, रामकुमार पटेल, शुभम मिश्रा सुरेश कुमार सरोज,मोहम्मद वसीम, विमल सिंह, अरविंद तिवारी,श्रीराम वर्मा, शुभम मिश्रा,राजेन्द्र वर्मा, संतोष कुमार शर्मा, ओमप्रकाश सरोज, हरिश्चंद्र सरोज, मोहम्मद हुजैफ, भवानी शंकर दुबे, संतोष यादव, कुलदीप मिश्रा, मोहम्मद शब्बीर, अश्वनी उपाध्याय, अंजनी पांडेय, फतेह बहादुर सिंह, धर्मराज सिंह,मो. दिलशाद, पृथ्वीराज गौतम, सुशांत मिश्रा, अनिल मौर्य, मोहम्मद कासिम, अश्वनी सिंह, राजकुमार सिंह, सूरज कुमार सरोज, हिमांशु गुप्ता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

चार शवों को नदी से निकालने वाले एसएसबी अधिकारी अरुण कुमार पांडेय सम्मानित

नेपाल की बाढ़ में राहत-बचाव अभियान का किया नेतृत्व, चार शवों को कराया बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। पट्टी क्षेत्र के जलालपुर उड़ैयाडीह निवासी अरुण कुमार पांडेय ने नेपाल में आई भीषण बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में उल्लेखनीय भूमिका निभाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के दौरान भारत-नेपाल सीमा पर राहत एवं बचाव अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने वाले एसएसबी की 22वीं वाहिनी के निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनके नेतृत्व में एसएसबी की त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने बाढ़ प्रभावित गंडक नदी क्षेत्र में अभियान चलाकर चार शवों को बरामद किया।निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय के निर्देशन में जवानों ने संवेदनशील नदी क्षेत्रों में अभियान चलाया और प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी बनाए रखी। बचाव अभियान के दौरान चार शवों को नदी क्षेत्र से निकालकर सुरक्षित बाहर लाया गया।गंडक नदी और आसपास के संवेदनशील इलाकों में दूरबीन के जरिए निगरानी रखी जा रही है।अरुण कुमार पांडेय के कार्य की सराहना करते हुए अधिकारियों ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। अधिकारियों ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए बल पूरी तरह मुस्तैद है।

संक्षिप्त खबरें

बारिश से दीवाल गिरने से गर्भवती महिला की हुई मौत

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर थाना क्षेत्र के पंदनी गांव में लगातार हो रही बारिश के कारण दीवार गिरने उसमें दबने से लीलावती देवी (26) नामक एक गर्भवती महिला की मौत हो गई है जबकी उनका पति शंकर राय गंभीर रूप से घायल है, घायल का इलाज धनबाद में हो रहा है। मिली जानकारी के अनुसार दो तीन दिनों से क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है। मंगलवार रात को पति पत्नी अपने घर में सोए हुए थे। रात्रि करीब बारह बजे घर का मिट्टी का दिवाल भरभराकर गिर गया और उसमें पति पत्नी जब गए। शोरगुल सुनकर आस पास के लोग जमा हुए तथा पति पत्नी को उपचार के लिए धनबाद भेजा गया। धनबाद में चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया और घायल शंकर राय का उपचार हो रहा है।

धर्म के राजनीतिक इस्तेमाल से जनमुद्दे हो रहे गौणः भुनेश्वर यादव

बरही, झारखंडः- बरही के सामाजिक कार्यकर्ता सह पूर्व बरही विधानसभा प्रत्याशी भुनेश्वर यादव ने धर्म के राजनीतिक इस्तेमाल और वर्तमान राजनीति में जनमुद्दों की अनदेखी पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि धर्म अपने आप में निर्मल और पवित्र है, लेकिन आज धर्म का इस्तेमाल कुछ लोग अपने स्वार्थ और राजनीतिक लाभ के लिए कर रहे हैं। भुनेश्वर यादव ने कहा कि धर्म के निर्मल सागर में ऐसे लोग मौजूद हैं, जो सार्वजनिक मंचों से नीति, सिद्धांत और संस्कार की बातें करते हैं, लेकिन अपने निजी स्वार्थ और भोग-विलास की लालसा में इन्हीं मूल्यों को ताक पर रख देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म का राजनीतिक इस्तेमाल कर अपना हित साधने और वैध-अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे वास्तविक जनमुद्दे गौण होते जा रहे हैं, जो वर्तमान राजनीति में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे अपने भविष्य के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को लेकर जागरूक और सजग हों तथा यह तय करें कि आने वाला समाज और राजनीति किस दिशा में जाएगी।

बन्नोग्राम पंचायत के विभिन्न गाँवों में MMDR कानून के खिलाफ किया गया जन जागरण अभियान

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्डः- केंद्र सरकार द्वारा लाए गए MMDR कानून के विरोध में जन जागरण अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व पर्यवेक्षक सह केंद्रीय कमेटी सदस्या उपासना मरांडी ने किया। जन जागरण अभियान के क्रम में मंगलवार को उपासना मरांडी ने, ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के इस कानून के कारण, राज्य सरकार को आर्थिक क्षति हो सकती है जिसका प्रभाव झारखंड सरकार द्वारा संचालित, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने लोगों से MMDR कानून के विरोध में लोकतांत्रिक,तरीकों से जनजागरण एवं धरना-प्रदर्शन द्वारा करने की अपील की। इस दौरान कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए,'केंद्र सरकार होश में आओ' और 'काला कानून वापस लो' जैसे नारे लगाए।

चिराग पासवान को धमकी से हड़कंप, डीजीपी से मिले लोजपा नेता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पार्टी ने गंभीर चिंता जताई है। बुधवार को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से मुलाकात कर मामले की गंभीरता से जांच कराने और चिराग पासवान की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी को पत्र सौंपकर धमकी देने वाले व्यक्ति या लोगों की जल्द पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पार्टी नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस तरह की धमकी मिलना गंभीर एवं चिंताजनक घटना है। ऐसे में उनकी सुरक्षा की तत्काल समीक्षा किया जाना आवश्यक है। नेताओं ने चिराग पासवान को पर्याप्त और पुख्ता सुरक्षा उपलब्ध कराने का आग्रह करते हुए कहा कि धमकी के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। दोषियों की जल्द पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई जरूरी है।

25 वर्षों की सेवा के बाद भी सम्मान और सुविधाओं से वंचित सहायक अध्यापक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड। झारखंड के सहायक अध्यापकों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का मुद्दा एक बार फिर जोर पकड़ रहा है। सहायक अध्यापकों का कहना है कि वे करीब 25 वर्षों से राज्य की शिक्षा व्यवस्था के साथ-साथ सरकार के विभिन्न कार्यों में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अपेक्षित सम्मान, सुविधाएं और वेतनमान नहीं मिल सका है। सहायक अध्यापकों का आरोप है कि सरकारें बदलती रहीं और घोषणाएं होती रहीं, लेकिन उनकी मूल समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। उनका कहना है कि झारखंड के मूलवासी, आदिवासी और स्थानीय सहायक अध्यापक आज भी आर्थिक असुरक्षा और सुविधाओं की कमी का सामना कर रहे हैं।

मेडिकल और शैक्षणिक सुविधाओं की मांग

सहायक अध्यापकों ने कहा कि उन्हें मेडिकल सुविधा समेत कई ऐसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जिनकी लंबे समय से शिक्षा व्यवस्था में योगदान देने वाले शिक्षकों को जरूरत है। सीमित आय में परिवार चलाना, बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना, बीमारी के समय इलाज कराना और अन्य पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कई सहायक अध्यापक बेटियों की शादी जैसी पारिवारिक जिम्मेदारियां पूरी करने के लिए जमीन तक बेचने को मजबूर हो रहे हैं।

शिक्षक दिवस पर वेतनमान की घोषणा की मांग

सहायक अध्यापकों ने राज्य सरकार से मांग की है कि शिक्षक दिवस को केवल औपचारिक शुभकामनाओं तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इस अवसर पर उनके हित में ठोस निर्णय लिया जाए। उन्होंने वेतनमान, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

रामावतार प्रजापति ने जताई नाराजगी

सहायक अध्यापक रामावतार प्रजापति ने कहा कि शिक्षक दिवस शिक्षकों के सम्मान का दिन है, लेकिन सहायक अध्यापकों के लिए यह अपनी समस्याएं सरकार तक पहुंचाने का अवसर भी है। वर्षों तक निष्ठा के साथ बच्चों को शिक्षा देने और सरकार के निर्देशों का पालन करने के बावजूद उन्हें अपेक्षित सम्मान और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने सरकार से वेतनमान लागू करने की दिशा में ठोस निर्णय लेने की मांग की।

सीताराम यादव ने आर्थिक असुरक्षा का मुद्दा उठाया

सहायक अध्यापक सीताराम यादव ने कहा कि वर्षों की सेवा के बाद भी सहायक अध्यापक आर्थिक असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और विभागीय कार्यों को धरातल पर उतारने में सहायक अध्यापक लगातार भूमिका निभाते रहे हैं, लेकिन उनकी अपनी समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हुआ है।

बच्चू कुमार राणा ने अधिकार और सम्मान का विषय बताया

राज्य पीओ बच्चू कुमार राणा ने कहा कि सहायक अध्यापक लंबे समय से शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनकी समस्याओं को केवल मांग नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान से जुड़े विषय के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षक दिवस पर वेतनमान, मेडिकल सुविधा और अन्य आवश्यक लाभों को लेकर सकारात्मक पहल की अपील की। सहायक अध्यापकों का कहना है कि अब वे केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस निर्णय की उम्मीद कर रहे हैं। उनका कहना है कि सम्मानजनक वेतनमान और आवश्यक सुविधाएं मिलने से वे आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर बच्चों के बेहतर भविष्य पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

आजादी के दशकों बाद भी सड़क से महरूम डपोक के ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखंड के डपोक पंचायत के कई गांव आजादी के दशकों बाद भी पक्की सड़क की बाट जोह रहे हैं। ग्रामीणों की परेशानी का आलम यह है कि कई स्थानों पर उन्होंने खुद श्रमदान कर कच्चे रास्ते बनाए हैं और उन्हीं के सहारे आवागमन करने को मजबूर हैं। मंगलवार को हुई तेज बारिश के कारण डपोक पंचायत के पिपराटांड़ गांव में श्रमदान से बनाया गया रास्ता बह गया, जिससे कई गांवों का आवागमन प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत क्षेत्र में कई ऐसे रास्ते हैं, जिनका अब तक स्थायी निर्माण नहीं हो सका है। बरसात के दिनों में इन रास्तों की स्थिति और भी खराब हो जाती है। रास्ता बह जाने के बाद जगह-जगह कीचड़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, मरीजों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले लोगों को उठानी पड़ रही है। स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास ने बताया कि सड़क निर्माण को लेकर ग्रामसभा हो चुकी है और इसका डीपीआर भी तैयार हो चुका है। उन्होंने बताया कि जेई सहित विभाग के पदाधिकारी भी स्थल निरीक्षण कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हुई है। बारिश में रास्ता बह जाने के बाद समस्या और गंभीर हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से क्षतिग्रस्त रास्ते की तत्काल मरम्मत कराने के साथ-साथ पंचायत के अन्य जर्जर एवं कच्चे रास्तों का भी स्थायी निर्माण कराने की मांग की है। सड़क निर्माण की मांग करने वालों में सुनील ठाकुर, संतोष ठाकुर, मुकेश ठाकुर, नरेश ठाकुर, रोहित ठाकुर, मनोज ठाकुर, दिलीप ठाकुर, मणिलाल ठाकुर, हेमलाल ठाकुर, हीरालाल ठाकुर, मनोज यादव, अजय यादव, ब्रह्देव यादव समेत अन्य ग्रामीण शामिल हैं।

जन्मदिन पर साक्षी ने विद्यालय को भेंट किया पौधा, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- एनवाईएस इंटरनेशनल एकेडमी, बसरिया में कक्षा 5 की छात्रा साक्षी कुमारी ने अपना जन्मदिन अनोखे और पर्यावरण हितैषी अंदाज में मनाकर सभी का दिल जीत लिया। जन्मदिन पर उपहार लेने के बजाय साक्षी ने विद्यालय को एक पौधा भेंट किया। उसकी इस पहल ने प्रकृति के प्रति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जन्मदिन पर विद्यालय को भेंट किया पौधा

विद्यालय परिसर में आयोजित जन्मदिन समारोह में साक्षी ने केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। इसके बाद विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से पौधा भेंट किया। छात्रा की इस पहल की विद्यालय परिवार ने सराहना की।

संस्थापक ने बताया प्रेरणादायक पहल

विद्यालय के संस्थापक राजकुमार ठाकुर ने साक्षी की पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि जन्मदिन पर पौधा भेंट करना आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने कहा कि साक्षी की पहल अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। विद्यालय की प्राचार्या दीपशिखा मिश्रा ने छात्रा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों से विशेष अवसरों पर पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की।

आयुष विभाग की कार्यप्रणाली पर एचएमएआई ने उठाए सवाल, समय पर वेतन-दवा और बीमा की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड। झारखंड स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित आयुष विभाग की कार्यप्रणाली और आयुष चिकित्सकों की समस्याओं को लेकर द होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएमएआई), हजारीबाग इकाई ने चिंता जताई है। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डॉ. गणेश शंकर ने सरकार से आयुष व्यवस्था को मजबूत करने के लिए चिकित्सकों की समस्याओं का समाधान करने के साथ पर्याप्त दवाएं और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। डॉ. शंकर ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से करीब 545 आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) की नियुक्ति की गई है, लेकिन समय पर वेतन नहीं मिलने की शिकायतें सामने आती रही हैं। कई बार चिकित्सकों को महीनों तक वेतन का इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने वेतन भुगतान की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाने की मांग की।

दवाओं की नियमित आपूर्ति की मांग

एचएमएआई ने कहा कि कई स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी होम्योपैथिक औषधालयों में आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है। डॉ. शंकर ने कहा कि केवल चिकित्सकों की नियुक्ति और औषधालय खोलना पर्याप्त नहीं है। स्वास्थ्य केंद्रों पर जरूरी दवाएं, उपकरण और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। उन्होंने होम्योपैथिक दवाओं के लिए पर्याप्त बजट और नियमित आपूर्ति की मांग की। एसोसिएशन ने आयुष सीएचओ के वेतन भुगतान और लंबे समय से कार्यरत चिकित्सकों की वेतनवृद्धि में देरी का मुद्दा भी उठाया। डॉ. शंकर के अनुसार, राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत केंद्र से राशि मिलने के बावजूद राज्य स्तर पर प्रक्रिया में देरी के कारण चिकित्सकों को परेशानी होती है। उन्होंने प्रक्रिया को समयबद्ध करने की मांग की। एचएमएआई ने आयुष सीएचओ के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा की सुविधा लागू करने की मांग की। डॉ. शंकर ने कहा कि सीएचओ स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मियों की तरह स्वास्थ्य सुरक्षा और बीमा सुविधा मिलनी चाहिए।

एसोसिएशन ने आयुष सीएचओ के पदनाम को मेडिकल ऑफिसर करने की मांग भी उठाई। डॉ. शंकर ने कहा कि इस संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर पहल हो चुकी है। उन्होंने झारखंड में भी आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कर पदनाम परिवर्तन का आदेश जारी करने की मांग की।

जेपीएससी से नियमित नियुक्ति की अपील

एचएमएआई ने सरकारी आयुष स्वास्थ्य केंद्रों और होम्योपैथिक औषधालयों में रिक्त पदों को भरने के लिए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षा आयोजित कर होम्योपैथिक एवं अन्य आयुष चिकित्सकों की नियमित नियुक्ति करने की मांग की। डॉ. शंकर ने कहा कि कई स्थानों पर चिकित्सकों के पद रिक्त हैं। नियमित नियुक्ति से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में आयुष चिकित्सा सेवाओं को मजबूती मिलेगी।

हजारीबाग में राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल की मांग

एसोसिएशन ने हजारीबाग में झारखंड का पहला राजकीय होम्योपैथिक/आयुष अस्पताल स्थापित करने की मांग की है। डॉ. शंकर ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग होम्योपैथी का उपयोग करते हैं, लेकिन सरकारी व्यवस्था में इसे अस्पताल स्तर तक पर्याप्त विस्तार नहीं मिल पाया है। प्रस्तावित अस्पताल में बाह्य रोगी विभाग, भर्ती सुविधा, औषधालय, जांच समेत आवश्यक चिकित्सा सेवाएं विकसित करने की मांग की गई। डॉ. गणेश शंकर ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य किसी व्यक्ति या अधिकारी की आलोचना करना नहीं, बल्कि राज्य की आयुष एवं होम्योपैथिक चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने सरकार से चिकित्सकों को समय पर वेतन, उचित वेतनवृद्धि, स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा, पर्याप्त दवाएं, उपकरण और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की अपील की।

चौपारण थाना का एसपी ने किया निरीक्षण, अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक ने बुधवार को चौपारण थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना की कार्यप्रणाली, अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों, वारंट एवं कुर्की से संबंधित मामलों की समीक्षा की और पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान बरही के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर, बरही अंचल के पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार, चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने थाना में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न संचिकाओं का जायजा लिया। उन्होंने लंबित कांडों, वारंट तथा कुर्की से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को इनके शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। थाना क्षेत्र में फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष अभियान चलाने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। मादक पदार्थ से संबंधित लंबित मामलों में फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा नशे के खिलाफ आम लोगों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। साथ ही चौपारण क्षेत्र में अफीम की अवैध खेती पर पूर्णतः रोक लगाने के लिए थाना प्रभारी एवं संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान एनएच पर लगातार पेट्रोलिंग जारी रखने पर भी जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नियमित गश्त के माध्यम से लूट, चोरी, डकैती समेत अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए। साथ ही सड़क जाम की स्थिति में आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने क्षेत्र में अवैध बालू, कोयला, पशु तथा अन्य प्रकार की तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने को कहा। इसके अलावा क्षेत्र में शांतिपूर्ण विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आम जनता एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय और संबंध बनाए रखने पर भी बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने चौपारण थाना में अनुसंधान के लिए लंबित सभी कांडों की समीक्षा कर उनके त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, मादक पदार्थों की रोकथाम और तस्करी के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

दनुआ घाटी में जल्द बनेगा फ्लाईओवर, एनएचएआई की टेस्टिंग को मिली हरी झंडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- दनुआ घाटी जो आए दिन होने वाले भीषण हादसों के कारण लंबे समय से मौत की घाटी के रूप में बदनाम रही है, अब जल्द ही हादसों से मुक्त और सुरक्षित नजर आएगी। बरही विधायक मनोज कुमार यादव की लगातार की जा रही पहल के बाद इस दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल हुई है।।दरअसल, कुछ महीने पहले विधायक ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर दनुआ घाटी की खतरनाक भौगोलिक बनावट, तीखे मोड़ों और भारी वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं से अवगत कराया था और फ्लाईओभर निर्माण की मांग रखी थी। मंत्री के आदेशनुसार एनएचआई ने इस दिशा में पहल शुरू किया था। इस संदर्भ में बरही विधायक ने जानकारी देते हुए बताया क एनएचएआई द्वारा की जा रही टेस्टिंग और तकनीकी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तथा टेस्टिंग रिपोर्ट को हरि झंडी मिल गया है। बताया कि पहला फ्लाईओवर लगभग 2 किलोमीटर लंबा होगा और दूसरा फ्लाईओवर, लगभग 2.5 किलोमीटर लंबा होगा।।योजना की डीपीआर तैयार कर आगे भेज दी गई है। वर्तमान में वन विभाग और वाइल्डलाइफ से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सभी जरूरी प्रशासनिक व पर्यावरणीय स्वीकृतियां मिलते ही निर्माण कार्य धरातल पर शुरू कर दिया जाएगा। इन दोनों फ्लाईओवर के निर्माण से दनुआ घाटी दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा। विधायक ने कहा कि इस योजना को धरातल पर लाने में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल जी सराहनीय योगदान है।

अभियान चलाकर ग्रामीणों को दी कानूनी सहायता व सरकारी योजनाओं की जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) जामताड़ा के सचिव पवन कुमार के मार्गदर्शन में बुधवार को नारायणपुर प्रखंड के बुधुडीह,दुलाडीह, पाबिया समेत विभिन्न गांवों में पेरा लीगल वॉलिंटियर (पीएलवी) द्वारा डोर-टू-डोर जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को मुफ्त कानूनी सहायता,सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तथा उनके अधिकारों की जानकारी दी गई।पाबिया गांव में पीएलवी प्रदीप कु रजक एवं विजय कु मंडल ने ग्रामीणों से संपर्क कर निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। साथ ही बाल विवाह से होने वाले सामाजिक, कानूनी एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया। वहीं दुलाडीह गांव में पीएलवी मो.फिरोज अंसारी एवं सद्दाम अंसारी ने ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।बुधुडीह में पीएलवी शहादत अली ने बारिश से प्रभावित परिवारों को सुरक्षा के प्रति सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बारिश से हुए नुकसान की सूचना संबंधित कर्मियों एवं जनप्रतिनिधियों को दें तथा क्षतिपूर्ति के लिए संबंधित कार्यालय में आवेदन करें,ताकि नुकसान की जांच कर उचित कार्रवाई हो सके।अभियान के दौरान अंकुर प्रसाद यादव,दिलीप यादव,वार्ड सदस्य गौरीशंकर यादव राहुल बावरी,राजेश बावरी समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रशांत किशोर ने डस्टबिन घोटाले पर मंगल पांडेय और तेजस्वी को घेरा

पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने डस्टबिन खरीद मामले को लेकर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के साथ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को भी घेरा। उन्होंने कहा कि डस्टबिन की खरीद की प्रक्रिया तेजस्वी यादव के स्वास्थ्य मंत्री रहते शुरू हुई थी। ऐसे में इस मामले में मंगल पांडेय के साथ तेजस्वी यादव की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। प्रशांत किशोर ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच से ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। प्रशांत किशोर ने दिल्ली में बिहार सरकार के एक मंत्री के साथ कथित मारपीट की घटना को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। कहा कि सुनने में आ रहा है कि एक मंत्री पर दिल्ली में एक लड़की से छेड़खानी का आरोप लगा और इसी वजह से उनके साथ जूता-चप्पल से मारपीट की गई। प्रशांत किशोर ने कहा कि जब सरकार के मुखिया का चरित्र ही दागदार और अपराधी बताया जाता है, तो मंत्री, विधायक, अधिकारी और व्यवस्था से जुड़े लोगों के बारे में भी ऐसी घटनाएं सुनने को मिलती रहेंगी।

धनबाद रोड सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की बैठक आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- धनबाद रोड सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को भव्य, आकर्षक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने को लेकर आवश्यक तैयारियों और व्यवस्थाओं पर चर्चा करना रहा। बैठक की अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर ने की। बैठक के दौरान पूजा आयोजन को लेकर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए पूजा की जिम्मेदारियां अलग-अलग सदस्यों को सौंपीं। समिति के सदस्यों ने कहा कि इस वर्ष दुर्गा पूजा को बेहतर तरीके से आयोजित करने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से नवलकिशोर सिंह को अध्यक्ष, संजय केशरी को सचिव, छोटन स्वर्णकार, नागेश्वर ठाकुर, महेश केशरी, अवधेश सिंह को महासचिव, राजेश कुमार को कोषाध्यक्ष, अमित केशरी को सह-कोषाध्यक्ष, अनिल केशरी, पंकज वर्णवाल, छोटू मधेशिया एवं मनोज उपाध्याय को उपाध्यक्ष चुना गया। वहीं, समिति के संरक्षक के रूप में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, विनय साव, बलराम केशरी, अनुज साव, बिपिन सिन्हा, रमेश प्रसाद केशरी, शिबू केशरी, नागेश्वर ठाकुर का चयन किया गया। बैठक में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समिति की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभाने का संकल्प लिया। समिति के अध्यक्ष नवलकिशोर सिंह ने कहा कि दुर्गा पूजा क्षेत्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। इसे लेकर स्थानीय लोगों के सहयोग से पूजा पंडाल, सजावट, प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा समेत अन्य तैयारियों को समय पर पूरा किया जाएगा। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने आपसी सहयोग एवं एकजुटता के साथ दुर्गा पूजा को सफल बनाने का संकल्प लिया। मौके पर स्थानीय लोग मौजूद थे।

75 लाख की संपत्ति बिक्री की जानकारी के बाद लूट की साजिश का पुलिस का दावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। रोहिणी के सेक्टर-3 में घर में लूटपाट के दौरान करीब 60 वर्षीय राकेश खन्ना की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस ने मृतक की भांजी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, वारदात की साजिश मृतक की भांजी सिमरन तनेजा ने अपने परिचितों के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने मामले में करीब 72,400 रुपये नकद और दो सोने की अंगूठियां बरामद करने की बात कही है। एक अन्य आरोपी हिमांशु अभी फरार है। पुलिस का दावा है कि राकेश खन्ना ने हाल में अपनी एक संपत्ति करीब 75 लाख रुपये में बेची थी। इसी के बारे में जानकारी मिलने के बाद सिमरन ने कथित तौर पर अपने परिचित हिमांशु के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, वारदात से पहले आरोपियों ने 30 अगस्त को घर की रेकी की थी और उस दिन भी वारदात की कोशिश की गई थी, लेकिन वे सफल नहीं हुए। पुलिस

के मुताबिक, एक सितंबर की शाम सिमरन ने कथित तौर पर मृतक की पत्नी और अपनी मां को पश्चिम विहार स्थित एक मेले में भेज दिया। इसके बाद वह अपने मामा के घर वापस आई। पुलिस का आरोप है कि सिमरन ने ही दरवाजा खुलवाया, जिसके बाद हेलमेट, टोपी और मास्क पहने उसके साथी घर में दाखिल हुए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपियों ने राकेश खन्ना को काबू किया और उनका मुंह दबाया। इसके बाद वह बेहोश हो गए। उन्हें परिजन जयपुर गोल्डन अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि, मौत के वास्तविक कारण और पूरे घटनाक्रम की पुष्टि के लिए पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना एक सितंबर की रात करीब 8:14 बजे मिली थी। सूचना घर में चोरी और एक व्यक्ति के बेहोश होने के संबंध में थी। इसके बाद स्थानीय पुलिस, एफएसएल और क्राइम टीम ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस ने सिमरन तनेजा (23), चिराग (22) और पारस (19) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, सिमरन बुराड़ी की रहने वाली है और प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका है। चिराग बाबा कॉलोनी, बुराड़ी में जिम ट्रेनर है, जबकि पारस 12वीं कक्षा का छात्र है। पुलिस का कहना है कि पारस पहले भी मुखर्जी नगर थाने में दर्ज एक मामले में शामिल रहा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की निशानदेही पर करीब 72,400 रुपये नकद और दो सोने की अंगूठियां बरामद की गई हैं। पुलिस अब फरार आरोपी हिमांशु की तलाश कर रही है। दक्षिण रोहिणी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 309(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और आरोपियों की भूमिका, बरामदगी तथा राकेश खन्ना की मौत की परिस्थितियों की विस्तृत जांच की जा रही है।

खन्ना में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, केमिस्ट गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना, लुधियाना- पंजाब सरकार की 'युद्ध नशों के विरुद्ध' मुहिम के तहत पुलिस जिला खन्ना में एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया के नेतृत्व में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई की गई है। गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब के नजदीक मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीली दवाइयां बेचने के आरोप में खन्ना पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 460 प्रतिबंधित प्रेगाबालिन 300 एमजी कैप्सूल बरामद किए। कार्रवाई के बाद मेडिकल स्टोर को भी सील कर दिया गया। इसपुलिस ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीली या प्रतिबंधित दवाइयां बेचने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। खन्ना पुलिस द्वारा अन्य विभागों के साथ तालमेल कर ऐसे स्टोरों और नशीली दवाइयों की अवैध बिक्री पर भी लगातार नजर रखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, ड्रग इंस्पेक्टर संदीप कौशिक के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने खन्ना पुलिस के सहयोग से ग्रेवाल मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। जांच के दौरान प्रेगाबालिन 300 एमजी के कुल 460

कैप्सूल बरामद हुए। इन दवाइयों की बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड मांगे जाने पर केमिस्ट कोई संतोषजनक रिकॉर्ड पेश नहीं कर सका। पुलिस ने मौके पर केमिस्ट रछपाल सिंह निवासी गांव कोट पानेच, वर्तमान निवासी गुरु हरिकृष्ण नगर, खन्ना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से 460 कैप्सूल के अलावा 16,500 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की गई। इसके बाद मेडिकल स्टोर को तुरंत सील कर दिया गया और अगले आदेश तक स्टोर बंद रहेगा। ड्रग इंस्पेक्टर डॉ. संदीप कौशिक ने बताया कि रछपाल सिंह का पिछला आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। उनके अनुसार, 12 अगस्त 2023 को उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था, जिसमें नशीली दवाइयां बरामद हुई थीं। इस मामले में वह करीब चार महीने लुधियाना जेल में रहा और 8 दिसंबर 2023 को रिहा हुआ था। अब दोबारा नशीली दवाइयां बेचने संबंधी शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। डॉ. संदीप कौशिक ने कहा कि आरोपी के मेडिकल स्टोर का लाइसेंस रद्द करने के लिए भी विभाग द्वारा कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जो भी मेडिकल स्टोर संचालक नियमों का उल्लंघन कर प्रतिबंधित दवाइयों को नशे के तौर पर बेच रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने कहा कि नशे के खिलाफ खन्ना पुलिस की जंग लगातार जारी रहेगी। नशा बेचने वाले किसी भी तरीके से अपना अवैध कारोबार चलाने की कोशिश करें, लेकिन वे कानून की गिरफ्त से नहीं बच सकते। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इस मौके पर स्पेशल ब्रांच के इंचार्ज जरनैल सिंह, सदर थाना एसएचओ पवित्र सिंह और महिला सब-इंस्पेक्टर जसप्रीत कौर सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

चंडीगढ़ में बिक्री के लिए लाई गई 90 पेटी शराब बरामद

बरनाला। नशे और अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरनाला पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने प्रेम नगर में छापेमारी कर चंडीगढ़ में बिक्री के लिए लाई गई 90 पेटी शराब बरामद की है। डिप्टी कमिश्नर (आबकारी), फिरोजपुर के दिशा-निर्देश और सहायक कमिश्नर (आबकारी), संगरूर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। आबकारी निरीक्षक दविंदर सिंह और राजेश कुमार के नेतृत्व में आबकारी पुलिस टीम ने जिला पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान रवि कुमार उर्फ गब्बर पुत्र कमल कुमार और सोनिया रानी पत्नी रवि कुमार मौके से फरार हो गए। टीम ने मौके से एक क्रूज कार, दो मोटरसाइकिल और एक एक्टिवा भी बरामद की। मामले में थाना सिटी-2 बरनाला में प्राथमिकी संख्या 347, दिनांक 31 अगस्त 2026 को दर्ज की गई है। पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

नंदलाला की किलकारियों से खिलखिलाएगा पूरा शहर, दिल्ली में जन्मोत्सव की तैयारियां तेज

नई दिल्ली। नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...मन हर्षित है। जन्माष्टमी में महज एक दिन रह गए हैं। शुक्रवार मध्य रात्रि कान्हा की किलकारियों से घर-मंदिर, कॉलोनियां गूंजेंगी तो गोविंदाओं की टोली मटकी फोड़े नंदगोपाल के नटखट की प्रस्तुति देगी। इस बीच, शोभायात्रा के माध्यम से आध्यात्मिकता व धार्मिक संदेश अभी से बांटे जाने लगे हैं। हर ओर कान्हा जन्मोत्सव की तैयारियां जोरो पर हैं। मंदिरों में विशेष सजावट व आयोजन के साथ घरों में लड्डू गोपाल के स्वागत की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिसका खास असर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। सदर बाजार व चांदनी चौक के किनारी बाजार में कृष्ण भक्ति के साथ खरीदारी का उत्साह है। कहीं रंग- बिरंगी पोशाकें सजी हैं तो कहीं मोती- मोर पंख से दमकते मुकुट और झूले ग्राहकों को अपनी ओर खींच रहे हैं।

मेयर इंद्रजीत कौर ने जागरूकता-सह-सफाई अभियान का किया नेतृत्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- 'मिशन क्लीन पंजाब' के दूसरे चरण के तहत आगे बढ़ते हुए मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर ने मंगलवार को वार्ड नंबर 13 के विभिन्न इलाकों में जागरूकता-सह-सफाई अभियान का नेतृत्व किया। जागरूकता-सह-सफाई अभियान के दौरान मेयर इंद्रजीत कौर सहित नगर निगम के अन्य अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने के लिए स्थानीय निवासियों से बातचीत की। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त अमनप्रीत सिंह, निगरान इंजीनियर प्रवीण सिंगला सहित नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा के अन्य अधिकारियों ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया। मेयर इंद्रजीत कौर ने कहा कि पूरे शहर में सफाई सुनिश्चित करने का लक्ष्य निवासियों के सहयोग के बिना हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रशासन और नगर निगम सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न पहल कर रहे हैं और निवासियों को भी अधिकारियों के साथ मिलकर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने निवासियों से कचरा प्रबंधन के लिए रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल (आरआरआर) तकनीकों को अपनाने की अपील की। इसके अलावा लोगों से

खुले क्षेत्रों और खाली प्लॉटों में कचरा फेंकना बंद करने की अपील की गई। कचरा कूड़ा संग्रह करने वाले कर्मचारियों को सौंपा जाना चाहिए या नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थिर कॉम्पेक्टर स्थानों पर ही डाला जाना चाहिए। मेयर इंद्रजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में काम करते हुए वे टिकाऊ विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए हर पहलू को कवर किया जा रहा है। मेयर इंद्रजीत कौर ने आगे कहा कि जमीनी स्तर पर स्थिति की जांच करने के लिए औचक निरीक्षण भी किए जा रहे हैं। विभागीय कार्रवाई से बचने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई सुनिश्चित करने हेतु फील्ड स्टाफ को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

स्कूली बच्चों को 'प्लास्टिक चैंपियन' बनाने की पहल, पीपीसीबी ने शुरू किया 'पंजाब प्लास्टिक चैंपियंस कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला। प्लास्टिक कचरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्रोत स्तर पर इसके पृथक्करण एवं संग्रह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ऑफ एमिनेंस, फीलखाना, पटियाला में 'पंजाब प्लास्टिक चैंपियंस कार्यक्रम' की शुरुआत की। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए पीपीसीबी की चेयरपर्सन रीना गुप्ता ने कहा कि यह पहल केवल प्रतियोगिता या दो सप्ताह के संग्रह अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका उद्देश्य स्कूलों के माध्यम से बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और व्यवहार में स्थायी बदलाव लाना है। उन्होंने विद्यार्थियों और स्कूलों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि पटियाला के बच्चे इस अभियान को सफल बनाते हैं तो यह अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बन सकता है। कार्यक्रम के तहत स्कूल आधारित बहुस्तरीय प्लास्टिक (एमएलपी) कचरा संग्रह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसमें चिप्स व स्नैक पैकेट, बिस्कुट एवं कन्फेक्शनरी रैपर, नूडल्स

पैकेट, सैशे तथा अन्य लचीली प्लास्टिक पैकेजिंग को एकत्र किया जाएगा। ऐसी प्लास्टिक की पुनर्चक्रण क्षमता सीमित होने के कारण इसके प्रबंधन की चुनौती अधिक रहती है। सामान्य कचरे के साथ मिलने पर यह अंततः लैंडफिल में पहुंचकर कचरे का बोझ बढ़ाती है। पीपीसीबी का उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही कचरा पृथक्करण और जिम्मेदार कचरा प्रबंधन की आदत विकसित करना है। विद्यार्थियों को घरों से निकलने वाले एमएलपी कचरे को एकत्र कर साफ एवं सूखा रखने और स्कूलों में निर्धारित संग्रह बॉक्स में जमा करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बोर्ड एकत्रित सामग्री को उचित प्रसंस्करण एवं पुनर्प्राप्ति के लिए भेजने की व्यवस्था करेगा। यह कार्यक्रम पंजाब प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट सोसाइटी और स्थानीय गैर-सरकारी संस्था 'मेरा पटियाला मैं ही सवारां' के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में 20 से अधिक स्कूलों के प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), ईको-क्लब समन्वयकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। जिला शिक्षा विभाग, पटियाला की ओर से भी कार्यक्रम को सहयोग दिया गया। डिप्टी डीईओ डॉ. रविंदर पाल सिंह कार्यक्रम में शामिल हुए। जिन स्कूलों में फिलहाल एनएसएस या ईको-क्लब नहीं हैं, उन्हें भी विद्यार्थी नेतृत्व वाले पर्यावरण समूह गठित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के पहले चरण का समापन दो सप्ताह की स्कूल स्तरीय संग्रह प्रतियोगिता के साथ होगा। इसके बाद एकत्रित प्लास्टिक की मात्रा का आकलन किया जाएगा। दूसरे चरण में इसे पटियाला के अन्य स्कूलों तक विस्तार दिया जाएगा। पीपीसीबी का तत्काल लक्ष्य करीब 50 स्कूलों को अभियान से जोड़ना है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को 10 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाली पीपीसीबी की राज्य स्तरीय प्लास्टिक कचरा प्रबंधन सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा। पटियाला में संचालित इस पहल को पंजाब के अन्य हिस्सों में लागू किए जा सकने वाले मॉडल के रूप में भी प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में महाराष्ट्र की 'सफाई बैंक' पहल से जुड़े इसके शुरुआती नेतृत्वकर्ता ऋषि अग्रवाल और युवा पर्यावरणविद् एवं सामग्री निर्माता दमनजोत कौर भी शामिल हुए। दोनों ने विद्यार्थियों से संवाद कर प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन और पुनर्चक्रण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के व्यावहारिक अनुभव साझा किए। पीपीसीबी ने पंजाब के अन्य स्कूलों से भी इस अभियान से जुड़ने की अपील की है। बोर्ड का संदेश है कि 'प्लास्टिक चैंपियंस' अभियान की शुरुआत पटियाला से हो चुकी है और अब अन्य स्कूलों की भागीदारी का स्वागत है।

कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने गुरु तेग बहादुर नगर में चलाया सफाई अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा 'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत पूरे राज्य में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने गुरु तेग बहादुर नगर, लुधियाना में सफाई अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर को साफ-सुथरा बनाने के साथ-साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने नगर निगम लुधियाना के अधिकारियों, आम आदमी पार्टी के वालंटियरों और सफाई कर्मचारियों के साथ मिलकर अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान शहर के विभिन्न हिस्सों में मौजूद छोटे कूड़ा डंपों की सफाई कर गंदगी हटाई गई। हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर पंजाब बनाने के लिए मान सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि 'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत लुधियाना शहर के छोटे-छोटे कूड़ा डंपों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर बनाना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी समान जिम्मेदारी है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फेंकें तथा सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि लोग अपना घरेलू कूड़ा केवल नगर निगम के घर-घर कूड़ा एकत्र करने वाले वाहनों को ही दें। कैबिनेट मंत्री मुंडियां ने विशेष रूप से रेहड़ी-फड़ी वालों से अपील की कि वे अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखें और कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें। उन्होंने कहा कि लोगों के सहयोग से ही लुधियाना को स्वच्छ, सुंदर और साफ-सुथरा शहर बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

भारतीय जीवन बीमा निगम के 70वें स्थापना दिवस पर वृक्ष पौधारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। पेड़ रहने से प्रकृति का संतुलन बरकरार रहेगा। विशुद्ध वायु के साथ देसी खान-पान जीव को सुस्त रखने में मदद करता है ओर सुस्त बातावरण में दिए गए शिक्षा से मानव संपद निर्माण में सहायक होता हैं। इस उद्देश्य को आगे रखते हुए 1956 में प्रतिष्ठित भारतीय जीवन बीमा निगम के 70वीं प्रतिष्ठा दिवस के अवसर पर समग्र भारतवर्ष के साथ धेमाजी शाखा के तहत सिलापथार सैटेलाइट शाखा की तरफ से बृहत्तर इलाके की विभिन्न अनुष्ठान, प्रतिष्ठानों के अलावा मंदिरों में आम,आमला, आदि फॉलो की पौधा रोपण कार्यक्रम लिया गया। सिलापथार मझौलिया विद्यालय परिसर में उल्लेखित वृक्ष पौधा रोपण कार्यक्रम में संस्था के बीमा सहयोगी अधिकारी (licia) सोनाराम शौकिया ने भारतीय जीवन बीमा निगम के तरफ़ से प्रदान किए जा रही सुविधाओं के लाभ उठाने के लिए लोगों को

किया आह्वान करते हुए कहा जरूरतमंद विधालय में यातायात के लिए बस एवं वैन की सुविधा, बीमा विद्यालय के सुविधा के अलावा हालही में 27 अगस्त को संस्था के जोरहाट डिवीजन की तरफ से असम मेडिकल कॉलेज डिब्रूगढ़ में स्त्री एवं प्रसूति विभाग में बेहतर इलाज 4.67करोड़ का लागत से आधुनिक मिशनरियां मुहैया किया गया है जो सर्वसाधारण जरूरतमंद लोगों को इसका भरपूर लाभ उठाने के लिए आग्रह किया। आज इस कार्यक्रम में सिलापथार उपग्रह शाखा के प्रबंधक अरूप बोर्गोहाइन सहित भारी संख्या में एजेंट और मझौलिया विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका मौजूद थे।

दिल्ली में कारोबार करना होगा आसान, सिंगल विंडो सिस्टम से मिलेंगी सभी अनुमतियां

नई दिल्ली। दिल्ली में कारोबार करने में होने वाली परेशानी दूर होगी। इससे जुड़ी विभिन्न स्वीकृति, पंजीकरण, लाइसेंस, अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) सहित अन्य औपचारिकताओं के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जिसके माध्यम से एक ही आनलाइन पोर्टल पर सभी सेवा निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध होगी। पंजीकरण के बाद सामान्य परिस्थितियों में तीन वर्षों तक किसी प्रकार का नियमित निरीक्षण नहीं किया जाएगा। केवल गंभीर प्रकृति की शिकायत मिलने पर ही निरीक्षण किया जा सकेगा। इससे उद्योगों को अनावश्यक निरीक्षणों से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 'दिल्ली ईज आफ डूइंग बिजनेस बिल, 2026' को स्वीकृति दी गई। अब इसे स्वीकृति के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास भेजा जाएगा।

सार्वजनिक दुर्गापूजा महोत्सव में नाम-संकीर्तन एवं मृदंग नृत्य प्रतियोगिता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः आगामी शारदीय दुर्गोत्सव के अवसर पर भक्ति, संस्कृति एवं परंपरा के समन्वय से पातियाला सार्वजनिक दुर्गापूजा महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के तहत पातियाला के समीप स्थित बटतला दुर्गा मंडप में श्रीकृष्ण नाम-संकीर्तन एवं मृदंग नृत्य प्रतियोगिता का विशेष आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, मृदंग की ताल, श्रीकृष्ण नाम-संकीर्तन की भक्तिमय धुन और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण होगी। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए तीन आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं 15 वर्ष से कम, 25 वर्ष से कम तथा 40 वर्ष से कम। प्रत्येक आयु वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 10 हजार रुपये और 5 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता

का आयोजन 18 एवं 19 अक्टूबर 2026 को बटतला दुर्गा मंडप में होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों को 10 अक्टूबर 2026 तक पंजीकरण कराना होगा। आयोजन समिति ने प्रतिभाशाली कलाकारों, नृत्य-कलाकारों एवं संस्कृति प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। पातियाला क्रिमेटोरियम डेवलपमेंट कमेटी के संयुक्त आयोजन में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर आयोजकों ने आशा व्यक्त की है कि श्रद्धालुओं एवं संस्कृति प्रेमियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से दुर्गापूजा महोत्सव और भी भव्य एवं यादगार बनेगा।

संजय झील में डूबने से तीन युवकों की मौत, स्कूल के समय से थी गहरी दोस्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। दोस्ती सिर्फ एक शब्द नहीं है। यह वह एहसास है जिसको लोग जीते हैं। मंगलवार देर शाम को संजय झील में एक युवक नहाने के दौरान डूब गया, तैरना नहीं आता था। फिर भी उसके दोनों दोस्त जान की परवाह किए बिना झील में कूद गए। तीनों दोस्तों की जान चल गई। तीनों की दोस्ती ऐसी कि जान चली गई, लेकिन आखिरी वक्त भी एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। तीनों के शवों का पोस्टमार्टम एकसाथ हुआ। लेकिन अंतिम संस्कार अलग-अलग हुआ। परिवार के साथ ही उनके पड़ोसियों की आंखे नम थी। पांडव नगर थाना पुलिस ने एलबीएस अस्पताल में बुधवार को आशीष नोटियाल, इनके दोस्त सौरव रावत व साहिल का पोस्टमार्टम करवाकर शव स्वजन को सौंपा। सौरव का अंतिम संस्कार गाजीपुर में हुआ, जबकि साहिला को कोटला के कब्रिस्तान में दफनाया गया। कल्याणपुरी में दो लोगों के साथ एकसाथ पहुंचे तो आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। तीनों युवक स्कूल से दोस्त थे। तीनों अक्सर संजय झील में घूमने के लिए जाते थे। वह दीवाली व ईद समेत अन्य त्योहार मिलकर मनाते थे। एक दूसरे के घर पर खाना खाते थे। बता दें मंगलवार देर शाम को आशीष संजय झील में नहाने गए थे, वह पानी में डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए उनके दोनों दोस्त गए। तीनों की डूबकर मौत हो गई।

पढ़ाई के साथ ही रैपिडो चलाकर घर चला रहा था सौरव रावत

सौरव रावत अपने परिवार के साथ कल्याणपुरी में रहते थे। जब वह पांच वर्ष के थे, उसी दौरान पिता की मौत हो गई थी। परिवार में मां, बड़ा भाई व एक बहन है। सौरव पत्राचार से बीए कर रहे थे। इसके साथ ही वह रैपिडो चलाते थे। मृतक के भाई हेमंत ने कहा कि सौरव का संस्कार उसके दोनों दोस्त थे। वह बचपन से उनके साथ था। वह हर खुशी व गम दोनों के साथ ही साझा करता था। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के एक सदस्य की नहीं तीन लोगों की मौत हुई है। सौरव के दोनों दोस्त भी उनके परिवार के अहम हिस्सा थे।

एंबुलेंस से हरिद्वार गया आशीष नोटियाल का शव

आशीष नोटियाल मूलरूप से उत्तरकाशी स्थित जोगथ गांव के रहने वाले थे। परिवार में पिता लक्ष्मी प्रसाद, मां व दो भाई हैं। आशीष का छोटा भाई मानसिक रूप से कमजोर है। आशीष इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में नौकरी करते थे। लक्ष्मी प्रसाद ने बताया कि वह आशीष के शव को हरिद्वार लेकर गए हैं। वहां पर अंतिम संस्कार करेंगे। उन्होंने कहा कि आशीष के कंधों पर घर की जिम्मेदारी थी। परिवार उसकी शादी की तैयारी कर रहा था। शादी के लिए लड़की तलाश की जा रही थी। उन्होंने कहा नहीं पता कि हादसा कैसे हुआ है। आशीष की मां बार-बार बेहोश हो रही थी, उन्हें यकीन नहीं आ रहा कि बेटा अब इस दुनिया में नहीं रहा।

उपकार फाउंडेशन द्वारा भव्य स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। उपकार फाउंडेशन लगातार छात्रों,विधवाओं, विकलांगों एवं समाज के कमजोर वर्ग को आर्थिक मदद करती आई है।इसी श्रृंखला में ब्रह्म कुमारी राज योगा सेंटर मालवीय नगर में उपकार फाउंडेशन की ओर से 40 प्रतिभावान विद्यार्थियों को 2000 स्कॉलरशिप,पाठ्य सामग्री,प्रदान किए गए।डॉ. पूरन सिंह डबास पूर्व अध्यक्ष आर्य समाज साकेत की ओर से बच्चों को सुंदर डायरी भी प्रदान की गई।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फाउंडेशन के राष्ट्रीय सलाहकार डॉ डी.आर. कार्तिकेन,पूर्व विधायक नरेश यादव के अलावा विशेष अतिथि स्क्वाड लीडर अशोक आहूजा, सलाहकार प्रमोद पाठक,डॉ मधु चौधरी,डॉ बनमाला बासु, डी. धूपिया, राका प्रसाद, कविता बांका, सविता सिक्का, दिवंशी ढींगरा, प्रेरणा मोहन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वहीं, बीके

नीरू दीदी, इंजी वाई एल बांका,ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।बीके नीरू दीदी ने योगाभ्यास एवं नशा मुक्ति अभियान पर सारगर्भित विचार रखें।इस अवसर पर चर्चा का मुख्य विषय हैप्पीनेस था।इस विषय पर सबसे तार्किक विचार रखने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किये गए।फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ बांका ने ब्रह्म कुमारी एवं समस्त उपस्थित गणमान्य जनों एवं कार्यकर्ताओं का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उपकार फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ रेखा बांका समय-समय पर होनहार विद्यार्थियों एवं जरूरतमंदों को आर्थिक मदद एवं अन्य ज़रूरी सामग्री प्रदान करती रही है।

इफको-एमसी के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संघाणी ने संबोधित किया

कहा 12 वर्षों में हमने कितना कारोबार किया यह महत्व पूर्ण नहीं है बल्कि किसानों तक कितनी पहुँच बनाई, कितने किसानों की सेवा की।यह महत्व पूर्ण है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज । इफको संस्था के अध्यक्ष दिलीप संघाणी ने कहा हैकि आज हम इफको-एमसी का 12वाँ स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसलिए केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि हमने 12 वर्षों में कितना कारोबार किया। हमें यह भी देखना होगा कि इन 12 वर्षों में हमने कितने किसानों तक पहुँच बनाई, कितने किसानों की सेवा की और उनके जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन ला सके। उन्होंने कहाकि प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी जी द्वारा गठित रूस्क समिति का सदस्य होने के नाते मुझे किसानों की वास्तविक समस्याओं और उनके सुझावों को नीति-निर्माण के बारे में मेरे अनुभव साझा किया। सहकारिता किसान को अकेला नहीं छोड़ती। वह किसान को संगठन की शक्ति देती है, बाजार से जोड़ती है और उसके हितों की सामूहिक रूप से रक्षा करती है। हमें किसान की आय की चिंता के साथ-साथ किसान के स्वास्थ्य और उसके सामाजिक जीवन की भी चिंता करनी होगी। नेफ्स्कोक के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए मुझे वैश्विक स्तर पर सहकारी संस्थाओं और किसानों पर पड़ने वाले आर्थिक दबाव को भी करीब से समझने का अवसर मिला, उन दिनों के मेरे अनुभव साझा किया। आज इफको-एमसी के 12वें स्थापना दिवस पर हमें अपनी स्थापना के समय के सिद्धांतों, उद्देश्यों और संकल्पों को फिर से याद करना चाहिए। हमें यह तय करना होगा कि आने वाले वर्षों में इफको-एमसी केवल एक सफल संस्था के रूप में नहीं, बल्कि किसानों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने वाली संस्था के रूप में पहचानी जाए। क्योंकि किसान हित सर्वोपरि,है राष्ट्र हित सर्वोपरि है।

उत्तर प्रदेश के आउटसोर्स कर्मियों के लिए नई व्यवस्था की शुरुआत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का नगर निगम सभागार में सजीव प्रसारण किया गया, जिसे वहां उपस्थित लोगो के द्वारा देखा व सुना गया। मुख्यमंत्री जी ने आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को समझते हुए उनके दैनिक जीवन को सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य के साथ आउटसोर्स सेवा निगम का गठन करते हुए आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोत्तरी के साथ ही उनके लिए कई सामाजिक सुरक्षाओं की घोषणा की है। आउटसोर्स कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री जी ने कुछ दिन पूर्व ही आंगनबाड़ी कार्यकत्री, रसोईया, शिक्षामित्रों, अनुसेवको के वेतन को भी बढ़ाकर दुगुना कर दिया है। सरकार का एक मात्र संकल्प है कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति के जीवन में एक नई चेतना, रोशनी आयें तथा एक नया संकल्प जागृत हो। उत्तर प्रदेश में आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति और सेवा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के माध्यम से आउटसोर्स सेवाओं के प्रबंधन को डिजिटल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। आउटसोर्स सेवा निगम नई व्यवस्था में जेम पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से एजेंसियों के चयन की व्यवस्था की गई है। साथ ही आउटसोर्स कर्मियों के वेतन, ईपीएफ और ईएसआईसी से संबंधित रिकॉर्ड एवं भुगतान व्यवस्था को डिजिटल माध्यम से अधिक जवाबदेह बनाने का प्रावधान है। आउटसोर्स सेवा निगम का उद्देश्य आउटसोर्स कर्मियों, सरकारी विभागों और सेवा प्रदाता एजेंसियों के बीच पारदर्शिता, जवाबदेही और बेहतर समन्वय स्थापित करना है। इस अवसर पर विधायक फाफामऊ श्री गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक करछना श्री पीयूष रंजन निषाद, विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी, पाषर्दगण, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, नगर आयुक्त सीलम साई तेजा, अपर नगर आयुक्त श्शा दाब असलम, अपर नग अरविंद कुमार राय, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संजय मंमगई सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण व बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

महेवा से 15 वर्षीय छात्र 5 दिनों से लापता

नैनी, प्रयागराज । एग्रीकल्चर महेवा क्षेत्र से एक 15 वर्षीय छात्र पिछले 5 दिनों से लापता है। परिजनों ने हर जगह खोजबीन की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसके बाद नैनी थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी गई है।गुमशुदा छात्र का नाम सुन्दरम है। उसकी उम्र लगभग 15 वर्ष, कद 5 फुट 5 इंच और रंग सांवला है। वह सैम हिग्गिनबॉटम इंटर कॉलेज में पढ़ाई करता है। लापता होने के समय वह चैकदार शर्ट और पैर में चप्पल पहने हुए था।छात्र एग्रीकल्चर कैंपस महेवा नैनी प्रयागराज का निवासी है। उसके पिता शुआट्स में गार्ड की नौकरी करते हैं।भाई शिवम पुत्र अजय कुमार ने बताया कि सुन्दरम 28 अगस्त को शाम 7 से 8 बजे के बीच घर से निकला था और 5 दिन बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटा है।परिवार ने लोगों से अपील की है कि किसी को भी इस छात्र के बारे में कोई जानकारी मिले तो तत्काल संपर्क करें।

सीसीटीवी कैमरा तोड़ने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

नैनी, प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत तेंदुआवन निवासी प्रभु नाथ पाण्डेय ने पुलिस को तहरीर देकर पड़ोस के तीन लोगों पर घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ने, आए दिन गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। तहरीर के अनुसार, कथित रूप से तीन लोग मिलकर उनके घर/परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे को जानबूझकर तोड़ दिया। इससे कैमरा क्षतिग्रस्त होने के साथ उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ। आरोप है कि उक्त लोग आए दिन उनके और परिवार के साथ गाली-गलौज करते हैं तथा जान से मारने की धमकी देते हैं। इससे परिवार में भय का माहौल है। प्रभु नाथ पाण्डेय ने पुलिस को बताया कि घटना से संबंधित साक्ष्य मौजूद हैं। उनके बगल में लगे कुलदीप पाण्डेय के सीसीटीवी कैमरे में भी घटना रिकॉर्ड होने की संभावना है। उन्होंने पुलिस से संबंधित फुटेज को तत्काल सुरक्षित कराकर जांच में शामिल किए जाने की मांग की है। सीसीटीवी कैमरे को हुए नुकसान की भरपाई तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है।

झाड़ियों की गिरफ्त में करोड़ों की लागत से बना रोडवेज बस स्टैंड

पूरनपुर (पीलीभीत)। रोडवेज बस अड्डे पर बना बस स्टैंड झाड़ियों की गिरफ्त में कैद है। इसको लेकर हिंदू संगठन के जिलाध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए जिम्मेदारों से बस स्टैंड के पास साफ सफाई कराने के साथ ही बस अड्डे पर बसों का संचालन कराए जाने की मांग की है। हिंदू संगठन के जिलाध्यक्ष अंकुर गुप्ता ने करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए पूरनपुर रोडवेज बस स्टैंड की बदहाल स्थिति को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें बस स्टैंड परिसर में उगी झाड़ियां और अव्यवस्थाएं दिखाई दे रही हैं। अंकुर गुप्ता ने आरोप लगाया कि जनता की सुविधा के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रोडवेज बस स्टैंड का निर्माण कराया गया था, लेकिन वर्तमान में इसकी स्थिति उपेक्षा के कारण खराब होती जा रही है।

नैनी से सहसों तक जाने वाले रिंग रोड के लिए गंगा जी पर बन रहे सेतु के निर्माण प्रगति का किया स्थलीय निरीक्षण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को नैनी से झूंसी होते हुए सहसों तक जाने वाले रिंग रोड के लिए गंगा जी पर बन रहे सेतु के निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य को समय से पूर्ण न कराये जाने एवं बार बार कार्य की समयावधि को बढ़ाये जाने पर कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों के बारे में जानकारी लेते हुए कार्यदायी संस्था जीपीटी इंफ्रा प्रोजेक्ट लि0 को गुणवत्ता के साथ समय से कार्य को पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने एनएचआई के अधिकारियों को भी नियमित रूप से कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण करते रहने के निर्देश दिए है। उन्होंने मैनपॉवर बढ़ाकर कार्य को गुणवत्ता के साथ जून-2027 तक पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर कार्यदायी संस्था एवं एनएचआई के अधिकारी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी ने वोटर्स के नाम काटने पर घेरा, बोले- वोट चोरी के तरीके बदलते रहेंगे, मकसद सिर्फ बीजेपी को जीताना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से दो करोड़ से अधिक नाम काटे जाने को लेकर मंगलवार को बीजेपी और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि 'वोट चोरी' के तरीके बदलते रहते हैं, लेकिन मकसद किसी भी कीमत पर बीजेपी की जीत सुनिश्चित करना है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि बीजेपी और 'वोट चोरी आयोग' के तरीके बदलते रहते हैं, और बदलते रहेंगे– मकसद बस एक ही है: किसी भी क़ीमत पर बीजेपी की जीत, और भारत के लोकतंत्र का अंत। महाराष्ट्र में 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच अचानक 39 लाख नए मतदाता जुड़े थे। उन्होंने कहा, ''मैंने तब भी कहा था, आज भी कहता हूं कि यह वोट चोरी थी।'' कांग्रेस नेता ने पश्चिम बंगाल में 2026 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र करते हुए दावा किया कि जिन नामों को मतदाता सूची से हटाया गया था, उनमें से 91 प्रतिशत नाम अपील के बाद वापस जोड़ने पड़े। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि ''हर 10 में से 9 नाम गलत तरीके से काटे गए'' और इन नामों को चुनाव के बाद ही जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि मैंने तब भी कहा था, आज भी कहता हूं: यह वोट चोरी थी। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर निशाना साधते हुए कहा कि अब महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं को ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर कर दिया गया है– यानी हर पांचवां वोटर। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकसभा चुनाव 2024 में 9.29 करोड़, विधानसभा चुनाव 2024 में 9.7 करोड़ और एसआईआर 2026 में 7.78 करोड़ मतदाताओं की संख्या में से ''कौन सी सूची सही थी ?'' उन्होंने आरोप लगाया, ''वोट चोरी से बनी सरकार के लिए जनता जरूरी नहीं है– यही कारण है कि ये बीजेपी न जनता की सुनती है, न उनका आदेश मानती है।'' महाराष्ट्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत सोमवार को जारी मसौदा मतदाता सूची में 2.06 करोड़ लोगों के नाम हटा दिए गए हैं, जो पिछले मतदाताओं का करीब 21.14 प्रतिशत है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने सोमवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा मसौदा मतदाता सूची में 7.71 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम शामिल हैं, जिनमें 3.95 करोड़ पुरुष, 3.75 करोड़ महिलाएं और 3,087 तृतीय लिंग के मतदाता हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में ली गई दिल्ली विश्वविद्यालय की आकृति चौधरी को लेकर सरकार से वीडियो साक्ष्य पेश करें।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा में अप्रैल 2026 में हुए श्रमिक प्रदर्शन के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में ली गई दिल्ली विश्वविद्यालय की इतिहास स्नातक आकृति चौधरी की भूमिका को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार से वीडियो साक्ष्य पेश करने को कहा। अदालत ने पूछा कि आखिर वह कौन सा साक्ष्य है जिससे यह साबित होता है कि आकृति ने प्रदर्शनकारियों को पत्थरबाजी या वाहनों में आग लगाने के लिए उकसाया था। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अचल सचदेव की खंडपीठ मंगलवार को आकृति चौधरी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में करीब पांच महीने से जारी हिरासत को चुनौती दी गई। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूछा कि रिकॉर्ड में कहां यह दर्ज है कि आकृति ने लोगों को बुलाकर पत्थर फेंकने के लिए कहा था। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या कोई ऐसा साक्ष्य है जिससे पता चलता हो कि उसने प्रदर्शनकारियों को वाहनों में आग लगाने के लिए कहा था। राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि मामले में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। इस पर जस्टिस अतुल श्रीधरन ने कहा कि आरोपपत्र दाखिल होने के बाद यह देखा जाना चाहिए था कि किन गवाहों ने विशेष रूप से आकृति का नाम लिया है। इसके बाद राज्य सरकार ने आकृति को आरोपों से जोड़ने वाले गवाहों के बयानों का हवाला दिया। हालांकि, अदालत ने कथित घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग के बारे में सवाल किया और राज्य से पूछा कि वीडियो में वह स्थान दिखाया जाए जहां आकृति प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर भड़का रही हों। राज्य सरकार ने कहा कि वह वीडियो हासिल कर अदालत के समक्ष पेश करेगी और इसके लिए समय मांगा। कोर्ट ने और समय देने से इनकार कर दिया। जस्टिस श्रीधरन ने कहा कि आकृति पहले ही पांच महीने से जेल में हैं। उन्होंने कहा, 'मैं समय नहीं दूंगा। वह पांच महीने से जेल में हैं।' इसके बाद राज्य सरकार ने मामले को अगले दिन सुबह 10 बजे सुनवाई के लिए रखने का अनुरोध किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। खंडपीठ ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि यदि रिकॉर्ड से यह सामने आया कि अधिकारियों ने मनमाने तरीके से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया है तो संबंधित जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पर जुर्माना लगाया जा सकता है। 25 वर्षीय आकृति चौधरी दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास की स्नातक हैं। उन्हें नोएडा में अप्रैल में हुए श्रमिक प्रदर्शन से जुड़े मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून, 1980 के तहत हिरासत में लिया गया। उनकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में हिरासत की वैधता और उसे जारी रखने को चुनौती दी गई। इस मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने 13 मई को पत्रकार सत्यम वर्मा और आकृति चौधरी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाया। दोनों उन सात कार्यकर्ताओं में शामिल थे जिन्हें प्रदर्शन से जुड़े अलग–अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया। इससे पहले गौतमबुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने मीडिया के सामने दावा किया कि सत्यम वर्मा और आकृति चौधरी समेत गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ पुलिस के पास मजबूत इलेक्ट्रॉनिक और वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं। अब हाईकोर्ट ने राज्य से विशेष रूप से वह वीडियो साक्ष्य पेश करने को कहा, जिससे आकृति पर प्रदर्शनकारियों को हिंसा के लिए उकसाने के आरोप की पुष्टि हो सके।

संतानों की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने रखा हल छठ व्रत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के चक रघुनाथ स्थित राम जानकी मंदिर में बुधवार को संतानों की दीर्घायु, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर महिलाओं ने पूरे विधि-विधान के साथ हल छठ (हरछठ/ललही छठ) का पर्व मनाया। इस दौरान माताओं ने निर्जला व्रत रखकर अपने पुत्रों की लंबी आयु एवं कल्याण की कामना की। पूजा के अवसर पर महिलाएं सामूहिक रूप से एकत्र हुई। महिलाओं ने कुश, पलाश और झरबेरी की झाड़ियों की स्थापना कर हरछठ माता का प्रतीक बनाया। पूजा स्थल पर पारंपरिक रूप से तालाब (बेड़ी) बनाकर कुश स्थापित की गई। इसके बाद धूप, दीप, फूल एवं फल अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती की गई।पूजन के दौरान महिलाओं ने महुआ, चना, पसाही का चावल (तिन्नी का चावल), छह प्रकार के अनाज तथा भैंस के दूध-दही से बने प्रसाद का भोग लगाया। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक गीतों के बीच महिलाओं ने हरछठ माता की पूजा की।पूजा के उपरांत महिलाओं ने सामूहिक रूप से हल छठ माता की व्रत कथा का श्रवण किया। इसके बाद माताओं ने अपनी संतानों के सिर पर अक्षत एवं हल्दी का टीका लगाकर उन्हें आशीर्वाद दिया और उनके सुखी, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।इस अवसर पर यशोदा देवी जायसवाल,पम्मी जायसवाल, अनुस्का जायसवाल, रेनू, शिवानी केसरवानी, पुष्पा केसरवानी सहित मोहल्ले की कई महिलाएं मौजूद रहीं।

जिलाधिकारी ने सलोरी कछार पहुंचकर बढ़ रहे जलस्तर का जायजा लिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को बाढ़ के दृष्टिगत सलोरी कछार का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में आमजन को कोई दिक्कत न हो। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। नदी के किनारे क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है। एनडीआरएफ की टीम लगातार भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर रख रही है। सभी राहत शिविर क्रियाशील है। उन्होंने लोगो से अपील की कि यदि बाढ़ का पानी ज्यादा बढ़ता है, तो वे बाढ़ राहत शिविरों में शिफ्ट हो जाये। जिलाधिकारी ने नगर क्षेत्र में नगर निगम को व ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतीराज विभाग को साफ-सफाई की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया है। इसके साथ ही दवाओं का छिड़काव भी कराये जाने के निर्देश दिए गए है। जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत केन्द्रों में गुणवत्तापूर्ण खाना, पानी, प्रकाश, दवाओं सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान बाढ़ एवं राहत कार्य से संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएचसी में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं से रोगी और तीमारदार परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं का खामियाजा रोगियों और तीमारदारों को भुगतना पड़ रहा है। अस्पताल में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की लगातार गैर मौजूदगी रहने के कारण स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होने के बजाये उनमें दिन प्रतिदिन गिरावट आ रही है। यही नहीं सूत्र तो यह भी बताते हैं कि अस्पताल में तैनात डॉक्टरों के द्वारा गरीब मरीजों को बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं। जिससे जहां सरकार की नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की मंशा पूरी नहीं हो रही है, वहीं दूरदराज से आने वाले मरीज अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए भीम आर्मी एकता मिशन के तहसील अध्यक्ष ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी से कर एमओआईसी का किसी अन्य ब्लॉक में स्थानांतरण करते हुए एशिया के सबसे बड़े ब्लॉक पूरनपुर में जिम्मेदार एवं ईमानदार चिकित्सा प्रभारी अधिकारी की तैनाती कराने की मांग की है। पूरनपुर निवासी भीम आर्मी एकता मिशन के तहसील अध्यक्ष शुभम कुमार सागर ने बताया कि उन्हें व संगठन के अन्य साथियों को लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात डॉक्टर मेडिकल संचालकों से मिलीभगत के चलते अस्पताल में आने वाले गरीब मरीजों को अस्पताल से दवाई मुहैया कराने की जगह बाहर की दवाई लिखने में अधिक दिलचस्पी दिखाते हैं। संगठन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आरोप है कि दवाओं पर मोटा कमीशन मिलने के चलते यह गोरखधंधा किया जा रहा है। जिसके बाद भी भोले वाले मरीज इस पर अपनी आवाज भी नहीं उठा पाते हैं। तहसील अध्यक्ष शुभम कुमार सागर ने कहा कि वह इस पूरे प्रकरण की जिलाधिकारी से शिकायत की गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त अव्यवस्थाओं में कहीं ना कहीं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ मनीष राज शर्मा की अपने कर्तव्यों के प्रति बढ़ती जा रही लापरवाही कारण बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अस्पताल जाने पर अधिकतर ज्ञात होता है कि एमओआईसी श्री शर्मा अस्पताल में मौजूद नहीं है। जिसके चलते निरंकुश अधीनस्थ गरीब जरूरतमंद रोगियों का समुचित उपचार नहीं करते हैं। यही नहीं चोटिल मरीजों से पट्टियां बाहर से मंगाई जाती हैं साथ ही रेबीज के इंजेक्शन लगवाने आने वाले लोगों से डिस्पोजल सिरिंज मेडिकल स्टोर से मंगवाई जाती है। उन्होंने कहा कि जहां सरकार स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर करने को लेकर रुपए पानी की तरह बहाने का दावा करती है। वहीं जिम्मेदार विभिन्न बीमारियों में नाम मात्र की दवाएं मरीजों को देकर औपचारिकता निभा रहे हैं। श्री सागर का कहना है कि पूरनपुर सीएचसी का क्षेत्र काफी बड़ा होने के कारण यहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में मरीज अपना इलाज करवाने आते हैं। कारण है कि गरीबी के चलते वह लोग अच्छे अस्पतालों में अपना इलाज करवाने में असमर्थ हैं। लेकिन यहां मोटी तनख्वाह पाने वाले डॉक्टर लापरवाही बरतते हैं। अस्पताल में एमओआईसी की गैर मौजूदगी के चलते इन पर अंकुश लगाने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान एमओआईसी डॉ0 मनीष राज शर्मा की पूरनपुर में तैनाती के बाद से स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होने की बजाये लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में गिरावट आ रही है। जिसका मुख्य चिकित्सा अधिकारी को संज्ञान लेना चाहिए। इस मामले में जिलाधिकारी से की गई शिकायत करने वालो में जिला उपाध्यक्ष नदीम, जिला संगठन सचिव विजय कुमार गौतम आदि थे। जब अस्पताल में व्याप्त अनियमितताओं एवं संबंधित शिकायत के बाबत मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वार्ता करने हेतु उनके मोबाइल नंबर +918417988203 पर 06 बजकर 56 मिनट पर कॉल की गई तो उन्होंने कॉल रिसीव नही की।

वीबी-जी राम जी योजना को लेकर पंच सम्मेलन में ग्रामीण विकास पर मंथन

........सीडीओ प्रभुल्ल कुमार शर्मा ने जनप्रतिनिधियों से सहभागिता बढ़ाने का किया आह्वान, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शिता पर दिया जोर ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम पंचायतों की सहभागिता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बुधवार को जनपद स्तरीय पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका, ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी गई। मुख्य विकास अधिकारी प्रभुल्ल कुमार शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में ग्राम पंचायतों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता बेहद महत्वपूर्ण है। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहयोग को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। सम्मेलन में उपायुक्त श्रम रोजगार वीबी-जी राम जी सुशील कुमार सिंह ने योजना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। मास्टर ट्रेनर राज किशोर ने प्रशिक्षण एवं योजना से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी, जबकि सहायक निदेशक विवेक और जिला प्रशिक्षण अधिकारी प्रयागराज ने भी सम्मेलन में प्रतिभागियों को आवश्यक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में जिले के समस्त खंड विकास अधिकारी, एपीओ उदय राज शर्मा, तकनीकी सहायक समेत अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, ग्राम प्रधान एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सम्मेलन में सहभागिता की। अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं को धरातल पर प्रभावी बनाने के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। जनप्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहयोग करें। सम्मेलन के दौरान विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान तथा विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। अंत में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक सहभागिता और जनसहयोग के माध्यम से वीबी-जी राम जी योजना समेत ग्रामीण विकास की योजनाओं को सफल बनाने का संकल्प लिया।

डा. वीरेन्द्र मिश्र की जयन्ती मनाई गई, योगदान की सराहना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय हेमवती नन्दन बहुगुणा पीजी कालेज के सभागार में बुधवार को प्रबन्ध समिति के पूर्व अध्यक्ष डा. वीरेन्द्र मिश्र की जयन्ती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबन्ध समिति की अध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा मिश्रा ने स्व0 डा. वीरेन्द्र के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने डा. वीरेन्द्र के चिकित्सा तथा शिक्षा के क्षेत्र में दिये गये योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र व विशिष्ट अतिथि इं. जितेन्द्र त्रिपाठी रहें। कार्यक्रम का संयोजन इं. सिद्धार्थ त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. निशान्त कुमार पाण्डेय, डॉ. वाचस्पति मिश्र तथा डॉ. जितेन्द्र कुमार विश्वकर्मा ने भी अपने विचार रखे। संचालन डॉ. फणींद्र नारायण मिश्र ने किया। इस मौके पर डॉ. शिवकुमार यादव, डॉ. ऐश्वर्य तिवारी, डॉ. अभिषेक पाण्डेय, मयंक परमार, संतोष दुबे, डॉ. महेश पाण्डेय, डॉ. संतोष कुमार मिश्र, डॉ. सियाराम मौर्य, डॉ. नीलू शुक्ला, डॉ. प्रियंका आदि मौजूद रहे।

बारिश के कारण धंसी सड़क, आवागमन प्रभावित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। नाले पर बने पुल के समीप बारिश के कारण अचानक सड़क धंस जाने से मंगलवार की रात से आवागमन प्रभावित हो उठा है। लालगंज के नेशनल हाइवे रायबरेली के रानीगंज कैथौला से लवाना मार्ग पर विकास नगर के पास से नाला गुजरता है। इस पर पुलिया का भी निर्माण हुआ है। पुलिया से जुड़ा पहुंच मार्ग मंगलवार की रात बारिश के कारण अचानक धंस गया। इसके कारण लवाना मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो उठा है। लोगों ने कार्यदायी संस्था तथा प्रशासन से मार्ग को दुरूस्त कराये जाने की मांग उठाई है।

लेखपालों की समस्याओं पर डीएम से वार्ता, समाधान का भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की जिला कार्यकारिणी ने मंगलवार को जिलाधिकारी विशाख जी समेत प्रशासन एवं राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर लेखपालों की लंबित समस्याओं और विभागीय कार्यों में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों को प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण की मांग की। अधिकारियों ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नियमानुसार सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया। जिला कार्यकारिणी ने जिलाधिकारी विशाख जी के अलावा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा और अपर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह से भी मुलाकात की। इस दौरान राजस्व कार्यों के सुचारु संचालन, कार्यस्थल पर आने वाली व्यवहारिक समस्याओं, विभागीय दायित्वों के निर्वहन में आ रही परेशानियों और कर्मचारियों के हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि लेखपाल राजस्व विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में आम लोगों से जुड़े तमाम राजस्व कार्यों का दायित्व उनके ऊपर है। ऐसे में कर्मचारियों की समस्याओं का समय से समाधान होने से उनका मनोबल बढ़ेगा और राजस्व कार्यों की गति भी बेहतर होगी। जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल की ओर से रखे गए सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासन और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय एवं निरंतर संवाद पर जोर दिया। एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा और एडीएम राकेश कुमार सिंह ने भी समस्याओं के समाधान में सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह ने कहा कि अधिकारियों के साथ सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण संवाद कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण है। लेखपाल संघ समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर आगे भी प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने अधिकारियों द्वारा समस्याओं को गंभीरता से सुनने और समाधान का भरोसा दिए जाने पर आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल में जिला मंत्री कुलदीप यादव, उपाध्यक्ष सच्चिदानन्द द्विवेदी समेत जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

जेई की मौत की दूसरे दिन भी नहीं सुलझ सकी गुत्थी, जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर थाना के मंगापुर में किराये के मकान में विद्युत विभाग के प्रभारी जे.ई. विवेक यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत की गुत्थी दूसरे दिन बुधवार को भी अनसुलझी दिखी। हालांकि पुलिस ने मंगलवार की देर शाम मृतक प्रभारी जे.ई. की पत्नी सुमन यादव तथा भाई विनय के पहुंचने पर शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। सूत्रों के मुताबिक मंगलवार की देर रात शव का पीएम होने के बाद परिजन उसे लेकर मृतक प्रभारी जे.ई. के घर जौनपुर जिले के थाना बक्सा के मीरगंज कुंवारदहा चले गये। मृतक की पत्नी की ओर से पुलिस को पति के मृत्यु का कारण को लेकर शव के पीएम कराये जाने की तहरीर दी गई है। पीएम रिपोर्ट में जेई की मौत का कारण आत्महत्या बताई गई है। घटना को लेकर दूसरे दिन बुधवार को भी विभाग के अन्दरखाने से लेकर बाजार में जे.ई. की आत्महत्या को लेकर चर्चा का माहौल देखा सुना गया। सीओ लालगंज राजीव द्विवेदी का कहना है पीएम रिपोर्ट के साथ घटना को लेकर परिजनों की तहरीर मिलती है, तब सभी बिन्दुओं पर गम्भीरता पूर्वक जांच की जायेगी। दबी जुबान से उदयपुर विद्युत उपकेन्द्र में कर्मचारियों के बीच प्रभारी जे.ई. की आत्महत्या को पारिवारिक अथवा विभागीय तनाव से लेकर भी जोड़ा जाता देखा गया।

हालांकि पुलिस ने मंगलवार की देर शाम मृतक प्रभारी जे.ई. की पत्नी सुमन यादव तथा भाई विनय के पहुंचने पर शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुयालय भेजवाया। सूत्रों के मुताबिक मंगलवार की देर रात शव का पीएम होने के बाद परिजन उसे लेकर मृतक प्रभारी जे.ई. के घर जौनपुर जिले के थाना बसा के मीरगंज कुंवारदहा चले गये। मृतक की पत्नी की ओर से पुलिस को पति के मृत्यु का कारण को लेकर शव के पीएम कराये जाने की तहरीर दी गई है।

शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से जिला प्रशासन अलर्ट

तहसील प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। बनबसा बैराज से दो लाख क्यूसेक तक पानी छोड़े जाने के बाद शारदा नदी का जल स्तर बढ़ने के चलते जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ की संभावना के मद्देनजर लगातार सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को नायब तहसीलदार सौरभ दीप की उपस्थिति में शारदा नदी के जल स्तर, कटान और नदी किनारे स्थित संवेदनशील ग्रामों व बाढ़ चौकियों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राणा प्रताप नगर, शास्त्री नगर, टिब्बा, हजारा, अयोध्या नगर बाढ़ चौकी, लाल बहादुर शास्त्री नगर स्थित बाढ़ शरणालय, तथा मोरनिया व गांधीनगर बाढ़ चौकियों का स्थलीय जायजा लिया गया। तहसील प्रशासन द्वारा बताया गया कि मंगलवार की रात से शारदा नदी में 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर मौके पर मिले सभी कर्मचारियों को अपनी-अपनी ड्यूटी पूरी जिम्मेदारी और मुस्तैदी से निभाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। मवेशियों व पशुओं में किसी भी प्रकार की बीमारी की सूचना तत्काल जिला और तहसील प्रशासन को देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि समय पर इलाज किया जा सके। इसके साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी व्यक्ति को दवा की आवश्यकता होने पर त्वरित सहायता के लिए संबंधित चिकित्सा विभागों से समन्वय स्थापित किया गया है। हजारा, टिब्बा और शास्त्री नगर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के लिए पके हुए भोजन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। ?इस निरीक्षण के दौरान राजस्व निरीक्षक महेश पाल, लेखपाल आशीष निषाद, लेखपाल श्याम मौर्य, लेखपाल प्रद्युमन पांडे और लेखपाल रामेश्वर चौहान सहित अन्य प्रशासनिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आकर झुलसा किशोर, सांसद ने जाना हाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। निगोहां के डीह मजरा उतरावां गांव में मिलाद-उन-नबी के जुलूस के दौरान 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलसे 13 वर्षीय किशोर का हाल जानने बुधवार को सपा सांसद आरके चौधरी और पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर उसके घर पहुंचे। दोनों ने किशोर और उसके परिजनों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों के मुताबिक गांव निवासी मो. असलम पुत्र बाबू बीती 27 अगस्त को मिलाद-उन-नबी के जुलूस में शामिल था। जुलूस के दौरान वह हाथ में झंडा लेकर चल रहा था। इसी बीच ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से झंडा छू गया। करंट की चपेट में आने से किशोर बुरी तरह झुलस गया। हादसे के बाद जुलूस में अफरा-तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले गए। बुधवार को सांसद आरके चौधरी और पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर पीड़ित के घर पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। परिजनों ने गांव में जर्जर और नीचे लटक रही विद्युत लाइनों की समस्या भी बताई। सांसद ने मौके से ही बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता को फोन कर घटना की जानकारी दी और जर्जर हाईटेंशन लाइन का तत्काल निरीक्षण कर दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि आबादी और आवागमन वाले स्थानों से गुजर रही विद्युत लाइनों की स्थिति में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन कर ऐसी व्यवस्था की जाए, जिससे भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। पूर्व विधायक ने भी विद्युत व्यवस्था की जांच कर आवश्यक सुधार कराने और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा, जिला पंचायत सदस्य अरुण यादव, अशर्फी लाल धीमान, उमेश यादव, अनीद अहमद, हरिशंकर रावत, अकबर अली, इसरार, हासिम, झब्बू, दुन्नी और शालिम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा में माधवदेव तिथि पर भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि संवाददाता। महापुरुष श्री श्री माधवदेव की पावन तिथि के अवसर पर एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी राघव चंद्र नाथ के मार्गदर्शन में किया गया। क्विज प्रतियोगिता में एनएसएस स्वयंसेविका पायल मिश्रा ने प्रथम, पिया चक्रवर्ती ने द्वितीय तथा अनुज शुक्लबैद्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में प्रिया चक्रवर्ती ने प्रथम स्थान हासिल किया। पूनम गोपे ने द्वितीय तथा प्रोश्मिता दास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिमान भट्टाचार्जी ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शेरपुर कलां की छात्राओं ने जिला स्तरीय कला उत्सव में कहानीवाचन व नाटक में हासिल किया प्रथम स्थान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। माध्यमिक शिक्षा विभाग (समग्र शिक्षा) के अंतर्गत जनपद पीलीभीत के वीरांगना अवंतीबाई जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूरे जनपद के विभिन्न विद्यालयों से छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में राजकीय माडल बालिका इंटर कॉलेज शेरपुर कलां की छात्राओं ने अपनी कला प्रदर्शन से कहानीवाचन व नाटक में पहला स्थान प्राप्त किया। नाटक की प्रस्तुति में शहराज़ हैदर, अदीबा बी, अर्शीनाज़ व आलिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तो वहीं कहानी वाचन में आफरीन अंसारी, असम अंसारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा लोक नृत्य में डिम्पी भारती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शहराज़ हैदर उर्फ अंशू ने नाटक के अन्त में अपनी स्पीच से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया और अपनी टीम के साथ जीवन्त अभिनय करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। कालेज की समस्त छात्राओं ने जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर शिक्षकों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कला उत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों में छिपी रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

बैनामे के भूखंड पर जबरन कब्जेदारी,विरोध पर पूर्व सैन्य अधिकारी और भाई पर हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीजीआई / लखनऊ। पीजीआई क्षेत्र के सरथुआ गांव में क्रय किये गये भूखंड पर दबंगों ने जबरन कब्जा कर लिया और निर्माण भी शुरू कर दिया।चल रहे निर्माण का विरोध करने पहुंचे भूखंड स्वामी और उसके भाई पर दबंगों ने कातिलाना हमला बोल दिया।आरोप है कि दबंगों ने लाठी डंडों और धारदार हथियार से मारपीट की। पीड़ित कैप्टन देवेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक वो बीते 31 अगस्त की शाम अपने छोटे भाई नायब सूबेदार महेंद्र प्रताप सिंह के साथ नरपतगंज बाजार स्थित मकान पर पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने गाटा संख्या 663 में स्थित अपनी रजिस्ट्रीशुदा जमीन पर कुछ लोगों को निर्माण करते देखा।आरोप है कि निर्माण का विरोध करने के लिए महेंद्र प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे तो सतीश उर्फ गुड्डू, कौशल किशोर, रामराज पुत्र मैकूलाल और संजू राजा समेत कुछ अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर देवेंद्र कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे तो दबंगों ने उन्हें भी नहीं बक्सा। सूचना पर 112 पीआरवी मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने चलने के लिए कहा। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद रात करीब 10 बजे तक जमीन पर निर्माण कार्य चलता रहा। उन्होंने आशंका जताई कि यदि दोनों भाई मौके से नहीं हटते तो उनके साथ कोई गंभीर घटना हो सकती थी।पीड़ित भाइयों ने मामले की शिकायत पुलिस से की और आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

मोहनलालगंज, लखनऊ। नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर घर से भगाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में मोहनलालगंज पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने किशोरी को भी सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को किशोरी की मां ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी करीब 15 वर्षीय बेटी घर से लापता हो गई है। जानकारी करने पर पता चला कि उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बजेहरा गांव निवासी राज उर्फ टुशी पुत्र पिन्टू उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

मरौरी ब्लॉक प्रमुख ने बारिश से बर्बाद फसलों का देखा हाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। विकास खंड मरौरी की ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा ने ग्राम मैदना, देवपुरा एवं कल्याणपुर नौगमा सहित कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने ब्लॉक प्रमुख को बताया कि लगातार हो रही अधिक वर्षा के कारण किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है। इस पर ब्लॉक प्रमुख ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित फसलों का जायजा लिया और किसानों से जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन किसानों की फसल बारिश से प्रभावित हुई है, उनका शीघ्र सर्वे कराया जाए और नियमानुसार उन्हें मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाए। ब्लॉक प्रमुख सविता देवी वर्मा ने कहा कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और बारिश से हुई फसल क्षति का आकलन कराकर प्रभावित किसानों को राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने गांव में सरकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे। इनमें धर्मपाल, तेजराम, सोहनलाल, खूबचंद और शांति स्वरूप सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।